खबरों के 69 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump. com

पत्र नहीं मित्र

संपर्क करें ➛ jabdesh1@yahoo.com

चतुर्थ दिवस मां कुष्माण्डा

देशबन्धु

जबलपुर, बुधवार 02 अप्रैल 2025 | वर्ष –69 | अंक –137 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 3.00 रु.

- बांग्लादेश को खो रहा भारत
- आसान नहीं है डगर तीसरे... 04
- अब टैक्स घटा रहा भारत, पहले ऐसा क्यों...
- राजनीतिक दलों में टकराव जारी, बीएनपी... 09
- ट्रंप की नीतियों से सहमा बाजार, सेंसेक्स...
- सोना नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर, चांदी ने भी लगाई... 11
- भारत की सर्वकालीन...
- बेन स्टोक्स काउंटी... 10

आईपीएल में आज

TATA IPL

बेंगलुरु विरुद्ध गुजरात (बेंगलुरु) 7.30 शाम से

उत्तर प्रदेश सरकार पर भड़का सुप्रीम कोर्ट, कहा–

मनमानी बुल्डोजर कार्रवाई से हमारी अंतरात्मा को झटका लगा है

नई दिल्ली, देशबन्धु। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में साल 2021 के बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त रवैया अपनाया है। कोर्ट ने प्रयागराज डेवलपमेंट ऑथोरिटी से सभी 5 याचिकाकर्ताओं को 10–10 लाख रुपये मुआवजा देने को कहा है। ऑथोरिटी 6 सप्ताह के भीतर यह भुगतान करना होगा। कोर्ट ने नोटिस मिलने के 24 घंटे के भीतर मकान गिरा देने को अवैध बताया।

जस्टिस अभय एस ओका और उज्वल भुइयां की बेंच ने कहा, यह मुआवजा इसलिए भी जरूरी है ताकि भविष्य में सरकारें बिना उचित प्रक्रिया के लोगों का मकान गिराने से परहेज करें। जजों ने हाल ही में सामने आए एक वीडियो का भी हवाला दिया, जिसमें गिरती हुई झोपड़ी से एक बच्ची अपनी किताबें लेकर भाग रही है। उन्होंने कहा कि अलग–अलग रूप में ऐसी घटनाएं हर जगह देखने को मिल रही हैं।

पांच याचिकाकर्ताओं को 10–10 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश

घरों पर बुलडोजर चलने की यह घटना 2021 में हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इसको संविधान के तहत नागरिकों के मूल अधिकार का उल्लंघन माना। कोर्ट ने कहा कि नोटिस देने के 24 घंटे के अंदर घर गिराने की कार्रवाई पूरी तरह से अवैध थी। कोर्ट ने इसे समाज में गलत संदेश फैलाने वाली तथा कानून के शासन के खिलाफ कार्रवाई करार दिया। जस्टिस अभय ओका तथा जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि मुआवजा प्रभावितों को राहत देने के साथ साथ सरकार को भविष्य में ऐसी मनमानी रोकने के लिए भी है। फैसले के दौरान कोर्ट ने हाल में वायरल एक वीडियो का हवाला भी दिया। इस वीडियो में बुलडोजर एक्शन के दौरान एक बच्ची अपनी किताबें लेकर ढहती झोपड़ी से भागती दिख रही है। अदालत ने इसे अंतरात्मा को ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

तल्ख टिप्पणियां
- किसी के पास 2-3 मकान तो बुलडोजर चला दोगे
- देश में कानून का शासन
- ढहती झोपड़ी से भाग रही बच्ची का दिया हवाला

सार संक्षेप

दिल्ली दंगे मामले में मुश्किल में कपिल मिश्रा

- कोर्ट ने दिया एफआईआर दर्ज करने का आदेश
- दंगों के दौरान इलाके में मौजूद थे कपिल मिश्रा

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार में मंत्री और भाजपा नेता को राउज एवेंन्यू कोर्ट से मंगलवार को झटका लगा है। कोर्ट ने मंत्री कपिल मिश्रा और अन्य के खिलाफ 2020 के दिल्ली दंगों में उनकी कथित विभिन्न भूमिकाओं की जांच के लिए सुनवाई का आदेश दिया। साथ ही कोर्ट ने कपिल मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए आवेदन स्वीकार कर लिया है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने इसे प्रथम दृष्ट्या संज्ञेय अपराध पाया, जिसमें उन्होंने जांच के आदेश दिए हैं। न्यायाधीश ने कहा कि यह साफ है कि दंगों के दौरान कपिल इलाके में थे। इसमें आगे जांच की जरूरत है। न्यायाधीश यमुना विहार निवासी मोहम्मद इलियास द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी, जिसका दिल्ली पुलिस ने विरोध किया और दावा किया कि दंगों में मिश्रा की कोई भूमिका नहीं थी। कपिल मिश्रा का जन्म पूर्वी उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में 13 नवंबर 1980 को हुआ था। उनकी मां अन्नपूर्णा मिश्रा भाजपा नेता रही हैं। वे पूर्वी दिल्ली नगर निगम की मेयर भी रहीं। भाजपा में कपिल मिश्रा को हिंदुत्व के बड़े चेहरे के रूप में देखा जाता है। कपिल मिश्रा ने भाजपा के टिकट से करावल नगर विधानसभा से आम आदमी पार्टी के मनोज कुमार त्यागी को 23,355 वोटों से हराया।

भयावह अग्नि हादसे लील गए 34 से ज्यादा लोगों की जान

बनासकांठा पटाखा फैक्टरी में धमाका

21 जिन्दा जल गए

बनासकांठा। गुजरात के बनासकांठा में स्थित एक पटाखा फैक्टरी में आग लगने से 21 लोगों की मौत की खबर है। डीसा में मौजूद इस कंपनी में जिस समय विस्फोट हुआ, उस समय फैक्टरी में पटाखे बनाए जा रहे थे।

कर्मचारियों के परिवार के सदस्य भी परिसर में रहते थे और वे भी मलबे में दब गए। डीसा की उपमंडल मजिस्ट्रेट नेहा पांचाल के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र में स्थित फैक्टरी में विस्फोट के कारण आग लगने और इमारत के कुछ हिस्से ढह जाने से कई लोग मलबे में दब गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना में 21 लोग मारे गए हैं। बनासकांठा एसपी अक्षयराज मकवाना ने कहा, घटना में 21 लोगों की मृत्यु हो गई है, स्लैब के ढह जाने से लोगों की मृत्यु हुई है।

प्रधानमंत्री ने जताया दुख, मृतकों-घायलों को सहायता राशि का ऐलान

हमने एफआईआर दर्ज की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों को 2–2 लाख और घायलों को 50–50 हजार की सहायता घोषित की है। ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

पश्चिम बंगाल की पटाखा फैक्ट्री में भयानक विस्फोट, सात की मौत

दक्षिण 24 परगना। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के रायपुर धौलहट थाना क्षेत्र में स्थित पाथरप्रतिमा तृतीय बाड़े में एक भयानक विस्फोट हुआ। यह घटना उस समय हुई, जब लोग बसंती पूजा के लिए एक कमरे में पटाखे बना रहे थे। विस्फोट के बाद पूरे घर में आग लग गई। इससे सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना सोमवार रात करीब साढ़े 9 बजे की है।

स्थानीय विधायक समीर कुमार जाना ने बताया कि विस्फोट के बाद आग इतनी तेजी से फैली कि पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया।

कई घायल गंभीर

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जब विस्फोट हुआ, तब कुछ लोग घर के अंदर थे और आग की लपटों में घिर गए। दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुछ और लोग अंदर फंसे हुए थे। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

घटना इतनी भयावह थी कि एक घर में भीषण आग और भगदड़ में लोग तेजी से जलते हुए घर से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, जबकि कुछ लोग अंदर फंसे घायलों को बाहर निकालने की कोशिश कर रहे थे। एक अन्य वीडियो में महिलाएं रोते हुए अपने अपनों को बचाने की गुहार लगा रही हैं।

राजस्थान : फैक्ट्री से गैस-लीक, मालिक सहित 3 की मौत, 60 से ज्यादा हुए थे बेहोश

ब्यावर (राजस्थान)। राजस्थान के ब्यावर में तेजाब फैक्ट्री के गोदाम में खड़े टैंकर से नाइट्रोजन गैस के लीक होने से कंपनी मालिक सहित 3 की मौत हो गई। हादसे से प्रभावित 60 से ज्यादा लोगों ब्यावर और अजमेर सरकारी हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। गैस के असर से कई पालतू जानवर और आवारा कुत्तों की भी मौत हुई है। घटना ब्यावर थाने के बाडिडा क्षेत्र की सुनील ट्रेडिंग कंपनी में सोमवार रात 10 बजे की है। फैक्ट्री के नजदीक के कई घरों को खाली करवाया गया है। इस हादसे में कंपनी मालिक सुनील सिंघल (47) की मौत हो गई। वो रातभर गैस को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे थे। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अजमेर जेएलएन हॉस्पिटल रेफर किया गया था। सोमवार रात को ही इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, मंगलवार सुबह दो और पीड़ित नरेंद्र सोलंकी (40) और दयाराम (52) ने भी दम तोड़ दिया।

इलाके को खाली करवाया

दो ट्रेनें में भिड़ंत के बाद लगी आग, लोको पायलट समेत 2 की मौत

झारखंड के साहिबगंज में बड़ा रेल हादसा हुआ है। यहां दो मालगाड़ियों की आपस में जोरदार टक्कर हो गई है। टक्कर को बाद भीषण आग लग गई और हादसे में लोको पायलट समेत दो की मौत हो गई। ललमटिया–फरक्का एमजीआर रेलवे लाइन पर मालगाड़ियों के बीच टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों गाड़ियों के इंजन के चिथड़े उड़ गए और भीषण आग लग गई।

नोएडा के अट्टा मार्केट में लगी भीषण आग, बचने के लिए कई लोग इमारत से कूदे

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 18 स्थित अट्टा मार्केट के कृष्णा बिल्डिंग में सुबह के समय, जब लोग अपने काम में व्यस्त थे और मार्केट में हलचल शुरू हो रही थी, अचानक आठ मंजिला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में आग लग गई। लोगों ने रस्सियों के सहारे बिल्डिंग से बाहर आकर अपनी जान बचाई। ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो- उत्तर प्रदेश सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाते हुए कहा है-हमारी अन्तरआत्मा हिल गई।

चुहिया- हां प्रिये- अदालत समय-समय पर कड़े संदेश देती रहती है लेकिन सत्ता पाने-बचाने के अपने खेल अलग होते हैं।

सीएम राइज स्कूल कहलाएंगे अब सांदीपनि विद्यालय : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का माला पहनाकर किया अभिनंदन, उपहार भी दिए

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार विद्यार्थियों को गणवेश, लैपटॉप, ई–स्कूटी, साइकिल, कोचिंग के साथ अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवा कर सही अर्थ में रामराज की कल्पना को साकार कर रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशन में मध्यप्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में भी विकास कर रहा है। प्रदेश के समस्त निर्मित और निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूलों का नाम अब सांदीपनि विद्यालय होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज भोपाल की अरेरा कॉलोनी स्थित शासकीय नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (ओल्ड कैम्पियन) में आयोजित स्कूल चलें हम राज्य स्तरीय प्रवेश उत्सव कार्यक्रम–2025 को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवीन विद्यालय परिसर पहुंचने ही विद्यार्थियों से संवाद किया और इस अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी देखी। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चित्रों का अवलोकन कर सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में के.जी.–2 में प्रवेश लेने वाली नन्ही बालिकाओं को माला पहनाकर उनके विद्यालय में प्रवेश की औपचारिकता पूर्ण करवाई।

- शुरू हुआ एजुकेशन पोर्टल 3.0
- राज्य स्तरीय स्कूल चलें हम अभियान - 2025 का शुभारंभ

हिंदी साहित्यकार कमल किशोर गोयनका का निधन

नई दिल्ली। हिंदी जगत के प्रख्यात साहित्यकार डॉक्टर कमल किशोर गोयनका का मंगलवार सुबह राजधानी के अस्पताल में निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। पारिवारिक सूत्रों से श्री गोयनका के निधन की जानकारी मिली है। उनके बड़े पुत्र संजय गोयनका ने बताया कि उनके पिता को नौ मार्च से डॉ गोयनका को सांस लेने में कष्ट हो रहा था और उपचार के लिए उन्हें राजधानी के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

JAN JYOTI SUPER SPECIALITY EYE HOSPITAL
अब पाइये चश्मे से छुटकारा मात्र कुछ सेकेण्ड्स में
Teneo- 2 तकनीक से इलाज
TRANS EPI सबसे आधुनिक और सुरक्षित
आज ही विजिट करें
9165108121 janjyotieyehospital.com
1051, Gol Bazar, Near Keshwarwani College, Wright Town, Jabalpur

Excellence in Education, Excellence in Life
A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL
(C.B.S.E. Affiliated Reg. No. 1031302)
ADMISSION OPEN FOR SESSION 2025-26
Class Nursery to XII Science I Commerce I Humanities
Special Discount in Admission fee & School fee for the State and National Players for all the Games
राष्ट्र स्तरीय एवं प्रदेश स्तरीय सभी खेलों के खिलाड़ियों के लिये प्रवेश शुल्क एवं मासिक शुल्क में विशेष छूट
Ph.: 0761-2676360, 8349593500, 9826587200

संसद — भाजपा, कांग्रेस, जेडीयू, टीडीपी ने अपने सांसदों को जारी किया व्हिप

वक्फ संशोधन बिल लोकसभा में आज होगा पेश

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन बिल 2 अप्रैल को प्रश्नकाल के बाद दोपहर 12 बजे लोकसभा में पेश होगा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस पर 8 घंटे चर्चा का समय निर्धारित किया है। एनडीए को बहस में बोलने के लिए 4 घंटे 40 मिनट का समय मिला है। बाकी के समय विपक्ष के नेता बोलेंगे। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएसी) ने जब इस बात की जानकारी दी। विपक्ष ने कहा कि चर्चा 12 घंटे होनी चाहिए। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बिल पर चर्चा का समय बढ़ाया जा सकता है। इसके बाद बिल लोकसभा में पास किया जाएगा। हालांकि, विपक्ष ने बीएसी की बैठक से वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सरकार पर अपने एजेंडे को थोपने और विपक्षी सदस्यों की बात नहीं सुनने का आरोप लगाया। लोकसभा में बहस के लिए भाजपा, कांग्रेस, जेडीयू, टीडीपी समेत पार्टियों ने अपने सांसदों के लिए व्हिप जारी किया।

- 8 घंटे चर्चा का समय निर्धारित किया गया
- बिजनेस एडवाइजरी कमेटी ने दी जानकारी
- विपक्ष का बीएसी की बैठक से वॉकआउट
- भाजपा को नीतीश-नायडू का साथ मिला

हम बिल पर चर्चा चाहते है : रिजिजू–भाजपा ने व्हिप जारी कर अपने सांसदों को सदन में पूरे समय मौजूद रहने को कहा है। वहीं, कांग्रेस ने अपने सभी सांसदों को बजट सत्र के बाकी बचे तीनों दिन सदन में मौजूद रहने के लिए व्हिप जारी किया है। संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि हम बिल पर चर्चा चाहते हैं। सभी राजनीतिक दलों को इस पर बोलने का अधिकार है। देश भी जानना चाहता है कि किस पार्टी का क्या स्टैंड है। वहीं वक्फ बिल पर भाजपा को नीतीश, नायडू का मिला साथ मिल गया है।

यह असंवैधानिक बिल है: वेणुगोपाल

वक्फ संशोधन विधेयक और इंडिया ब्लॉक नेताओं की बैठक पर कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा, प्रस्तावना के चरण में ही इंडिया गठबंधन और सभी समान विचारधारा वाले दलों का इस पर स्पष्ट रुख था। यह असंवैधानिक बिल है। हम इस विधेयक का विरोध करने जा रहे हैं। यह इंडिया गठबंधन दलों द्वारा सर्वसम्मति से तय किया गया है।

सपा वक्फ बिल के खिलाफ: अखिलेश

भाजपा का हर फैसला वोट के लिए होता है। समाजवादी पार्टी वक्फ बिल के खिलाफ है। भाजपा पूरा नियंत्रण चाहती है। प्रशासन के गलत फैसले के कारण भारत की संस्कृति और भाईचारे के खिलाफ खाई पैदा की गई है। वह कहते थे कि हम तुष्टीकरण की राजनीति कर रहे हैं, क्या भाजपा ईद पर किट बांटकर तुष्टीकरण नहीं कर रही है?

डाक पंजीयन क्रमांक एसएसपी जबलपुर/04/2020-2022

देश-विदेश

जेल में बंद इमरान खान नोबेल पुरस्कार के लिए नामित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को मानवाधिकारों और लोकतंत्र के प्रति उनके योगदान के लिए नोबेल शांति पुरस्कार 2025 के लिए नामित किया गया है। यह घोषणा पाकिस्तान वर्ल्ड अलायंस और नॉर्वेजियन राजनीतिक पार्टी सेंट्रम ने की है। पाकिस्तान वर्ल्ड अलायंस एक वकालत समूह है, जो दिसंबर 2023 में स्थापित हुआ था।यह संगठन नॉर्वे की राजनीतिक पार्टी पार्टी सेंट्रम से जुड़ा है। पार्टी सेंट्रम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर इसकी पुष्टि की. उन्होंने कहा कि इमरान खान को मानवाधिकारों और लोकतंत्र के लिए उनके कार्यों के कारण नामित किया गया है।

मोहाली कोर्ट का बड़ा फैसला

यौन उत्पीड़न केस में पादरी बजिंदर सिंह को उम्रकैद

चंडीगढ़। पंजाब के चर्चित पादरी बजिंदर सिंह को मोहाली कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। उन्हें यौन उत्पीड़न में दोषी पाए जाने के बाद कोर्ट ने उम्र कैद की सजा सुना दी है। बजिंदर सिंह पर साल 2018 में एक महिला ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था जिस पर लंबी सुनवाई और ट्रायल के कोर्ट ने उन्हें 28 मार्च को दोषी करार दिया था। मूलरूप से हरियाणा के यमुनानगर के रहने वाले बजिंदर सिंह जालंधर में चर्च ऑफ ग्लोरी एंड विजडम का संस्थापक है। वे खुद को यीशु मसीह का दूत बताते हैं और चमत्कारिक ईलाज का दावा करते हैं। पिछले दिनों उनका एक वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें वे मारपीट करते नजर आ रहे थे।

बजिंदर सिंह पर महिला ने लगाए थे आरोप-बजिंदर पर आरोप है कि वह विदेश में बसाने के बहाने महिला को अपने घर ले गया, उसके साथ गलत हरकत की और वीडियो भी बनाया। महिला ने आरोप लगाया है कि बजिंदर ने उसे धमकी दी थी, कि अगर उसने विरोध किया, तो उसका गलत हरकत वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। वहीं पीड़िता ने सजा पर संतुष्टि जताते हुए कहा कि ये केस 7 साल से दबा हुआ था, मगर उनके वकीलों, पुलिस और कोर्ट ने इसमें जान डाल दी। मोहाली कोर्ट ने बजिंदर सिंह के खिलाफ यह सजा का फैसला ऐसे समय पर दिया है, जब बजिंदर सिंह एक और यौन उत्पीड़न और एक अन्य महिला से मारपीट के मामलों में फंसा हुआ है।

अब शाम में भी लगेंगी अदालतें किन मामलों की होगी सुनवाई

नई दिल्ली। देश भर की जिला अदालतों में लंबित मामलों के भारी बोझ को कम करने के लिए केंद्रीय कानून मंत्रालय देश में 785 सायंकालीन अदालतों के काम करने की योजना बना रहा है। योजना के मुताबिक, मौजूदा अदालत परिसरों में ही शाम के समय ये सायंकालीन अदालतें काम करेंगी। इसके अधीन मामूली आपराध के मामले, मामूली संपत्ति विवाद के मामले और चेक विवाद के मामलों समेत ऐसे संक्षिप्त सुनवाई वाले मामले होंगे जिनमें अधिकतम तीन साल की सजा का प्रावधान है।

इस संबंध में विधि मंत्रालय ने एक कॉन्सेप्ट नोट तैयार किया है, जिसे पिछले महीने सभी राज्यों को भेजा गया था। इस नोट में कहा गया है कि ऐसे सायंकालीन अदालतों में पिछले तीन वर्षों के भीतर रिटायर हुए जिला न्यायाधीशों को अनुबंध के आधार पर नियुक्त करने का प्रस्ताव है। इस काम के बदले उन्हें देय भत्तों के साथ-साथ उनके अंतिम वेतन का 50त्न राशि बतौर पारिश्रमिक मिलेगी।

कब से कब तक काम करेंगी ये अदालतें-नोट में यह भी कहा गया है कि ऐसी सायंकालीन अदालतें सभी कार्य दिवसों में शाम 5 बजे से रात 9 बजे के बीच काम करेंगी। इससे पहले के समय में नियमित अदालतें अपना काम सुचारू रूप से करेंगी। बाद में उन्हीं अदालतों की सुविधाओं का इस्तेमाल सायंकालीन अदालतों के लिए किया जाएगा। प्रस्तावित योजना के तहत, सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीशों और सेवानिवृत्त अदालती कर्मचारियों को तीन साल की अवधि के लिए अनुबंध के आधार पर नियुक्त किया जाएगा और उन्हें उनके अंतिम वेतन का 50त्न और लागू महंगाई भत्ता मिलेगा। यदि अन्य सेवानिवृत्त कर्मचारी नियुक्त किए जाते हैं, तो उन पर भी यही नियम लागू होंगे।

सरकार का क्या मकसद-अधिकारी ने कहा कि छोटे आपराधिक विवादों पर ध्यान केंद्रित करके, शाम की अदालतों से लंबित मामलों में उल्लेखनीय कमी लाकर सरकार वादियों के बीच निराशा दूर करने और न्यायपालिका में जनता का विश्वास बहाल करने की उम्मीद कर रही है। हिन्दुस्तान टाइम्स ने कॉन्सेप्ट नोट का अध्ययन किया है। यह योजना गुजरात के सफल मॉडल से प्रेरित है, जहां 2006 में सायंकालीनअदालतें शुरू की गईं थीं और बाद में 2014 में इसके तहत सुबह और शाम की पारिवारिक अदालतों को भी शामिल करते इसका विस्तार किया गया है।

किस-किस तरह के मामलों की होगी सुनवाई

प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि प्रस्तावित अदालतें तीन साल से अधिक समय से लंबित वैसे छोटे आपराधिक मामलों की सुनवाई कर सकेंगी, जिसमें तीन साल तक के कारावास के दंड का प्रावधान है। इसके बाद 6 साल तक के कारावास वाले मामले शामिल किए जाएंगे। ओडिशा कानून विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, प्रस्ताव में सीआरपीसी- 1973 की धारा 260, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता- 2024 की धारा 283 के तहत संक्षिप्त सुनवाई और निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेंट एक्ट के तहत चेक डिजॉनर के मामले, सार्वजनिक उपद्रव के मामले और मामूली संपत्ति विवाद की सुनवाई इन अदालतों में कराए जाने का प्रावधान है। इसके तहत उन मामलों को लक्षित किया जाएगा जिसमें लंबी सुनवाई की जरूरत नहीं है ताकि जल्द से जल्द बोझ खत्म किया जा सके।

देश में लंबित मामलों का अंबार

देश की अदालतों में लंबित मामलों का अंबार है। राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष 21 फरवरी तक कुल 4.60 करोड़ मामले लंबित थे, जिनमें से 1.09 करोड़ सिविल मामले और 3.5 करोड़ आपराधिक मामले थे। इनमें से 44.55त्न मामले तीन साल से अधिक समय से लंबित हैं। अकेले ओडिशा में, इस वर्ष मार्च के अंत तक जिला न्यायालयों में 14,225 आपराधिक मामले लंबित हैं। इन लंबित मामले का एक प्रमुख कारण न्यायिक अधिकारियों की कमी है।

म्यांमार में भूकंप से अब तक 2056 लोगों की मौत

नई दिल्ली। म्यांमार में 28 मार्च को आए भीषण भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,056 हो गई है, जबकि 3,900 से अधिक लोग घायल हैं और करीब 270 लोग अब भी लापता हैं। म्यांमार की सत्तारूढ़ जुंटा सरकार ने सोमवार को यह जानकारी दी। 7.7 तीव्रता के इस विनाशकारी भूकंप के बाद मलबे में फंसे लोगों को बचाने का अभियान जारी है। सरकार ने इस त्रासदी में मारे गए लोगों के सम्मान में एक हफ्ते के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है।

3900 से ज्यादा घायल, राहत बचाव जारी

तीन दिन बाद मलबे से बाहर निकली महिला -सोमवार को अधिकारियों ने बताया कि मांडले स्थित ग्रेट वॉल होटल के मलबे से एक महिला को सुरक्षित बाहर निकाला गया। तीन दिन बाद किसी को जीवित बचाना राहत की उम्मीद जगाता है। म्यांमार में स्थित चीनी दूतावास ने फेसबुक पोस्ट में जानकारी दी कि महिला की हालत स्थिर है। मांडले, म्यांमार के भूकंप के केंद्र के पास स्थित है और इस भूकंप ने थाईलैंड सहित कई पड़ोसी देशों को भी प्रभावित किया, जहां राजधानी बैंकॉक समेत कई इलाकों में नुकसान की खबरें हैं।

बैंकॉक में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी-बैंकॉक में, बचावकर्मी एक निर्माणाधीन गगनचुंबी इमारत के मलबे में फंसे 76 लोगों को बचाने के लिए सोमवार को भी अभियान चला रहे हैं। इस इमारत का ढांचा भूकंप के प्रभाव से ढह गया था। रविवार तक, थाईलैंड में मरने वालों की संख्या 18 थी, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि मलबे से और शव बरामद हो सकते हैं।

भारत समेत कई देशों ने भेजी मदद-म्यांमार पहले से ही गृहयुद्ध के कारण संकट में था, लेकिन अब यह भूकंप वहां की स्थिति को और खराब कर रहा है। इस आपदा से प्रभावित 23,000 से अधिक लोगों को राहत पहुंचाने के लिए भारत समेत कई देशों और संयुक्त राष्ट्र जैसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने मदद भेजी है।

विधानसभा में गूंजा मस्जिदों के अवैध अतिक्रमण का मुद्दा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में मंगलवार को मस्जिदों की ओर से सरकारी जमीन पर किये जा रहे अवैध अतिक्रमण का मुद्दा उठा। शकूर बस्ती से भारतीय जनता पार्टी के विधायक करनैल सिंह ने नियम 280 के तहत मस्जिदों द्वारा सरकारी जमीन पर किये जा रहे अतिक्रमण का मुद्दा उठाया और सरकार से सरकारी जमीन पर किये जा रहे अतिक्रमण को रोकने के लिए कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा, मेरे विधानसभा क्षेत्र में दिल्ली विकास प्राधिकरण, डीडीए की जमीन पर मस्जिद बनी है और मस्जिद प्रबंधन की ओर वक्फ की जमीन बता कर अवैध निर्माण किये जा रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

मनमानी बुल्डोजर.....

झकझोरने वाला करार दिया। **15 दिन का नोटिस देना जरूरी**-अदालत ने पहले के दिशा निर्देशों का भी हवाला दिया जिसमें किसी संपत्ति को ध्वस्त करने से पहले 15 दिन का नोटिस देना अनिवार्य है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को अपने खर्चे पर घर दोबारा बनाने की अनुमति दी लेकिन कहा कि अगर उनकी अपील खारिज होती है तो उनको निर्माण हटाना होगा।

2021 का है पूरा मामला-ये मामला साल 2021 का है। प्रयागराज के लूकरगंज क्षेत्र के नजूल प्लॉट नंबर 19 में कुछ मकानों को अवैध निर्माण बताकर पीडीए ने बुलडोजर कार्रवाई की थी। याचिकाकर्ताओं में एक वकील, एक प्रोफेसर तथा तीन अन्य लोग शामिल थे। उन्होंने दावा किया कि शनिवार शाम को उनको नोटिस मिला और अगले ही दिन रविवार को उनके घरों को ध्वस्त कर दिया गया। इस कार्रवाई को अवैध मानते हुए याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

21 जिन्दा जले....

बनासकांठा कलेक्टर मिहिर पटेल ने कहा, इस घटना में घायल हुए चार लोगों की हालत स्थिर है। पुलिस जांच जारी है, आगे की जांच के लिए एफएसएल टीम को बुलाया गया है।

ओडिशा के कटक में शॉपिंग मॉल में आग-वहीं, दूसरी ओर राजस्थान के ब्यावर में रसायन कारखाने में खड़े एक टैंकर से हानिकारक गैस का रिसाव होने पर इसकी चपेट में आकर फैक्टरी के मालिक समेत तीन लोगों की मौत हो गई। गैस के प्रभाव से तबीयत खराब होने पर 50 से अधिक लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिला कलेक्टर महेन्द्र खड़गावत ने बताया कि सोमवार देर रात रिहायशी इलाके में स्थित कारखाने में गैस रिसाव हुआ जिसके कारण 53 लोग बीमार हो गए। उन्होंने बताया कि कारखाने के मालिक और दो अन्य की मौत हो गई है। उन्होंने कहा कि यह कारखाना अवैध रूप से चल रहा था। उन्होंने कहा कि हालात पर जल्द ही काबू पा लिया गया।

नोएडा के अट्टा मार्केट में...

आग लगते ही पूरे भवन में धुआं भर गया, जिससे उपर की मंजिलों पर मौजूद लोग घबराए और जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। कुछ लोग तो डर के मारे बिल्डिंग से कूद पड़े, जिनमें एक युवती समेत आठ लोग घायल हो गए। हालांकि, घायलों में से किसी की स्थिति गंभीर नहीं थी, लेकिन एक युवती को मामूली जलन की शिकायत थी। वहीं, प्रयागराज के बीएसएनएल ऑफिस में भी मंगलवार को आग लग गई। आग के कारण वहां कई सरकारी दस्तावेज जल गए। आग कैसे लगी, इस बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। घटना के तुरंत बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास किया।

जैसे ही आग की जानकारी स्थानीय लोगों को मिली, उन्होंने तुरंत पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचित किया। कुछ ही मिनटों में दमकल की 15 गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। 12 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। अग्निशमन और पुलिस टीम ने मिलकर करीब 85 लोगों को इमारत से सुरक्षित बाहर निकाला। घटना स्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई थी, जिससे सांस लेने में भी मुश्किल हो रही थी। इस घटना में कुल आठ लोग घायल हुए हैं, जिनमें से तीन को अस्पताल भेजा गया। आग के कारणों का पता लगाया जा रहा है, हालांकि शॉर्ट सर्किट को आग का कारण बताया जा रहा है।

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नरसिंहपुर
– संसोधित विज्ञप्ति–

क्रमांक/943 / जनपद / भंडार / 2025, नरसिंहपुर दि. 26.3.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कार्यालय जनपद पंचायत नरसिंहपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 अंतर्गत निम्नानुसार सामग्री की आवश्यकता पूर्ति हेतु स्थानीय एजेंसी / संस्थाओं से बंद लिफाफा में कोटेशन दिनांक 09.04.2025 दोपहर 2 बजे तक अमानत राशि 2000-00 (दो हजार) के साथ आमंत्रित किये जाते है।

(1) फोटो कापी (कलेक्टर महो. द्वारा दर स्वीकृत होने की तिथि तक)
(2) कम्प्यूटर मरम्मत सामग्री आदि एवं कार्टेज रिफिलंग आदि कार्य।
(3) स्टेशनरी (कलेक्टर महो. द्वारा दर स्वीकृत होने की तिथि तक)
(4) चाय, नास्ता
(5) टेन्ट शामियाना स्पीकर, जनरेटर, एलईडी आदि
(6) फ्लेक्स
(7) लंच पैकिट (1) डिब्बा में– पांच नग पुडी, सूखी सब्जी, सलाद, अचार, 1 नग मीठा (2) स्पेशल लंच पैकिटः- पांच नग रोटी, रशीली सब्जी, रायता, मीठा, सूखी सब्जी, सलाद, अचार, 1 नग मीठा।

समस्त प्राप्त बंद लिफाफा कोटेशन दिनांक 09.04.2025 को समय 3:00 बजे खोले जाएंगे।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत नरसिंहपुर

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं श्रीमती रानी पटेल उम्र 54 वर्ष पत्नि स्व. राजू पटेल निवासी म.नं. 1259, चम्पानगर मात्रछाया काम्प्लेक्स मानेगांव थाना रांझी जिला जबलपुर की निवासी हूँ! मेरे आधार कार्ड एवं पेनकार्ड में मेरा नाम रानी पटेल दर्ज है जबकि मेरे शिक्षा संबंधित प्रमाण पत्र में मेरा नाम दुर्गेश नन्दिनी दर्ज है! मैं अपने आधार कार्ड एवं पेन कार्ड में अपना नाम रानी पटेल के स्थान पर सही नाम दुर्गेश नन्दिनी संशोधित कर दर्ज करवाना चाहती हूँ! अतः मुझे दुर्गेश नन्दिनी पत्नि स्व. राजू पटेल के नाम से जाना पहचाना एवं लिखा पढा जावें।

पुराना नाम – रानी पटेल
नया नाम – दुर्गेश नन्दिनी

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं श्रीमती अन्नपूर्णा महोबिया उम्र 49 वर्ष पत्नि श्री प्रभात सिंह महोबिया निवासी म.नं. 1965, आल्हा कुंज रांझी बस्ती चंद्रशेखर आजाद वार्ड थाना रांझी तहसील रांझी जिला जबलपुर की निवासी हूँ तथा मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम अंग्रेजी में (ANNAPURNA MAHOBIA) गलत दर्ज है जबकि मेरे पेनकार्ड में मेरा नाम अंग्रेजी में (ANNAPURNA MAHOBIYA) दर्ज है जो कि सही है ! मैं अपने आधार कार्ड में अपना नाम (ANNAPURNA MAHOBIA) के स्थान पर अपना सही नाम अंग्रेजी में (ANNAPURNA MAHOBIYA) संशोधित कराना चाहती हूँ। अतः मुझे (ANNAPURNA MAHOBIYA) के नाम से जाना पहचाना एवं लिखा पढ़ा जावें !

पुराना नाम – (ANNAPURNA MAHOBIA)
नया नाम – (ANNAPURNA MAHOBIYA)

कृति

न्यायालय तहसीलदार (ग्रामीण) जबलपुर जिला जबलपुर
राजस्व प्रकरण क्रमांक- 2195/अ-6 /2024-25
आम इश्तहार

ग्राम पडरिया तहसील व जिला जबलपुर की आम जनता को सूचित किया जाता है कि, आवेदक ललित कुमार उपाध्याय पिता गंगा प्रसाद उपाध्याय निवासी म.नं. 96 लक्ष्मीबाई वार्ड कजरवारा जबलपुर ने ग्राम पडरिया प.ह.नं. 71 रा.नि.मं. खम्हरिया स्थित भूमि ख.नं. 248, 249 में से प्लाट नं. 71, 72 रकवा 1000+1000=2000 वर्गफुट भूमि पर विक्रेता सुबोध पटेल पिता स्व. हल्के पटेल निवासी पडरिया से विक्रय पत्र क्रमांक 1003 दिनांक 19/07/2013 के माध्यम से भूमि क्रय किये जाने के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति पेशी दिनांक 15/04/2025 तक इस न्यायालय में स्वंय उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

जारी दिनांक-28/03/2025
पेशी दिनांक-15/04/2025

टाइम्स — तहसीलदार जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार (ग्रामीण) जबलपुर जिला जबलपुर
राजस्व प्रकरण क्रमांक- 2194/अ-6 /2024-25
आम इश्तहार

ग्राम पडरिया तहसील व जिला जबलपुर की आम जनता को सूचित किया जाता है कि, आवेदक रामेत्री उपाध्याय पति ललित उपाध्याय निवासी 96 लक्ष्मीबाई वार्ड कजरवारा जबलपुर ने ग्राम पडरिया प.ह.नं. 71 रा.नि.मं. खम्हरिया स्थित भूमि ख.नं. 248, 249 में से प्लाट नं. 54, 55 रकवा 1000+1000=2000 वर्गफुट भूमि पर विक्रेता सुबोध पटेल पिता स्व. हल्के पटेल निवासी पडरिया से विक्रय पत्र क्रमांक 1002 दिनांक 19/07/2013 के माध्यम से भूमि क्रय किये जाने के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति पेशी दिनांक 15/04/2025 तक इस न्यायालय में स्वंय उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

जारी दिनांक-28/03/2025
पेशी दिनांक-15/04/2025

टाइम्स — तहसीलदार जबलपुर

नाम सुधार

मैं प्रमोद कुमार उम्र 42 वर्ष पिता पुरुषोत्तम रजक सा. इमलिया मोड़ बडेरिया डेरी ग्राम पंचायत इमलिया तह. पनागर जिला जबलपुर म.प्र. का निवासी हूं। मेरी पुत्री आशिकी रजक (ASHIKI RAJAK) का जन्म 27/08/2008 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पनागर में हुआ था। जिसके जन्म प्रमाण पत्र पर पुत्री के नाम की जगह रिक्त है व पिता का नाम अजय रजक लिखा है जो कि गलत है। जबकि पिता का सही नाम प्रमोद कुमार रजक है जो कि सही है व सत्य है। जिस पर सुधार करें। किसी प्रकार की असत्य जानकारी एवं कथन का मैं स्वयं जिम्मेदार रहूंगा। उपरोक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं।

प्रमोद कुमार रजक
पिता-पुरुषोत्तम रजक
ग्राम पंचायत इमलिया
पनागर

कृति

फौती
न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्र./1472/31-6/2024-25
आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक लक्ष्मी प्रसाद खटीक अन्य/ सुन्दरलाल खटीक नि. घमापुर जबलपुर... ने नजूल ब्लाक नं. 04.. प्लाट नं.17/2. ..... निर्मित रकवा/ रकवा 527.5 व.फु./अवि. हिस्सा ... व.फु./हे. विक्रय पत्र/हक त्याग / वसीयतनामा / दानपत्र / वारसान हक/दिनांक .....मृत्यु दिनांक 25/09/1983, 25/05/2012, 18/04/2021 को हो जाने के कारण वारसान हक / क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र.... खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है।

प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा / पटवारी / डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं. 04 प्लाट नं. 17/2...... निर्मित रकवा/रकवा 572.5 व.फु. हे. अवि. हिस्सा ....ग्राम सिविल स्टेशन प.ह.नं.... खसरा नं.... रकवा 572.5 व.फु./ हे. अमृतलाल पुत्र फूलचंद यादव, लालता देवी बेवा फूलचंद यादव के नाम दर्ज है।

अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 03/04/2025 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

इश्तहार आज दिनांक 13/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक- 13/12/2025
पेशीं दिनांक- 03/04/2025

र.नं. 07 — तहसीलदार रांझी, जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार तहसील गोरखपुर जिला जबलपुर
रा.प्र.क्र./3416/अ-6/2024-25
जबलपुर, दिनांक 04/03/25
आम इश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता ग्राम पुरवा प.ह.नं. 28/33 तहसील गोरखपुर-1 जिला जबलपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक मिठाई लाल दुलीचंद्र पिता प्रीतम लाल थाना संजीवनी नगर जबलपुर निवासी केवट मोहल्ला पुरवा के द्वारा ग्राम पुरवा में स्थित भूमि ख.नं. 176/4/1, 176/3, 177/3/3 रकवा 0.086 वर्गफुट/हेक्टेयर भूमि पर विक्रय पत्र/बंटवारा/वसीयत/फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किये जाने से प्रकरण विचाराधीन है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति लिखित में मय-दस्तावेज पेशी दिनांक 24.3.25 तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह इश्तेहार न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक- 04/03/2025
पेशीं दिनांक- 24/03/25

र.नं. 03 — तहसीलदार, गोरखपुर, कार्यपालिक दण्डाधिकारी जबलपुर

In The Court Of VIII Civil Judge Class-I, District Court, Jabalpur
Presiding Officer: अंकिता शाही
आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकारी अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक
(MJC SUC/0000048/2025)
नमिता शुक्ला......................आवेदक
Vs
मैनेजर यूको बैंक............अनावेदक
Process Id-/2025
पेशी दिनांक - 08/05/2025

प्रेषिती-
(1) आम जनता पता- जबलपुर म.प्र.
(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक नमिता शुक्ला पता निवासी- 1662/1 ग्वारीघाट रोड पोलीपाथर, जबलपुर (म.प्र.) ने मृतक सिया शुक्ला निवासी 1662/1 ग्वारीघाट रोड, जबलपुर की मैनेजर, यूको बैंक शाखा पोलीपाथर, ग्वारीघाट जबलपुर में जमा राशि प्राप्ति हेतु राशि/ संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 08 मई 2025 को नियत है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/ संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 08 मई 2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहे। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख 22 मार्च 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा-

टिप्पणीः-प्रकाशन व उपस्थिति हेतु नोटिस के साथ आवेदन पत्र व अन्य दस्तावेजों की छायाप्रति संलग्न।

कृपया ध्यान दें:
1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(श्रीमती अंकिता शाही)
अष्टम सिविल न्यायाधीश (वरिष्ठ खण्ड)
र.नं. 04 — जबलपुर (म.प्र.)

In The Court Of VIII Civil Judge Class-I, District Court, Jabalpur
Presiding Officer: अंकिता शाही
आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकारी अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक
(MJC SUC/0000001/2025)
रजनीश दीक्षित......................आवेदक
Vs
आम जनता ....अनावेदक
Process Id-/2025
पेशी दिनांक - 23/06/2025

प्रेषिती-
(1) आम जनता पता- जबलपुर म.प्र.
(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रजनीश दीक्षित पता निवासी- 2905-ए1, तुलसीनगर, चेरीताल, तहसील व जिला जबलपुर ने मृतक 1. श्याम सुंदर दीक्षित 2. रामरती दीक्षित निवासी 2895/2 तुलसीनगर, चेरीताल, जबलपुर की प्रबंधक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा विजय नगर जबलपुर में जमा राशि प्राप्ति हेतु राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/ संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 23 जून 2025 को नियत है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/ संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 23 जून 2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहे। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। यह आज तारीख 28 मार्च 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा-

टिप्पणीः-उपस्थिति एवं प्रकाशन नोटिस के साथ आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 373 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 के प्रथम पृष्ठ की छाया प्रति संलग्न है।

कृपया ध्यान दें:
1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(श्रीमती अंकिता शाही)
अष्टम सिविल न्यायाधीश (वरिष्ठ खण्ड)
र.नं. 01 — जबलपुर (म.प्र.)

In The Court of VIII Civil Judge, Class-I, District Court, Jabalpur presiding Officer:
अंकिता शाही
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक
(MJC SUC/00000842/2025
गीताबाई .... आवेदक
Vs
आम जनता ..... अनावेदक
Process Id- /2024
पेशी दिनांक :-30/04/2025

प्रेषिती-
(1) आम जनता पता - जबलपुर मध्यप्रदेश
(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक गीताबाई पता निवासी- 110/2, राम वार्ड मेन रोड, मंदिर के पास बम्हनौदा देवरी खुर्द, पनागर, जिला जबलपुर ने मृतक राजेश कुमार केवट निवासी राम वार्ड पनागर, जबलपुर म.प्र. की के.ई.सी. इंटरनेशनल लिमिटेड ग्राम देवरी पोस्ट पनागर जिला जबलपुर के जमा राशि प्राप्ति हेतु राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/ संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 30 अप्रैल 2025 को नियत है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/ संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 30 अप्रैल 2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। यह आज तारीख 13 मार्च 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा-

टिप्पणी- प्रकाशन व उपस्थिति हेतु नोटिस के साथ आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 उत्तराधिकार अधिनियम वास्ते उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने बावद तथा एवं लेख्य प्रमाण सूची में दर्शित दस्तावेजों की छाया प्रति संलग्न है।

कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(श्रीमती अंकिता शाही)
अष्टम सिविल न्यायाधीश
र.नं. 09 — (वरिष्ठ खंड) जबलपुर, (म.प्र.)

न्यायालय नायब तहसीलदार छिन्दवाड़ा नगर
इश्तहार
रा.प्र./ /अ-6/2024-25
मौजा - चंदनगांव प.ह.नं. 14

चूंकि आवेदक विवेक ताम्रकार पिता स्व. श्यामलाल ताम्रकार निवासी माता मंदिर के सामने वार्ड नं 19 चंदनगांव तहसील व जिला छिन्दवाड़ा द्वारा मौजा चंदनगांव पटवारी हल्का नम्बर 14 राजस्व निरीक्षक मण्डल छिन्दवाड़ा 3 स्थित भूमि खसरा नम्बर 860/38 रकबा 0.004 हैं. में बैनामा / खातेदार मृत होने विक्रय पत्र के आधार पर नाम दर्ज किये जानें हेतु धारा 110 के अन्तर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। आवेदक के द्वारा आवेदन में लेख किया है। मृतक आशा पति श्यामलाल की दिनांक 08.03.2001 को मृत्यु हो गई हैं। इसलिए राजस्व रिकार्ड में वारसानों के नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदक ने आवेदन दिया हैं। परंतु आवेदक द्वारा बताया गया हैं कि मृतक आशा की कोई पुत्री नहीं हैं। ऐसा आवेदक ने अपने आवेदन एवं शपथ पत्र में लेख किया हैं। एतद द्वारा सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि कोई भी व्यक्ति या संस्था को प्रश्नाधीन भूमि के सम्बध कोई हक या आपत्ति है तो वह स्वयं या किसी अधिकृत अधिवक्ता अथवा मान्य अभिकर्ता के उपस्थित होकर इस न्यायालय में पेशी दिनांक 07/04/2025 तक प्रस्तुत कर सकता है। उक्त दिनांक तथा स्थान पर उपस्थित नही हो पाने की दशा में किसी भी दावा आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 28/3/2025 को मेरे हस्ताक्षर मय न्यायालय की पदमुद्रा से पेपर प्रकाशन हेतु जारी किया गया।

पदमुद्राः

तहसीलदार
छिन्दवाड़ा नगर

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल जबलपुर
आम इश्तहार
रा.प्र.क्र. /अ-6/2024-25
जबलपुर, दिनांक - 28/03/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मोहम्मद सुल्तान पिता स्व. मोहम्मद हुसैन निवासी 610 पुरानी मछरहाई राममनोहर लोहिया वार्ड के द्वारा मौजा .... ब्लाक नं. 77 प्लॉट नं. 161 स्थित भूमि खसरा नंबर .... में से रकवा 1277 वर्गफुट भूमि जो राजस्व रिकार्ड में मो. सुल्तान पिता मो. साकिर के नाम दर्ज है। आवेदक के द्वारा अपना नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 28/3/25 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात् प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक : 28/03/25
पेशी दिनांक : 15/04/25

र.नं.-06 — तहसीलदार, अधारताल जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल जबलपुर
आम इश्तहार
रा.प्र.क्र. /अ-6/2024-25
जबलपुर, दिनांक - 11/04/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती चंदाबाई ठाकुर पिता लखन सिंह ठाकुर निवासी 2252 प्रेम मंदिर राईट टाऊन के द्वारा मौजा जबलपुर नजूल ब्लॉक नं. .... प्लॉट नं. .... स्थित भूमि खसरा नंबर 31 का भाग में से रकवा 922 वर्गफुट भूमि पर नामांतरण की मृत्यु दिनांक ... को हो जाने के कारण वर्तमान राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज किये जाने हेतु विक्रय पत्र/ फौती/ वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र सहित अन्य दस्तावेज संलग्न कर आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 15/4/25 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात् प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक : 1/04/25
पेशी दिनांक : 15/04/25

र.नं.- 08 — तहसीलदार, अधारताल जबलपुर

नाम सुधार सूचना

मैं अमित कुकरेजा उम्र 41 वर्ष पिता श्री प्रकाश चंद कुकरेजा निवासी- 278/ए गढ़ा रोड, लेबर चौक, स्नेह नगर जबलपुर का निम्नलिखित शपथपूर्वक कथन करता हूं कि- 1. यह कि मैं शपथकर्ता उक्त वर्णित पते का स्थायी निवासी हूं एवं मेरा आधार कार्ड नंबर 5598 7107 5111 है। 2. यह कि मुझ शपथकर्ता के शैक्षणिक दस्तावेजों में मुझ शपथकर्ता का नाम अमित कुमार कुकरेजा पिता श्री प्रकाश चन्द कुकरेजा अंकित है। 3. यह कि मुझ शपथकर्ता के आधार कार्ड में मुझ शपथकर्ता का नाम अमित कुकरेजा पिता श्री प्रकाश चंद कुकरेजा अंकित है। 4. यह कि अमित कुमार कुकरेजा पिता श्री प्रकाश चंद कुकरेजा एवं अमित कुकरेजा पिता श्री प्रकाश चंद कुकरेजा दोनों नामों का एक ही व्यक्ति मैं स्वयं शपथकर्ता हूं। 5. यह कि मुझ शपथकर्ता का नाम जहां कहीं भी अमित कुमार कुकरेजा अंकित है उसके स्थान पर मुझ शपथकर्ता का नाम अमित कुकरेजा माना, लिखा, पढ़ा, समझा जावे।

र.नं.- 05

देश-प्रदेश

उवाच

यह वक्फ बर्बाद बिल है: ओवैसी

नई दिल्ली। वक्फ बिल में संशोधन को लेकर जहां पूरे देश में समर्थन और विरोध हो रहा है वहीं एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ संशोधन बिल को 'वक्फ बर्बाद बिल' कहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का एकमात्र मकसद मुसलमानों से नफरत फैलाना और हिंदुत्व की विचारधारा लागू करना है। ओवैसी ने चंद्रबाबू नायडू से अपील की कि उन्हें सोच-समझकर फैसला लेना चाहिए कि वे क्या करवाना चाहते हैं।

मोहन मंत्रिपरिषद ने लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय

नई परिवहन सेवा को मिली हरी झंडी

- 7 संभागीय कंपनियां होंगी गठित
- जिला स्तर पर भी बनेगी निगरानी समिति

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में यात्री परिवहन सुविधा को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरू करने के प्रस्ताव को राज्य मंत्रिमंडल ने अपनी मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस योजना पर काम करने के लिए सरकार ने 101 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। योजना के तहत निजी बस ऑपरेटरों के सहयोग से प्रमुख नगरों और कस्बों के अलावा सुदूर ग्रामीण अंचल में भी बस सेवा संचालित की जाएगी।

बैठक के बाद नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि राज्य सरकार ने परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एकीकृत परिवहन मॉडल तैयार किया है। इसमें बस अधोसंरचना का विकास किया जाएगा। जिसमें पीपीपी मॉडल के तहत बस स्टैंड, बस डिपो और अन्य सुविधाओं का निर्माण होगा। वहीं, बस संचालन एवं संधारण पर काम होगा। इसमें

निजी ऑपरेटर्स को आईटी प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा श्री विजयवर्गीय ने बताया कि ई-बस और इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशनों का विकास किया जाएगा। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के माध्यम से वित्तीय सहायता प्राप्त की जाएगी। परिवहन सेवाओं को मजबूत करने के लिए सरकारी संपत्तियों का प्रबंधन किया जाएगा। श्री विजयवर्गीय ने बताया कि वर्तमान में मध्यप्रदेश के 20 शहरों में सार्वजनिक परिवहन के लिए विशेष प्रयोजन वाहन कंपनियां कार्यरत हैं। इनमें से 16 कंपनियां सक्रिय हैं, जबकि 4 कंपनियां निष्क्रिय हैं। सरकार ने निर्णय लिया है कि इन सभी को मिलाकर 7 संभागीय कंपनियों में विलय किया जाएगा। जिनमें भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर और रीवा शामिल हैं। इन कंपनियों का संचालन राज्य स्तरीय एक कंपनी के माध्यम से किया जाएगा, जो पूरे सिस्टम की निगरानी करेगी। जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में एक जिला स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा, जिसमें सांसद, विधायक, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष और अन्य प्रशासनिक अधिकारी शामिल होंगे। यह समिति बस परिवहन की प्रभावी निगरानी करेगी और रूट परिवर्तन, बस स्टॉप विकास और चार्जिंग स्टेशनों को लेकर सुझाव देगी।

इंदौर में 27 अप्रैल को होगी आईटी कॉन्क्लेव

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में राज्य सरकार द्वारा आयोजित की गई गतिविधियों और प्राथमिकताओं की जानकारी दी। उन्होंने ये भी बताया कि इंदौर में 27 अप्रैल को आईटी कॉन्क्लेव होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश ऐसा एकमात्र राज्य है, जहां वृहद और लघु सूक्ष्म, मध्यम उद्योगों को समस्त राशि का भुगतान पूर्ण हो चुका है। लगभग ढाई हजार इकाइयों को यह लाभ मिल रहा है। औद्योगिक इकाइयों को कुल 3100 करोड़ की राशि जो वर्षों से दी जाना लंबित थी, प्रदान करने का कार्य किया गया है।

अधिकारियों और कर्मचारियों के भत्तों में होगी बढ़ोतरी

नगरीय प्रशासन मंत्री श्री विजयवर्गीय ने बताया कि सरकार के कर्मचारियों के भत्तों का पुनरीक्षण करने का निर्णय लिया है। इसके तहत, कर्मचारियों को वर्तमान में मिलने वाले विभिन्न भत्तों में बढ़ोतरी की जाएगी। इस बदलाव से राज्य सरकार पर लगभग 1500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वार्षिक खर्च आएगा। उन्होंने बताया कि शासकीय सेवकों के लिये सातवें वेतनमान में देय मूल वेतन के आधार पर ए श्रेणी के नगरों के लिए 10 प्रतिशत, बी श्रेणी के नगरों के लिए 7 प्रतिशत, सी एवं डी श्रेणी के नगरों के लिए 5 प्रतिशत के आधार पर गृह भाडा भत्ता प्रदान किया जायेगा। दैनिक भत्ता, वाहन भत्ता, मील भत्ता, ठहरने की पात्रता, प्रदेश के बाहर यात्रा के दौरान स्थानीय परिवहन, स्थानांतरण पर घरेलू समान का परिवहन एवं स्थानांतरण अनुदान, स्थायी यात्रा भत्ता में मूल्य सूचकांक के आधार पर वृद्धि, की जायेगी। इसके साथ ही अतिरिक्त कार्य के लिए दोहरा भत्ता, राज्य शासन के पात्र चिकित्सकों और चिकित्सा शिक्षकों को दिये जाने वाला अव्यवसायिक भत्ता, सचिवालयीन भत्ता एवं मंत्रालयीन अधिकारियों के लिए विशेष भत्ता की स्वीकृति दी गयी है। इसके साथ ही शासकीय सेवकों की मृत्यु पर परिवार को देय अनुग्रह अनुदान वर्तमान में निर्धारित पात्रता का 2.57 गुणक के आधार पर अधिकतम 1 लाख 25 हजार रूपये तक दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि मंत्रालय भवन में संचालित वित्तीय प्रबंधन सूचना प्रणाली संचालनालय एवं राज्य सत्कार अधिकारी कार्यालय में पदस्थ शासकीय सेवकों को भी मंत्रालय के समकक्ष अधिकारियों के समतुल्य मंत्रालय भत्ता दिया जायेगा।

माता बम्बरबैनी प्राचीन मंदिर पवित्र क्षेत्र घोषित

मोहन मंत्रिपरिषद ने छतरपुर जिले के लवकुशनगर स्थित माता बम्बरबैनी के प्राचीन मंदिर को पवित्र क्षेत्र घोषित करने का निर्णय लिया है। यह मंदिर क्षेत्र 0.012 हेक्टेयर और 30.375 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है।

मुख्यमंत्री ने ढाई हजार से अधिक औद्योगिक इकाइयों को अंतरित की 1778 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि, कहा-

दूर कर दी हैं, हमने सारी बाधाएं आप उद्योग लगाएं, सरकार करेगी मदद

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज मध्यप्रदेश एक नई उड़ान पर है। सरकार की रीति-नीति से निवेशकों में विश्वास का माहौल बना है। प्रदेश में उद्यमी, उद्योगपति, व्यापारी, व्यवसायी सब उत्साहित हैं। हम उद्यमशीलता को बढ़ाने के लिए एक नई धारा, एक नई ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश में बिजनेस को सहज बनाने के लिए हमने सारी बाधाएं, सारी रूकावटें दूर कर दी हैं।

आप बस उद्योग लगाएं, हमारी सरकार उद्योग लगाने से लेकर इसे संचालित करने तक आपकी हर जरूरी मदद करेगी, प्रोत्साहन इन्सेंटिव देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग की ओर से एक निजी होटल में आयोजित उद्योग निवेश सब्सिडी के वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में स्थापित करीब 2500 सूक्ष्म, लघु और मध्यम श्रेणी की औद्योगिक इकाइयों को 1075 करोड़ और छोटे-बड़े (वृहद श्रेणी के) उद्योगों को करीब 703 करोड़ रूपए, इस प्रकार कुल 1778 करोड़ रुपए की उद्योग निवेश सब्सिडी हस्तांतरित की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रिमोट दबाकर सिंगल क्लिक से डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए सब्सिड़ी राशि उद्यमियों (निवेशकों) के बैंक खाते में ट्रांसफर की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उद्यमियों का बढ़ता हौसला ही हमारी पूंजी है। जीआईएस से हमें बहुत अच्छा प्रतिसाद मिला है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में हर निवेशक का स्वागत है, सम्मान है। हमने छोटे-बड़े सभी उद्योगों को प्रोत्साहन दिया है, नए वित्त वर्ष के सालाना राज्य बजट में भी हमने सबका ध्यान रखा है। उन्होंने कहा कि बीते साल हमने 5 हजार 260 करोड़ की उद्योग निवेश सब्सिडी राशि पूरी पारदर्शिता के साथ डीबीटी के जरिए ही निवेशकों के खातों में हस्तांतरित की। यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन के राघवेंद्र कुमार सिंह ने मध्यप्रदेश में राज्य सरकार के प्रयासों से औद्योगिक क्षेत्र में लिए गए फैसलों की जानकारी दी।

सभी अदायगी का एक साथ उद्यमियों को भुगतान देश का अकेला उदाहरण : काश्यप

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप ने प्रदेश में विश्वास जताने के लिए उद्योगपतियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से 1778 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि की प्रदायगी उद्योगों के विकास के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार उद्योगों के प्रोत्साहन के लिए सरकार द्वारा घोषित की गई योजनाओं की 31 मार्च 2025 तक की सभी अदायगी का एक साथ भुगतान किया जा रहा है। मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में उद्योगों के विकास की नई योजनाएं बनाई गई और उन्हें तेजी से क्रियान्वित भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि उद्योगपतियों का मध्यप्रदेश के प्रति भरोसा बढ़ा है। सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

2 माह बाद भी लोकायुक्त पुलिस पेश नहीं कर पाई चालान

सौरभ शर्मा और उसके साथियों को मिली जमानत

भोपाल, देशबन्धु। कार में मिले 55 किलो सोना और 10 करोड़ नगदी मामले में सौरभ शर्मा और उसके साथियों को जमानत मिल गई है। विशेष न्यायाधीश राम प्रताप सिंह ने लोकायुक्त पुलिस के रवैये पर हैरानी जताते हुए आरोपियों को जमानत दे दी। लोकायुक्त पुलिस की उदासीनता के चलते 2 माह बाद भी सौरभ और उसके साथियों के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश नहीं हो पाया है। फिलहाल सौरभ और उसके अन्य साथी आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज मामलों में जेल में ही रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि 55 किलो सोना और 10 करोड़ नगदी मामले में सौरभ और उसके साथी शरद जायसवाल और चेतन गौर को लोकायुक्त ने हिरासत में लिया था। पूछताछ के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें लोकायुक्त को रिमांड दे दी गई थी। हालांकि, आरोपियों को जमानत केवल लोकायुक्त में दर्ज मामलों में दी गई है।

आईटी और ईडी में दर्ज मामलों में फिलहाल जेल में रहेंगे आरोपी

लावारिश इनोवा में मिला था सोना - भोपाल में 19 दिसंबर को एक लावारिस इनोवा कार से भारी मात्रा में सोना और नकदी बरामद होने से हड़कंप मच गया था। मेंडोरी गांव के कुछ स्थानीय निवासियों ने पुलिस को खाली प्लॉट में खड़ी एक लावारिस क्रिस्टा गाड़ी के बारे में जानकारी दी। गाड़ी में 6 से 7 बैग रखे हुए थे, जिन्हें खोलने पर आयकर विभाग को सूचना दी गई। आयकर की टीम ने कार्रवाई करते हुए गाड़ी का कांच तोड़ा और बैगों को बाहर निकाला। इन बैगों में 52 किलो सोना और 10 करोड़ रुपए नकद पाए गए थे।

जमीन में गाड़ रखी थी 2 सौ किलो से ज्यादा चांदी -सौरभ शर्मा के भोपाल स्थित घर पर 19 दिसंबर 2024 को हुई लोकायुक्त के छापेमारी में 234 किलो चांदी मिली थी। जिसकी कीमत 2 करोड़ 10 लाख रुपये है। साथ ही 17 लाख की ब्रान्डेड घड़ियां, 15 लाख की लेडीज़ पर्स, 2 अलमारी से नगदी के साथ 11 लाख रुपए हीरे की अंगूठी मिली थे।

प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई में भी करोड़ों मिले -वहीं 27 दिसंबर को ईडी ने सौरभ शर्मा और उसके सहयोगी चेतन सिंह गौर, शरद जायसवाल, रोहित तिवारी के ठिकानों पर छापे मारे थे। सौरभ के परिजन और दोस्तों के खातों में 4 करोड़ रुपए का बैंक बैलेंस मिला।

इसके अलावा 23 करोड़ की संपत्ति भी जांच के दायरे में प्रवर्तन निदेशालय ने ली थी। भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर में की गई जांच में 6 करोड़ रुपए की एफडी के बारे में भी जानकारी भी प्रवर्तन निदेशालय के हाथ लगी है। फर्मों और कंपनियों के जरिए किए गए निवेश का खुलासा हुआ है।

स्वर्णिम प्रशासन जागृति अभियान का समापन समारोह

मन को सशक्त बनाने आध्यात्म की आवश्यकता : सिंह

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह ने कहा कि मन की भूमिका व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण होती है। इसलिए मन को सशक्त बनाने के लिए आध्यात्म की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि हमारे मन में अधिकांशत: नकारात्मतक या व्यर्थ के विचार आते हैं, इसलिए व्यर्थ और नकारात्मक विचार से बचने के लिए आध्यात्म के माध्यम से आंतरिक शक्तियों को सशक्त कर मन का प्रबंधन किए जाने की आवश्यकता है। यह बात उन्होंने प्रशासक, प्रबंधक और कार्यपालकों के लिए ब्रह्मकुमारी राजयोग फाउण्डेशन, प्रशासक प्रभाग द्वारा भोपाल में आयोजित मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय स्वर्णिम प्रशासन जागृति अभियान के समापन समारोह अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि राजयोग ध्यान के माध्यम से व्यक्ति परमात्मा से आत्मा का संबंध जोड़कर अपनी आंतरिक शक्तियों को मजबूत कर सकता है।

मंत्री बागरी के जाति प्रमाण पत्र को लेकर खोला मोर्चा

कांग्रेस ने छानबीन समिति से की शिकायत

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस ने प्रदेश सरकार की राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण पत्र को लेकर मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने एक प्रतिनिधिमंडल के साथ मंत्री बागरी के प्रमाण-पत्र को फर्जी बताते हुए उनके प्रमाण पत्र की जांच कराने की मांग अनुसूचित जाति कल्याण विकास विभाग छानबीन समिति से की है। उन्होंने छानबीन समिति को सभी दस्तावेज शपथ पत्र सहित सौंपे हैं। श्री अहिरवार ने आयुक्त के नाम शिकायती पत्र विभाग के सहायक आयुक्त को दिया और जाति प्रमाण-पत्र छानबीन समिति के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज कराई। जिसमें इस बात का उल्लेख किया गया है कि मंत्री प्रतिमा बागरी का अनुसूचित जाति वर्ग का जाति प्रमाण पत्र अवैध रूप से जारी किया गया है, वे अनुसूचित जाति वर्ग की न होकर ठाकुर, राजपूत समाज से आती हैं। श्री अहिरवार ने आरोप लगाया कि मंत्री बागरी ने इस तरह अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के अधिकारों का हनन किया है। इसके साथ कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने छानबीन समिति को शपथ पत्र के साथ अन्य जरूरी दस्तावेज सौंपे हैं।

अहिरवार ने कहा कि विंध्य, बुंदेलखंड और महाकौशल क्षेत्र के बागरी अनुसूचित जाति वर्ग से संबंध न रखने के बाद भी जाति नाम की समानता के आधार पर मालवा और निमाड़ क्षेत्र के वास्तविक अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है। श्री अहिरवार ने मंत्री बागरी से इस्तीफे की मांग की है। साथ ही कहा है कि प्रतिमा बागरी का जाति प्रमाण पत्र रद्द किया जाए साथ उनकी विधानसभा से सदस्यता शून्य घोषित की जाए। ताकि रैगांव की आरक्षित विधानसभा सीट पर पुन: चुनाव हो सके और वास्तविक अनुसूचित जाति वर्ग के व्यक्ति को आरक्षण का लाभ मिल सके।

सुगम परिवहन सेवा शुरू करने का निर्णय सराहनीय

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा कैबिनेट बैठक में प्रदेश की जनता को सुगम परिवहन सेवा शुरू करने का निर्णय लेने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई देते हुए आभार जताया है। श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का लाभ प्रदेश के जन-जन को मिलेगा और विशेषकर ग्रामीण, पिछड़े तथा दूरस्थ जनजातीय अंचल के लोगों को भी आवागमन सुविधा आसानी से मिल सकेगी, जहां अभी यात्री बसों की सुविधा कम है। उन्होंने कहा कि सीएम राइज स्कूल का नाम सांदीपनि स्कूल करने तथा औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाली महिलाओं के लिए होस्टल बनाने के निर्णय भी यादव सरकार के सराहनीय कदम हैं, जिनका लाभ पूरे प्रदेश को मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप में शुरू हो रही इस परिवहन सेवा की शुरुआत से जहां बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार मिलेगा, वहीं सेवा से जुड़ने वाले निजी बस ऑपरेटरों को भी काम मिलेगा।

'क्रिएट इन इंडिया चैलेंज' के तहत वेव्स प्रतियोगिता का होगा आयोजन

भोपाल, देशबन्धु। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ संयुक्त भागीदारी में इंडियन कॉमिक्स एसोसिएशन ने वेव्स कॉमिक्स क्रिएटर प्रतियोगिता और अंतर्राष्ट्रीय एनिमेटेड फिल्म एसोसिएशन असिफा इंडिया ने वेव्स अवार्ड्स ऑफ एक्सीलेंस के चयनितों की आज भोपाल में आयोजित एक समारोह में घोषणा की गई। इन्हें मुंबई में 1 से 4 मई को आयोजित होने वाले वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। आयोजन में पीआईबी भोपाल के अपर महानिदेशक प्रशांत पाठराबे ने वेव्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि यह एक महत्वपूर्ण आयोजन है जो पेशेवर उद्यमी, निवेशक, निर्माता और नवप्रवर्तकों को मनोरंजन क्षेत्र में जुड़ने, सहयोग करने, नवप्रवर्तन करने और योगदान करने के लिए शानदार वैश्विक मंच प्रदान करता है। यह कन्टेंट निर्माण, बौद्धिक संपदा और तकनीकी नवाचार के केंद्र के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करेगा।

राजभवन में हुआ बिहार, राजस्थान और ओडिशा के स्थापना दिवस का संयुक्त समारोह

राज्य स्थापना दिवस हमारी मूल पहचान और सम्मान को बढ़ाने का संकल्प दिवस : राज्यपाल

भोपाल, देशबन्धु। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि राज्यों का स्थापना दिवस पर हमारे देश की मूल पहचान और सम्मान को बढ़ाने का संकल्प दिवस है। इसे अपनी विरासत को विश्व के कोने-कोने तक पहुँचाने के संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे सभी राज्यों ने हमेशा अपनी धरोहर, संस्कृति और परंपराओं के सम्मान के द्वारा राष्ट्रीय गौरव को बढ़ाया है। इस गौरवपूर्ण धरोहर को सहेजने और उसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का कार्य करना हम सभी का परम दायित्व है। उन्होंने कहा कि राज्यों के स्थापना दिवस देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों के उत्सव है। भारतीय संस्कृति की विविधता में एकता की धरोहरों के संरक्षण, संकल्प एक भारत-श्रेष्ठ भारत का शानदार प्रदर्शन है। राज्य का स्थापना दिवस को मनाना प्रगति और विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करने का प्रसंग है।

राज्यपाल श्री पटेल राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित बिहार, राजस्थान और ओडिशा के स्थापना दिवसों के संयुक्त समारोह में राज्यों के मूल निवासी मध्यप्रदेश में निवासरत नागरिकों को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव के. सी. गुप्ता, पोस्ट मास्टर जनरल इंदौर परिक्षेंत्र सुश्री प्रीति अग्रवाल, निदेशक डाक सेवाएं भरत कुमार डालमिया और राज्यपाल के अपर सचिव उमाशंकर भार्गव मंचासीन थे। इस अवसर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सिकल सेल एनीमिया रोग जन जागृति पर डाक विभाग द्वारा जारी विशेष आवरण एवं विरूपण मोहर का अनावरण किया। पोस्ट मास्टर जनरल इंदौर परिक्षेत्र सुश्री प्रीति अग्रवाल ने बताया कि डाक टिकट देश विदेश में जन जागृति के प्रभावी माध्यम होते हैं। डाक विभाग द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर सिकल सेल एनीमिया रोग पर डाक टिकट जारी किया गया था। इसी क्रम में जारी विशेष आवरण के अनावरण के लिए राज्यपाल के प्रति आभार ज्ञापित किया। राज्यपाल श्री पटेल को देवी अहिल्या पर डाक विभाग द्वारा जारी टिकट की पेंटिंग भेंट की। राज्यपाल ने विशेष आवरण के रूपांकन में सहयोगी एम्स भोपाल के चिकित्सक डॉ. रजनीश जोशी और डॉ. अनन्य सम्पत का सम्मान किया गया।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने बिहार, ओडिशा और राजस्थान राज्यों की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बिहार राज्य हमारी अनेकता में एकता के गुलदस्ते का वह मोती है, जो भारतीय सभ्यता और संस्कृति के उत्पत्ति स्थल के रूप में जाना जाता है। यहाँ की भूमि ने हमेशा ज्ञान, शिक्षा और धर्म के क्षेंत्र में योगदान दिया है। पाटलिपुत्र, वर्तमान पटना ही वह स्थान है, जहाँ से भारत के सम्राटों और महान विचारकों ने इतिहास रचा था। बिहार के लोगों ने चाहें वह कृषि क्षेंत्र हो, उद्योग हो या फिर सेवा क्षेंत्र, हर जगह अपनी कड़ी मेहनत से पहचान बनाई है।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.- सं.क्र.11/19-20/

दिनांक 01/04/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती शारदा रजक पत्नी श्री रूपचंद रजक ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम सुभाष चन्द बैनर्जी वार्ड के भवन क्रमांक 447/21-447/ए का भाग सम्पत्ति के पिन क्रमांक 44502937, 1000400170, जलकर सर्विस क्रमांक-1002491913, निर्मित भूतल 750 व.फु. आरसीसी प्रथम तल 750 व.फु. आरसीसी द्वितीय तल 650 व.फु. आरसीसी पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज मदन सिंह धुर्वे पिता स्व. श्री के. धुर्वे श्रीमती शशि प्रभा धुर्वे पत्नी एम.एस. धुर्वे का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

र.नं. 11

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.-11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.- सं.क्र.11/19-20/

दिनांक 01/04/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अंकुर कन्हैया लाल पिता कन्हैया लाल चिमनानी 2. श्रीमती सुनीता कन्हैयालाल पत्नी कन्हैयालाल ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी वीरांगना अवंती बाई वार्ड के भवन क्रमांक फ्लेट नं. 307 ब्लाक ए कटारिया श्रीम पार्क मण्डला रोड सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000382388, 46701981 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल/रकवा ... व.फु. जिस थर्ड फ्लोर 1200 व.फु. आरसीसी पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती सुनीता फब्यानी पति सुनील कुमार फब्यानी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

र.नं. 11

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.-11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.- सं.क्र.11/19-20/

दिनांक 01/04/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती अनुराधा कुमारी पत्नी श्री राजीव रंजन कुमार ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी वीरांगना अवंती बाई वार्ड के भवन क्रमांक ब्लाक -6-506 दत्त टाउनशिप तिलहरी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1003064965 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल/रकवा ... व.फु. जिस पर पांचवीं मंजिल 1300 व.फु. आरसीसी पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री दीपक कुमार गुप्ता पिता श्री रमेश चन्द्र गुप्ता श्रीमती शालिनी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

र.नं. 11

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.-11 नगर निगम, जबलपुर

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

CHANGE OF NAME

I, ARMY NO-15688229H, Rank-L/HAV, NAME MURALIGANTH R presently residing at Village- GUDALUR. Post-GUDALUR, Tasil- UTHAMAPALAYAM, Dist-Theni, State- TAMIL NADU PIN-625518 do hereby solemnly affirm and on oath as follows:- 1. I state that I am presently residing at the above mentioned address. 2. I state that in my DAUGHTER, ADHAAR CARD NO. 9194 8105 0875 and BIRTH CERTIFICATE my Daughter, name is recorded as ATSHAYA M which is true and correct but in my Army Service Record my DAUGHTER, name is recorded as M ATSHAYA which is incorrect. 3. I state that the true and correct name ATSHAYA M of my DAUGHTER and same name shall be corrected in the Army service records. 4. I state that for the above variation in the name of my DAUGHTER, this affidavit is being furnished.

INCORRECT NAME
M ATSHAYA
CORRECT NAME
ATSHAYA M

कृति

CHANGE OF NAME

I, ARMY NO-15688229H, Rank-L/HAV, NAME MURALIGANTH R presently residing at Village- GUDALUR, Post-GUDALUR,Taluk- UTHAMAPALAYAM, Dist-Theni, State- TAMIL NADU PIN-525518 do hereby solemnly affirm and on oath as follows:- 1. I, state that I am presently residing at the above mentioned address. 2. I state that in my SON, ADHAAR CARD NO. 8414 6818 3432 and BIRTH CERTIFICATE my SON, name is recorded as DHUWARAKESHWAR M which is true and correct but in my Army Service Record my SON, name is recorded M DHUWARAKESHWAR which is incorrect. 3. I state that the true and correct name DHUWARAKESHWAR M of my SON and same name shall be corrected in the Army service records. 4. I state that for the above variation in the name of my SON, this affidavit is being furnished.

INCORRECT NAME
M DHUWARAKESHWAR
CORRECT NAME
DHUWARAKESHWAR M

कृति

देशबन्धु

जबलपुर, बुधवार 02 अप्रैल 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

बांग्लादेश को खो रहा भारत

अदूरदर्शिता, अंतरराष्ट्रीय सम्बन्धों की कच्ची समझ, बड़े व ताकतवर देशों के पिछलग्गू बनने तथा देश के बदले वैयक्तिक छवि को तरज़ीह देने वाली वैदेशिक नीति के चलते भारत का एक और पड़ोसी उसके प्रभाव से निकलता हुआ साफ दिख रहा है- बांग्लादेश। भारत के ज्यादातर पड़ोसी देशों के साथ भारत के अब वैसे मधुर सम्बन्ध नहीं रह गये हैं जो एक दशक पूर्व तक हुआ करते थे। जो मुल्क सांस्कृतिक सम्बन्धों के चलते रिश्तों में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत से जुड़े हुए थे, आज वे भी या तो दूर हो रहे हैं अथवा भारत के सबसे बड़े दुश्मन मुल्क चीन के प्रभाव में जा रहे हैं। चीन बहुत रणनीतिक तरीके से भारत की घेराबन्दी कर रहा है। बांग्लादेश का मामला आश्चर्य के साथ दुखद भी है क्योंकि इसका निर्माण ही भारत की मदद से हुआ था- 1971 में। आज भी वहां से आये लाखों शरणार्थी भारत के नागरिक बनकर सुरक्षित व समृद्ध जीवन जी रहे हैं। भारत सरकार को अपनी कूटनीति पर पुनर्विचार करने की ज़रूरत है। मोदी की व्यक्तिगत पसंदगी, आकांक्षाओं तथा छवि चमकाने का जरिया बनाने की बजाय उसे देश हित में ढाला जाना चाहिये ताकि दक्षिण एशिया में भारत का वह सम्मान तथा प्रतिष्ठा बनी रहे जो उसने 2014 में आई भारतीय जनता पार्टी की बनी केन्द्र सरकार के पहले के 60 वर्षों में अर्जित की थी।

शुरुआत यहां से करें कि पहली बार जब नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने थे तो उन्होंने सभी पड़ोसी मुल्कों के राष्ट्राध्यक्षों को आमंत्रित कर सभी को चौंका दिया था। उनके इस कदम का स्वागत किया गया था और माना गया था कि वे पड़ोसी देशों के साथ अच्छे सम्बन्ध स्थापित करना चाहते हैं। उनके आमंत्रण को स्वीकार करते हुए दक्षेस (सार्क) देशों के सभी राष्ट्रप्रमुख आये थे। इस प्रतिसाद को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करने तथा उसका समझदारीपूर्ण लाभ उठाने के बदले भाजपा के आईटी सेल द्वारा यह प्रचारित किया गया कि पहली बार भारत की ताकत को विदेशी स्तर पर स्वीकारा जा रहा है और इसका कारण मोदी हैं। तत्पश्चात भारत लगातार अपनी गुटनिरपेक्षता की नीति से हटता चला गया जिसमें व्यक्ति से बड़ा देश को मानने, सामूहिकता तथा छोटे-बड़े सभी देशों की सम्प्रभुता के सम्मान का भाव था। साथ ही, मोदी ने अपनी ऊर्जा बड़े देशों के पीछे भागने में लगायी। सर्वाधिक देशों का दौरा करने वाले वे पहले पीएम तो बने लेकिन ज्यादातर में उनकी उपस्थिति फोटो सेशन में प्रमुख जगह पर खड़े होने की रही। उनके समर्थक इसी बात में खुश होते रहे कि उनके मोदीजी को तस्वीर लेते समय महत्वपूर्ण स्थान पर खड़ा किया गया है।

कूटनीतिक सम्बन्धों को मोदी ने संकीर्ण नज़रिये से देखा- एक तो खुद को विश्वगुरु साबित करना और दूसरे, अपने मित्र कारोबारियों को व्यवसाय दिलाना। श्रीलंका की संसद में उनके द्वारा गौतम अदानी को दिलाये गये बिजली संयंत्र के ठेके तथा फ्रांस में राफेल लड़ाकू जहाजों के सौदे में अनिल अंबानी को शामिल करने से उनके साथ देश की छवि खराब हुई। जिन भी बड़े देशों से उनके मित्रों को व्यवसायिक लाभ मिलना सम्भव है, मोदी को उनमें जाने में कोई गुरेज़ नहीं रहा, फिर कोई काम हो या न हो। पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने लगभग सवा सौ देशों को मिलाकर तटस्थ देशों का जो समूह बनाया था, वही भारत की असली ताकत थी। मोदी ने खुद को बलशाली साबित करने तथा नेहरू से अपनी अदावत को भुनाने के लिये गुटनिरपेक्ष आंदोलन को एक तरह से खत्म कर दिया। संगठन को, जिसमें 60 फीसदी देश थे, उसके बन्धुत्व भाव तथा मानवीय रूप के लिये जाना जाता था। इसकी बजाये मोदी की अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में न अपने ही देश के लोगों को अमेरिका द्वारा हथकड़ी-बेड़ियों में लाये जाने का विरोध करने का साहस है, न ही इज़रायल द्वारा ग़ज़ा में किये जा रहे नरसंहार के खिलाफ आवाज उठाने का माद्दा। अफ़गानिस्तान, म्यांमार, नेपाल में होते घटनाक्रमों पर भी भारत सरकार मौन रहती है जबकि वह पहले खुलकर अपना पक्ष रखा करती थी।

भारत की अपनी छवि अब एक उदार व संवेदनशील देश के बदले घोर साम्प्रदायिक राष्ट्र की हो चुकी है। यहां सरकार साम्प्रदायिकता का नेतृत्व भी करती है। पड़ोसी मुल्कों में अल्पसंख्यकों के कथित जुल्म पर शोर-शराबा करने वाली सत्तारुढ़ पार्टी के समर्थक अपने यहां के अल्पसंख्यकों को प्रताड़ित करने के आरोपियों के रूप में दुनिया भर में जाने जाते हैं। इसके खिलाफ़ कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आवाजें उठ चुकी हैं। सरकार की इस राष्ट्रीय नीति की छाया अंतरराष्ट्रीय सम्बन्धों पर पड़ी है। मोदी सरकार एवं उनकी पार्टी ने देश में मुस्लिम देशों, खासकर पड़ोस के पाकिस्तान, अफगानिस्तान व बांग्लादेश के खिलाफ घृणा का माहौल बनाया है। यही कारण है कि दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रम्प ने पद के शपथ ग्रहण समारोह में, जिनके लिये मोदी ने कभी 'अबकी बार ट्रम्प सरकार' का नारा दिया था, उन्हें न बुलाकर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को बुलाया था।

अब उसी चीन को पड़ोसी बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार युनुस मोहम्मद हाल के अपने चार दिवसीय दौरे में सुझाव दे रहे हैं कि 'भारत के 7 पूर्वोत्तर राज्य (जो सेवन सिस्टर्स कहलाते हैं) समुद्र से दूर यानी 'लैंड लॉक्ड' हैं। बांग्लादेश से चीन उनकी घेराबन्दी कर सकता है।' उल्लेखनीय है कि चीन की इस सम्पूर्ण पूर्वोत्तरी हिस्से पर लम्बे अर्से से नज़र है और इनमें से कई राज्यों पर तो वह अपना अधिकार मानता रहा है। बांग्लादेश यदि चीन को इन प्रदेशों में विस्तार करने के लिये मदद देने को तैयार है तो यह भारतीय विदेश नीति की बड़ी असफलता है।

आसान नहीं है डगर तीसरे टर्म की

बेशक, लोकसभा चुनाव में लगे धक्के से, जिसमें चार सौ पार के नारों से भाजपा, साधारण बहुमत से काफी नीचे, सिर्फ दो सौ चालीस सीटों पर आ टिकी थी, उसके बाद हुए विधानसभाई चुनावों में जीत जुगाड़ने के जरिए, भाजपा कम से कम मानसिक रूप से काफी हद तक उबरने में कामयाब रही है। लोकसभा चुनाव के बाद से हुए प्रमुख विधानसभाई चुनावों में दिल्ली से पहले तक भाजपा, वैसे तो हरियाणा तथा महाराष्ट्र की दो विधानसभाओं में ही जीत हासिल करने में कामयाब हुई थी, जबकि झारखंड तथा जम्मू-कश्मीर में, अपनी सारी कोशिशों के बावजूद उसे हार का मुंह देखना पड़ा था। इसके बावजूद, इन दो जीतों के सहारे ही भाजपा ने, जिसे अपने मनमुताबिक आख्यान गढ़ने तथा मीडिया पर अपने नियंत्रण के जरिए उसे चलाने में खास महारत हासिल है, सफलता के साथ यह माहौल बना दिया था कि लोकसभा चुनाव तो एक विचलन था और आमतौर पर जनता फिर से भाजपा के पीछे गोलबंद हो चुकी है। इसी पृष्ठभूमि में दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद से, यह छवि और भी मजबूत हुई है कि मोदी के नेतृत्व में संघ-भाजपा जोड़ी ही चुनावी अजेयता फिर से लौट आई है और यहां से आगे मोदी राज की जीत ही जीत है। सिर्फ चुनावी जीत ही नहीं, आम तौर पर राजनीतिक जीत भी।

उनके इसी भरोसे की अभिव्यक्ति, मोदी राज के तेजी से ऐसे कदमों के रास्ते पर बढ़ने में होती है, जो सबसे बढ़कर आरएसएस के बहुसंख्यकों के अपने पक्ष में सुदृढ़ीकरण और बढ़ते हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण के एजेंडे की ओर ले जाते हैं। बेशक, यह किन्हीं खास कदमों का या आरएसएस द्वारा उठायी गयी खास मांगों तक ही सीमित सवाल नहीं है। मोदी राज के तीसरे कार्यकाल के करीब ग्यारह महीनों में खासतौर पर भाजपायी राज्य सरकारों के सहारे, हर साधारण से साधारण मुद्दे का सांप्रदायिक गोलबंदी के हथियार में तब्दील किया जाना, इस देश ने देखा है। इसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश में संभल को, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के लिए एक और अयोध्या में तब्दील किया जाना भी शामिल है। इसमें महाकुंभ का ही नहीं, होली-ईद आदि सब का खुल्लमखुल्ला सांप्रदायीकरण भी शामिल है और भाजपा-शासित राज्यों में खासतौर पर मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ खुल्लमखुल्ला भेदभाव भी। जाहिर है कि आरएसएस के पुराने एजेंडे के अनुरूप, समान नागरिक संहिता का उत्तराखंड से शुरू कर, आगे बढ़ाया जाना भी इसमें शामिल है।

इसी के हिस्से के तौर पर, संघ-भाजपा ने वक्फ संशोधन विधेयक का खुल्लमखुल्ला सांप्रदायिक हथियार गढ़ा और आगे कर दिया। बहरहाल, तभी इस मुद्दे पर वर्तमान मोदी सरकार के समर्थन की सीमाएं सामने आ गईं। जहां लोकसभा में इस विधेयक के पेश किए जाने के बाद, उसे न सिर्फ धर्मनिरपेक्ष विपक्षी पार्टियों के मुखर विरोध का सामना करना पड़ा, वहीं खुद सत्ताधारी एनडीए में शामिल तेलुगू देशम तथा जनता दल-यूनाइटेड जैसी पार्टियों के प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष विरोध का भी सामना करना पड़ा; ये पार्टियां संघ-भाजपा के सांप्रदायिक एजेंडे का ज्यों का त्यों अनुमोदन करने में असुविधा महसूस कर रही थीं। इसी का नतीजा था कि एक दुर्लभ पैंतरा अपनाते हुए, मोदी राज को इस विधेयक का संयुक्त संसदीय समिति को सौंपा जाना स्वीकार करना पड़ा, ताकि इस पर विभिन्न पक्षों की और विस्तार से राय ली जा सके। यह एक प्रकार से इस विधेयक के ठंडे बस्ते में डाले जाने का ही पैंतरा था और उसे आम तौर पर उसी रूप में देखा जा रहा था।

राजेंद्र शर्मा

> **संभवत: इसी बीच हासिल हुई प्रभावी जीतों से बढ़े हुए आत्मविश्वास के चलते, संघ-भाजपा राज ने आरएसएस के शताब्दी वर्ष में उसके पक्के एजेंडे को आगे बढ़ाने के जरिए अपनी वफादारी दिखाने के लिए, इस विधेयक को ठंडे बस्ते से बाहर निकाल लिया है। अब इस विधेयक को दोबारा लोकसभा में आगे बढ़ाए जाने का प्रस्ताव है। लेकिन, इसी बीच सामने आए घटनाक्रम ने, इस विधेयक के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।**

लेकिन, संभवत: इसी बीच हासिल हुई प्रभावी जीतों से बढ़े हुए आत्मविश्वास के चलते, संघ-भाजपा राज ने आरएसएस के शताब्दी वर्ष में उसके पक्के एजेंडे को आगे बढ़ाने के जरिए अपनी वफादारी दिखाने के लिए, इस विधेयक को ठंडे बस्ते से बाहर निकाल लिया है। अब इस विधेयक को दोबारा लोकसभा में आगे बढ़ाए जाने का प्रस्ताव है। लेकिन, इसी बीच सामने आए घटनाक्रम ने, इस विधेयक के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वक्फ संशोधन विधेयक के पुनर्जीवित किए जाने की सुगबुगाहट होने के बाद से, धर्मनिरपेक्ष विपक्षी पार्टियों ने और भी दृढ़ता तथा स्पष्टता के साथ इसके खिलाफ आवाज तो उठायी ही है, इसके खिलाफ खुद मुस्लिम समुदाय भी एक स्वर से विरोध करने के लिए उठ खड़ा हुआ है। यहां तक कि इस बार रमजान-ईद के मौके पर, करोड़ों मुसलमानों ने काली पट्टियां बांधकर, इसके खिलाफ शांतिपूर्ण किंतु विराट सार्वजनिक प्रदर्शन किए हैं।

इस सब का नतीजा यह हुआ कि एनडीए में भाजपा के, खुद को धर्मनिरपेक्ष दिखाने वाले सहयोगियों को संघ-भाजपा को परोक्ष रूप से यह संदेश देना पड़ा है कि इस मामले में उनके समर्थन को जेब में मानकर नहीं चला जाना चाहिए। जहां बिहार में, एक प्रमुख मुस्लिम मंच ने, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की इफ्तार पार्टी के बहिष्कार की घोषणा कर, उस राज्य में नीतीश कुमार पर दबाव बढ़ा दिया, जहां अगले छ: महीने के अंदर-अंदर चुनाव होने जा रहे हैं। इस दबाव से निपटने के लिए नीतीश कुमार ने किस तरह, संबंधित मुस्लिम मंच के खिलाफ दमनकारी कार्रवाई और मुसलमानों के प्रति अपनी वफादारी के आम प्रदर्शन के दुहरे हथियार आजमाए हैं, इसकी चर्चा हम किसी और मौके पर करेंगे। यहां इतना कहना ही काफी है कि इस पूरे घटनाक्रम ने नीतीश कुमार को मुसलमानों के बीच अपनी छवि को, संघ-भाजपा से अलगाने के प्रति सचेत कर दिया है।

उधर चंद्रबाबू नायडू ने विजयवाड़ा में आयोजित एक इफ्तारी के मंच का उपयोग, मुसलमानों को इसका भरोसा दिलाने के लिए किया कि, उनकी सरकार मुसलमानों के हितों की रक्षा करने की अपनी वचनबद्धता पर कायम है और रहेगी। वक्फ विधेयक विवाद की पृष्ठभूमि में उन्होंने खासतौर पर जोर देकर कहा कि मुसलमानों की जमीनों, परिसंपत्तियों पर किसी को भी बुरी नजर डालने इजाजत नहीं दी जाएगी। नायडू ने इसकी गारंटी भी दी। इसी दौरान राष्ट्रीय लोकदल के जयंत चौधरी ने भी मेरठ तथा संभल आदि में ईद के मौके पर नवाज पर लगायी गयी पाबंदियों पर विरोध जताते हुए, इसका संबंध राज्य या शासन के ज्यादा से ज्यादा ऑर्वेलियनीय बनते जाने के साथ जोड़ा और कहा कि यह उन्हें हर्गिज मंजूर नहीं है। उधर बिहार में लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान ने सांप्रदायिक निहितार्थ वाले मुद्दों के उठाए जाने पर विरोध जताया और ऐसे मुद्दे उठाने के लिए अपने सहयोगियों तक को नहीं बख्शा। इस तमाम हलचल से, जिसके केंद्र में मुस्लिम अल्पसंख्यकों को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाकर छोड़ दिए जाने की मोदी राज की मुहिम का विरोध या नकार है, सिर्फ वक्फ संशोधन विधेयक के भविष्य को लेकर ही नहीं, खुद मोदी राज को लेकर भी वास्तविक सवाल खड़े हो गए हैं। बेशक, यह कहने का अर्थ यह कतई नहीं है कि इस मुद्दे को लेकर चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार, वर्तमान मोदी सरकार को हिला देने वाले हैं। ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है। लेकिन, इतना जरूर है कि नायडू-नीतीश आदि की ओर से मोदी राज को इसकी चेतावनी मिल सकती है कि वह आरएसएस के प्रति अपनी वफादारी के प्रदर्शन में, उन्हें जबर्दस्ती नहीं घसीट सकता है।

यह आरएसएस का शताब्दी वर्ष है। इसी सिलसिले में प्रधानमंत्री मोदी ने खुद नागपुर जाकर, आरएसएस के मुख्यालय में मत्था ही नहीं टेका है, सार्वजनिक रूप से आरएसएस की महानता का बखान भी किया है। यह आरएसएस के विभाजनकारी सांप्रदायिक चरित्र को परंपरा तथा संस्कृति की चादर से ढांपने की ही कोशिश थी, जिसके बाद उसे शासन-तंत्र में और गहराई तक रोपा जाएगा। मोदी निजाम इसी रास्ते पर बढ़ता चाहता है और उसका अब तक का रिकार्ड यही दिखाता है कि वह इसी रास्ते पर चलने जा रहा है। लेकिन, उसके चंद्रबाबू नायडू तथा नीतीश कुमार जैसे क्षेत्रीय तथा खुद को धर्मनिरपेक्ष बताने वाले सहयोगियों को, उसके साथ बंधे-बंधे अपना इस रास्ते पर घसीटा जाना मंजूर नहीं है। संघ-भाजपा की स्वाभाविक सांप्रदायिक प्रेरणा और उनके राज के अल्पमत का ही राज होने की सच्चाई के बीच का अंतर्विरोध, आसानी से हल या शांत होने वाला नहीं है। यह अंतर्विरोध मोदी राज की नैया डावांडोल नहीं भी करे, तब भी उसे हिलाता तो रहेगा ही और यह तीसरे कार्यकाल में मोदी की राह मुश्किल बनाने जा रहा है।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

भाजपा में मोदी का विकल्प नहीं

नए संवत्सर की शुरुआत पर गुड़ीपड़वा के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय में संघ प्रमुख मोहन भागवत और प्रधानमंत्री की भेंट का इंतजार बहुत लोगों को था लेकिन जो आधिकारिक बातें निकालकर आईं उनसे ऐसा कोई संकेत नहीं मिला कि भाजपा के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार समेत की बड़े मसलों पर इन दो शीर्षस्थ लोगों के बीच कोई निर्णयात्मक बात हुई। इस बीच अगर शिव सेना के संजय राऊत प्रधानमंत्री के उत्तराधिकारी वाली बहस न छेड़ते तो बातचीत का मसला न्यूज के हिसाब से फीका होकर एक किनारे लग गया होता। संजय राऊत से महाराष्ट्र के मुख्यमन्त्री देवेन्द्र फड़नवीस बहस में उतरे और यह कहा कि न तो भाजपा को कोई उत्तराधिकारी चाहिए और न इस मसले पर कोई चर्चा हुई। उन्होंने इस बात का भी खंडन किया कि मोदी का उत्तराधिकारी महाराष्ट्र से होगा। उनके अनुसार 75 वर्ष पर सक्रिय राजनीति से अलग होने का फैसला प्रधानमंत्री पर लागू नहीं होता और अगले चुनाव में भी नरेंद्र मोदी ही अगुआई करेंगे। संजय राऊत 75 वर्ष वाले मसले को उठाने के साथ फड़नवीस बनाम नितिन गडकरी जैसे सवालों को भी छेड़ रहे थे जो महाराष्ट्र और संघ परिवार की राजनीति के लिए काफी महत्व का है। लेकिन गौर से देखेंगे तो मोदी के उत्तराधिकार और भाजपा के अगले अध्यक्ष का सवाल पूरे मुल्क की राजनीति के हिसाब से काफी बड़ा है।

अरविन्द मोहन

> **दूसरे खेमे के नेता भाजपा और मुल्क को संभालकर आगे ले जा सकते हों इसमें उनके मुट्ठी भर दीवाने समर्थकों को छोड़कर किसी को भरोसा नहीं है। औरंगजेब के मकबरे के सवाल पर फड़नवीस और संभल के सवाल पर योगी सरकार के व्यवहार से यह साबित हुआ है कि ये नेता चाहे जितना फड़फड़ाएं, मोदी जी का विकल्प नहीं बन सकते।**

अब ऐसा भी नहीं है कि संघ प्रमुख और प्रधानमंत्री माइक/कैमरा लगाकर सारी चर्चा करते और हम आप सभी उनकी बातचीत और भाव भंगिमा को सीधे देख सुनकर जान जाते। ऐसा होता नहीं है। पर जिस तरह मोदी जी ने भाजपा के अपने से पुराने नेताओं की जमात को 75 पार के नाम पर सिरे से दरकिनार कर दिया उससे यह उत्सुकता तो होनी ही है कि उनका 75 पूरा होने पर क्या होता है। लेकिन इससे भी ज्यादा साफ मसला भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा लोक सभा चुनाव के पहले यह कहना था कि अब भाजपा को संघ की जरूरत नहीं है। वह खुद से सक्षम बन चुकी है। संयोग से उसके बाद उनका कार्यकाल भी खत्म होना था और चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन खराब भी रहा। सो जब नई सरकार में उनको मंत्री बना दिया गया तो उन्होंने इस्तीफा दिया और नया अध्यक्ष चुने जाने तक कामचलाऊ अध्यक्ष के रूप में काम किए जा रहे हैं। अब साल नजदीक आ रहा है और भाजपा नया अध्यक्ष नहीं चुन पाई है। जो बातें छन-छन कर सामने आती रहीं उनके अनुसार इसमें संघ द्वारा अपनी पसंद का आदमी लाना बड़ी वजह है जिससे साबित हों कि भाजपा अभी भी संघ से अलग नहीं है। दूसरी और व्यावहारिक बात भाजपा के कमजोर होने से संघ का हौसला बढ़ना है। और तब से यह काफी प्रचारित हुआ है कि राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भाजपा ने संघ के सहारे ही हारती बाजी को पलटा है।

इस लेखक की तरह काफी सारे लोग होंगे जिनकी दिलचस्पी भाजपा और संघ के संबंधों में किसके ऊपर और किसके नीचे होने में नहीं है। और यह गलतफहमी भी नहीं रखनी चाहिए कि कभी संघ और भाजपा जुदा होने या एक दूसरे का नुकसान करने जैसी स्थिति में आएंगे। पर हमारी दिलचस्पी नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी में जरूर है और इसका उनके 75 साल का होने से भी कोई मतलब नहीं है। आडवाणी जी, मुरलीमनोहर जोशी, कलराज मिश्र से लेकर रविशंकर प्रसाद तक को जब उनकी सम्पूर्ण सक्रियता और काम करने की इच्छा के बाद भी दरकिनार कर दिया गया तो शायद ही किसी को अच्छा लगा। उनकी भरपाई मोदी जी ने कुछ पूर्व नौकरशाहों और दूसरे क्षेत्र के लोगों को साथ लेकर पूरी की। तीन-तीन चुनाव जितवाने वाले, अपनी सक्रियता और सारी स्थितियों पर पूरा कंट्रोल रखने वाले मोदी जी सिर्फ उम्र की सीमा के चलते किनारे हो जाएं तो यह भी अच्छा नहीं होगा। लेकिन उनके उत्तराधिकार का सवाल उससे ज्यादा बड़ा है। और दस ग्यारह साल के अपने शासन काल में उन्होंने स्थिति खुद भी ज्यादा मुश्किल बना ली है। आज राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी को छोड़कर बाकी कोई नाम नहीं बचा है और अगर वे विकल्प बन सकते हैं तो मोदी में ही क्या हर्ज है।

मोदीजी के विकल्प का सवाल पूरे संघ परिवार या मोदी समर्थक जमात की मौजूदा स्थिति से भी जुदा है और इस लेखक ने जानबूझ कर अमित शाह का नाम दो बड़े लोगों के साथ नहीं जोड़ा क्योंकि उनका नाम आते ही उनके समर्थकों से ज्यादा विरोधी सक्रिय होंगे। वे कभी सारे लोगों या अधिकांश लोगों की पसंद नहीं बन सकते भले आज संगठन और सरकार में वे मोदी के बाद सबसे ताकतवर नेता हैं। लेकिन ऐसा मोदी जी के समर्थन और रणनीति के चलते है। असल में यह पूरा जमात आज दो धड़ों में बंटता दिखता है और शाह जी सिर्फ एक धडे को मान्य लगते हैं। वे कमोबेश मोदी जी की छाया बनाकर रह गए हैं, अपना आधार बनाना भूल गए हैं या उनका वैसा आधार नहीं रहा है. दूसरी ओर हिन्दुत्व की ज्यादा उग्र नई भाषा बोलने के उस्ताद योगी आदित्यनाथ और फड़नवीस ही नहीं भाजपा के ज्यादातर मुख्यमंत्री अपने-अपने आधार के साथ उसमें वृद्धि करते जा रहे हैं। अगर गोपनीय नाम वाले सोशल मीडिया समूहों की चर्चा को जरा भी भरोसेमंद मानें तो राजनाथ, गडकरी, शाह, नड्डा, शिवराज समेत सारे नरमपंथी हिंदुत्ववादी आज 'रायताज' खेमे में आ गए हैं. योगी, फड़नवीस, मोहन द्वय समेत ज्यादा उग्रवादी भाषा बोलने और बुलडोजर को राजनैतिक हथियार बनाने वाले नेता 'ट्रेडस' अर्थात असली ट्रेडिशनलिस्ट हैं। ट्रम्प समर्थक और विरोधियों वाला यह वर्गीकरण आज यहां भी आ गया है। आज तो संघ का पूरा नेतृत्व ही पहले खेमे में गिना जाने लगा है।

यह भी सच है कि दूसरे खेमे के नेता भाजपा और मुल्क को संभालकर आगे ले जा सकते हों इसमें उनके मुट्ठी भर दीवाने समर्थकों को छोड़कर किसी को भरोसा नहीं है। औरंगजेब के मकबरे के सवाल पर फड़नवीस और संभल के सवाल पर योगी सरकार के व्यवहार से यह साबित हुआ है कि ये नेता चाहे जितना फड़फड़ाएं, मोदी जी का विकल्प नहीं बन सकते। यह भी तय है कि ये लोग मोदी को छोड़कर किसी और को नेता नहीं मान सकते। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में लोक सभा चुनाव में जब इनको महत्व नहीं मिला तो भाजपा का प्रदर्शन इस बात की गवाही है कि इनको पार्टी को नुकसान करने में भी कोई परहेज नहीं रहता। इनके अपने से देश और पार्टी नहीं चलेगी लेकिन ये मोदी के अलावा किसी और नाम पर सहमत नहीं हों सकते। दूसरी ओर कथित 'रायताज' अर्थात उदारवादी धडे के किसी नेता द्वारा इनको अपने साथ रख पाना उससे भी ज्यादा मुश्किल है। कार्यक्षमता और सैद्धांतिक पोजीशन से नेतृत्व पाने और मनवाने के दिन तो काफी पहले से लद गए हैं। ऐसे में मोदी है तभी तक मौजूदा स्वरूप में भाजपा और सरकार का चलना मुमकिन है।

आपके पत्र

अचल संपति का विवरण नहीं देने वालो अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो

लोक शिकायत कानून संबंधी संसदीय समिति ने बीते वर्ष अधिकारियों की ओर 91 उच्च अधिकारियों द्वारा अचल संपत्ति का विवरण नहीं दिए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

नौकरशाही में भ्रष्टाचार एक गंभीर समस्या है जो हमारे देश की प्रगति में बाधा डालती है। यह समस्या तब और भी गंभीर हो जाती है जब अधिकारी अपनी संपत्ति का विवरण नहीं देते हैं और नियमों से ऊपर समझने लगते हैं। भारत में नौकरशाही का मौजूदा स्वरूप ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की देन है। इसके कारण यह वर्ग आज भी अपने को आम भारतीयों से अलग, उनके ऊपर, उनका शासक और स्वामी समझता है। अपने अधिकारों और सुविधाओं के लिए यह वर्ग जितना सचेष्ट रहता है, आम जनता के हितों, जरूरतों और अपेक्षाओं के प्रति उतना ही उदासीन रहता है।

भारत में भ्रष्टाचार एक पुरानी समस्या है जिसके कारणों में अत्यधिक नियम, जटिल कर और लाइसेंस प्रणाली, अपारदर्शी नौकरशाही और विवेकाधीन शक्तियों वाले कई सरकारी विभाग शामिल हैं। इसके अलावा, भ्रष्टाचार के मामलों में सरकार की ओर से भी लापरवाही बरती जाती है, जिससे समस्या और भी गंभीर हो जाती है।

इस समस्या का समाधान निकालने के लिए जरूरी है कि अधिकारियों को उनके कार्यों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाए और उनके अधिकारों में कटौती की जाए। इसके अलावा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके ऑनलाइन प्रणाली बनाई जा सकती है जिससे अधिकारियों की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा सके।

जटिल नियमों और लाइसेंस प्रणाली को सरल बनाने से भ्रष्टाचार के अवसर कम हो सकते हैं। इन कदमों को उठाने से भ्रष्टाचार की समस्या को कम किया जा सकता है और हमारे देश की प्रगति में मदद मिल सकती है।

सुभाष बुड़ावनवाला, दिल्ली

ललित सुरजन की कलम से

भारतीय समाज : रूग्णता के लक्षण

'हम सोचते थे कि मोदी सरकार ने आधार कार्ड की आवश्यकता स्वीकार कर भारतवासियों को एक तरह से निश्चिंत कर दिया है कि तुम्हारे पास जब यह कार्ड है तो फिर और किसी अन्य तरह के पहचानपत्र की जरूरत नहीं है कि तुम भारतवासी हो या नहीं। लेकिन संघ और भाजपा के नेता जिस तरह के वक्तव्य शृंखलाबद्ध तरीके से और रोजाना किश्तों में दे रहे हैं उससे लगता है कि अपने भारतीय होने का पहचानपत्र देने के लिए हर हिन्दुस्तानी को अब सरसंघचालक द्वारा स्थापित फ्रेंचाइजी पर जाना पड़ेगा। संभव है कि कल तक योग सिखाने वाले उद्योगपति रामदेव ये फ्रेंचाइजी ले लें और पतंजलि बिस्किट, नूडल्स, केश तेल, घी इत्यादि के साथ-साथ देश भर में फैली उनकी दुकानों पर पहचानपत्र बिक्री का भी काउंटर खुल जाए। अगर कोई कमी होगी तो अपने भक्तों के बीच श्री श्री कहलाने वाले रविशंकर या गुरमत राम-रहीम की दुकानों से उनका वितरण किया जा सकेगा।'

(देशबन्धु में 07 अप्रैल 2016 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2016/04/blog-post.html

पावन प्रसंग

श्रेष्ठता के लिए करें स्वयं को होम

मित्रो! श्रेष्ठता के लिए आदर्शवादिता के लिए अपने आप को होम कर देना, अपने आप को खतम कर देना, उसी के लिए संभव है, जिसके मन में से बेहिसाब करुणा टपकती हो, जहां कहीं भी हम देखते हैं, हमको करुणा ही दिखाई पड़ती है, जो आदमी की उन्नति के पथ पर आगे बढ़ाती चली जाती है। जितने भी अच्छे श्रेष्ठ आदमियों को हम देखते हैं, वे सब करुणा से भरे हुए हैं। जापान में कागाबा को गांधी कहते हैं, जैसे कि हिंदुस्तान के गांधी थे। कागाबा कौन है? बेटे कागाबा उस आदमी का नाम है जिसने एम.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद में यह निश्चय किया कि अपनी बची हुई जिंदगी को दुखियारों के लिए खर्च करूंगा। जिन मुहल्लों में पीड़ित लोग रहते थे, शराबी, बीमार, कोढ़ी लोग रहते थे, उसी जगह उन्होंने अपनी झोपड़ी डाल ली और जिंदगी भर दरिद्रनारायण की सेवा में समर्पित हो गए। पचास रुपए में अपना गुजारा करने वाले जापान के गांधी कागाबा सारे के सारे दुखियारों की, दीनों की, पीड़ितों-पतितों की सेवा करने में लगे रहे। जापान की गवर्नमेंट ने, जनता ने उन्हें भरपूर सहायता दी।

मित्रो, भगवान की सहायता किसको मिली? जिनके पास कलेजा और हृदय है। आपके पास हृदय है कहां? जरा अपनी छाती पर हाथ रखकर देखें। अक्ल तो है, पर कितनी बड़ी है? जालिम अक्ल, बेईमान, अक्ल, दुष्ट अक्ल, पापी अक्ल, पतित अक्ल, और कमीनी अक्ल हमारे ऊपर के हिसाब रूप से हावी हो गई और हमको न जाने क्या से क्या कराती है, न जाने कितने तरह के जाल बुनने को हमें मजबूर करती है और न जाने कहां-कहां हमको भटकाती और ले जाती है। बेटे यह अक्ल एक कोने पर लेकिन जहां तक आध्यात्मिक जीवन का संबंध है, जहां तक भगवान को भक्ति का संबंध है, जहां तक मनुष्य की श्रेष्ठता और शालीनता का संबंध है, जहां तक भगवान की भक्ति का संबंध है, जहां तक मनुष्य की श्रेष्ठता और शालीनता का संबंध है, ये सारी की सारी बातें हृदय से ताल्लुक रखती हैं। ये आदमी की उदारता से ताल्लुक रखती है। ये आदमी की श्रद्धा से ताल्लुक रखती है भक्ति से ताल्लुक रखती है। जो आदमी कोमल हृदय वे होगा, वह अकेले खा नहीं सकता, जमा नहीं कर सकता, अमीर नहीं बन सकता, क्योंकि उसके सामने हजारों हाथ पीड़ितों के चारों ओर फैले दिखाई पड़ेंगे। वह खा नहीं सकता। ईश्वचंद्र विद्यासागर ने देखा कि अमीरी और गरीबी और पिछड़ापन समाज में अभी भी विद्यमान है, जो हमारे समय में था। हमारे पिता सुविधा नहीं जुटा पाए। हम किताबें मांग करके लाते और स्ट्रीट लाइट के नीचे खड़े होकर पढ़ते थे। यदि आज भी ऐसे विद्यार्थी हैं तो उनकी मुझे सहायता करनी चाहिए। उनके ईमान ने सोचा कि जो भगवान गरीबों के रूप में हजारों-हजार हाथों से आदमी से मांगता और पुकारता है, उसके लिए मुझे कुछ करना चाहिए।

मित्रो, अगर ईमान हमारे और आपके भीतर हो तब, उदार हृदय हमारे पास हो तब? पर हम तो हृदयहीन हैं। हृदय कहीं से धड़कता तो है, यह लोहार की धौंकनी के तरीके से है। इसमें करुणा का नाम भी नहीं। दया, उदारता का नाम भी नहीं है। इसमें तो महत्वाकांक्षाएं, लालसाएं और लिप्साएं इतनी ज्यादा जमा हो गई हैं कि यहां आकर के भगवान क्या करेगा? यहां आकर के देवी क्या करेगी? यहां आकर केआध्यात्मिकता क्या करेगी? ईश्वरचंद्र विद्यासागर को पांच सौ रुपए तनख्वाह मिलती थी। उन्होंने अपने घरवालों से कहा कि आप लोगों को पचास रुपए महीने में ही गुजारा करना पड़ेगा। आपके ऊपर ज्यादा खर्च नहीं किया जा सकता। चार सौ पचास रुपए महीने के बारे में उन्होंने यह व्यवस्था बनाई कि जो विद्यार्थी यह अनुभव करते हों कि हमारे पास किताबें, पेंसिल, मिट्टी के तेल, फीस आदि की कमी है या दूसरी चीजों की कमी है तो वे हमारे घर से ले जाया करें। सब बच्चे आते और अपनी जरूरत की चीजें ले जाते। मित्रो, उस जमाने में भले ईमानदार आदमी रहे होंगे, लेकिन आजकल जैसे बेईमान और चालाक कम है? आज तो फीस कम करवाने धनवानों के बच्चे अपने रिश्तेदारों के नाम पर फीस माफ करवा लेते हैं और जो वास्तव में जरूरतमंद हैं, वे गरीब रह जाते हैं। आज सब बंटाधार होता चला जा रहा है किसी जमाने में लेने वालों में भी शराफत थी और देने वालों में भी शराफत थी। केवल वे ही विद्यार्थी पाते थे, जो पाने के हकदार होते थे। चार सौ पचास रुपए में हजारों विद्यार्थी लाभ उठाते। कोई पेंसिल, कोई मिट्टी का तेल, कोई कापी, कोई फीस मांग ले जाते। चार सौ पचास रुपए में सैकड़ों हजारों बच्चे को पढ़ते देख विद्यासागर निहाल होते थे।

अखंड ज्योति

नये शैक्षणिक सत्र के पहले दिन बच्चों का तिलक लगाकर किया गया स्वागत

जबलपुर, देशबन्धु। स्कूल चले हम अभियान के तहत नये शैक्षणिक सत्र की शुरुआत पर जिले के सभी स्कूलों में प्रवेश उत्सव के कार्यक्रम आयोजित किये गये तथा नव प्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर और फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। नये शैक्षणिक सत्र के पहले दिन आयोजित किये गये प्रवेश उत्सव के कार्यक्रम के साथ ही जिले में स्कूल चलें हम अभियान भी प्रारंभ हो गया है।

जिले की शालाओं में आयोजित किये गये प्रवेश उत्सव कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में भोपाल में संपन्न हुये राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश में स्कूल चलें हम अभियान का शुभारंभ भी किया।

स्कूल चलें हम अभियान के तहत जिले की शालाओं में आयोजित किये गये प्रवेश उत्सव के कार्यक्रमों में जन प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। सीएम राइज विद्यालय करोंदीग्राम में आयोजित प्रवेश उत्सव के कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक अशोक रोहणी ने छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर और फूल माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी भी मौजूद थे। विधायक श्री रोहाणी ने अपने संबोधन में बच्चों को पढाई की ओर अधिक ध्यान देने तथा शाला में नियमित रूप से उपस्थित रहने की सलाह भी दी। उन्होंने बच्चों को गणवेश और पाठ्य पुस्तकों का वितरण भी किया तथा शाला की सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को शासन द्वारा प्रदान की गई स्कूटी की चाबी प्रदान की तथा लेपटॉप की राशि प्राप्त करने वाले सभी 37 मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान भी किया गया।

प्रवेश उत्सव के कार्यक्रम को जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने भी संबोधित किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में बच्चों से मन लगाकर पढ़ाई करने कहा। श्री सोनी ने शिक्षकों को भी समय पर स्कूल में उपस्थित रहने के निर्देश दिये।

जिला शिक्षा अधिकारी ने किया शालाओं का निरीक्षण

नये शैक्षणिक सत्र के पहले दिन आज स्कूल चलें हम अभियान के तहत आयोजित किये गये प्रवेश उत्सव के कार्यक्रमों में शामिल होने के साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गणेशगंज, शासकीय बालक हाई स्कूल गोकलपुर, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोकलपुर, सीएम राइज विद्यालय अधारताल, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तमरहाई का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान सभी विद्यालयों मे प्रवेश उत्सव कार्यक्रमों का आयोजन पाया गया।

निरीक्षण के दौरान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गणेशगंज, शासकीय बालक हाईस्कूल गोकलपुर में विद्यार्थियों की कम संख्या पर जिला शिक्षा अधिकारी ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने विद्यालय में बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति के निर्देश दिये।

जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर सभी ब्लॉक के सहायक संचालक एवं बीईओ द्वारा भी स्कूलों का निरीक्षण किया गया। मझौली में सहायक संचालक अतुल चौधरी के निरीक्षण मे एक प्रभारी प्राचार्य, तीन शिक्षक, एक व्याख्याता एवं दो भृत्य अनुपस्थित पाए गए। इन सभी को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा कारण बताओ पत्र जारी कर जवाब मांगा गया है।

देवजी नेत्रालय के 8 वें वर्ष पर संपूर्ण अंधत्व निवारण शिविर सम्पन्न

जबलपुर, देशबन्धु। दादा वीरेंद्र पुरी जी महाराज नेत्र संस्थान (देवजी नेत्रालय) में संपूर्ण अंधत्व निवारण शिविर का आयोजन गत दिवस सम्पन्न हुआ। गुरुदेव दादा वीरेंद्र पुरी जी महाराज के अनुकम्पा और प्रेरणा से अंधत्व निवारण के लिए देवजी नेत्रालय की स्थापना की गयी है।

शिविर का उद्घाटन अनुपमा स्थापक के हाथों दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। संचालक डॉ. पवन स्थापक ने बताया कि शिविर में 1151 मरीजों का नेत्र परिक्षण हुआ जिसमें 134 मरीज नि:शुल्क नेत्र लेंस प्रत्यारोपण के लिए चयनित हुए। इसके अलावा रेटिना के 120,कांचियाबिंद के 85,बाल नेत्र चिकित्सा के 230 और कॉर्निया की बीमारी के 91 मरीजों का पंजीयन होकर अत्याधुनिक उपकरणों से नि:शुल्क जाँच हुई।

दादा वीरेंद्र पुरी जी नेत्र संस्थान देवजी नेत्रालय का भूमिपूजन- निवृत शंकराचार्य स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी जी महाराज के कर -कमलों द्वारा 2 मई 2014 अक्षय तृतीया के दिन और लोकार्पण सरसंघचालक डॉ मोहन राव भागवत के द्वारा 2 अप्रैल 2017 को हुआ था निरंतर 8 वर्षों मे 11 लाख से ऊपर नेत्र परीक्षण एवं लगभग 2,50,000 नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन किये जा चुके है। देवजी नेत्रालय मे आँखों की समस्त बीमारियों का इलाज किया जाता है। यहाँ नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन ही नहीं होते बल्कि ग्लूकोमा, रेटिना,कॉर्निया,स्क्विंट और पीडियाट्रिक ऑफ्थेलमोलॉजी जैसे विशेष ऑपरेशन भी होते है। जिस जटिल नेत्र चिकित्सा के लिए लोगों को महानगरों का रुख करना पड़ता था वो सब एक ही छत के नीचे देश-विदेश से प्रशिक्षित नेत्र विशेषज्ञों की टीम के साथ देवजी नेत्रालय में उपलब्ध है।

कार्यक्रम को सफल बनाने वाले- डॉ पवन स्थापक, डॉ आयुष टंडन,डॉ अर्पिता स्थापक,डॉ अपूर्वा स्थापक,डॉ रितेश शुक्ला, डॉ श्रुति चौधरी, डॉ सुरभि दुबे, डॉ सुनील बसेडिया,डॉ सोनिया टंडन,डॉ प्रिया जैन का योगदान रहा।

क्रिकेट मैच शहडोल ने जबलपुर से जीता

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में स्थानीय नीमखेड़ा मैदान पर खेली जा रही महाराजा यशवंत राव मेमोरियल सीनियर इंटर डिविजनल क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप बी के मैच में जबलपुर एवं शहडोल के बीच खेले गए चार दिवसीय मैच को शहडोल ने 6 विकेट से जीत लिया। 35 रनों के बढ़त के साथ जबलपुर ने अपनी दूसरी पारी शुरू की और एक बार फिर बढ़त के बाद बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन से पूरी टीम 119 रन बनाकर आउट हो गई।

सार्थक जैन ने 33 तथा यश चिनपुरिया ने 32 रनों का योगदान दिया। शहडोल की ओर से मासूम रजा ने पांच विकेट तथा नयन राज मेवाड़ा ने चार विकेट प्राप्त किये।इस प्रकार जबलपुर ने शहडोल के समक्ष जीत के लिए 155 रनों का लक्ष्य रखा जिसे शहडोल ने चार विकेट पर 156 रन बनाकर प्राप्त कर लिया।

शहडोल की ओर से अपूर्व द्विवेदी ने 70 तथा हिमांशु मंत्री ने 25 रनों का योगदान दिया।

तीन विकेट लिये-जबलपुर की ओर से अमन कछवाहा ने तीन विकेट लिए।

मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार संयुक्त रूप से शहडोल के खिलाड़ी मैच में10 विकेट लेने वाले मासूम रजा तथा पहली पारी में 108 रन बनाने के लिए लखन पटेल को दिया गया।

पुरस्कार मैच के ऑब्जर्वर अनिल दीक्षित और प्रदेश चयनकर्ता सचिन धौलपुरे के द्वारा प्रदान किया गया।

पुरस्कार वितरण समारोह में मैच के अंपायर हुए राहुल सातवस्कर और सुनील राजोरिया स्कोरर प्रखर जैन जबलपुर संभाग में क्रिकेट का संचालन करने वाली समिति के सदस्य अचल सिंह गौर मनोज ठाकुर नितिन पांडे तथा विष्णु पटेल और राजेंद्र पटेल उपस्थित थे।

इसके पहले पुरस्कार वितरण समारोह का संचालन अचल सिंह गौर ने किया।

मंत्री सिंह ने फीता काटकर कला वीथिका में प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने भंवरताल पार्क के पास स्थित हीरालाल राय कला वीथिका का फीता काटकर शुभारंभ किया। मां नर्मदा सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था द्वारा आयोजित कला संगम में जबलपुर सहित प्रदेश के अन्य जिलों से आये कलाकारों ने मूर्ति, चित्र एवं पोस्टोर प्रदर्शनी लगाई। इस अवसर पर मंत्री श्री सिंह ने कहा कि एक कलाकार बहुत भावुक होता है।

चित्र कला कलाकार की भावनाओं की प्रत्यक्ष अभिव्यिक्ति होती है। इस प्रकार की प्रदर्शनियों से लोगों की अपेक्षा होती है कि वे कलाकार की भावनाओं को समझें। उन्होंने कहा कि कला प्रदर्शनी में लगे सभी पेंटिंग बहुत सराहनीय है। इसके लिए उन्होंने सभी कलाकारों को बधाई व शुभकामनाएं दी। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मध्यनप्रदेश के सबसे बड़े फ्लाई ओव्हभर पूर्णत: की ओर है, जिसका लोकार्पण आने वाले समय में किया जायेगा।

उन्होंने अपेक्षा किया कि फ्लाई ओव्हर को लेकर नागपुर की तरह यहां भी कला प्रदर्शनी की जा सकती है। साथ ही अपेक्षा व्यक्त की कि इस प्रकार की कला प्रदर्शनी की श्रृंखला का प्रयास जारी रहे।

ये रहे मौजूद-इस अवसर पर विधायक रोहाणी ने भी कहा कि कलाकारों द्वारा निर्मित मूर्ति, चित्र एवं पोस्ट र के भावों को समझने की आवश्यककता है। वहीं श्री रत्नेश सोनकर ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान नगर निगम अध्येक्ष श्री रिकुंज विज, श्री पंकज दुबे, श्री अभय सिंह और संस्थाध के अध्यैक्ष तरूण दुबे आदि मौजूद थे।

मेडल पाकर यश नर्सरी के छात्रों के चेहरे खुशी से खिल उठे

जबलपुर, देशबन्धु। सालभर की मेहनत का परिणाम देखकर छात्रों के चेहरे खुशी से खिल उठे, जब उन्हें मिले गोल्ड, सिल्वर और ब्रान्ज मेडल अवसर था यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल अधारताल और यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल गोहलपुर के वार्षिक परीक्षा के परिणाम का यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल विगत 21 वर्षों से छात्रों को दे रहे है, बेहतरीन शिक्षा जिसके द्वारा प्रतिवर्ष की तरह ही इस वर्ष भी अलग अलग क्लासेज के टॉपर्स जिन्होंने 90 प्रतिशत से 95 प्रतिशत और उससे अधिक अंक अर्जित किए , इन सभी का उत्साहवर्धन करने और सम्मानित करने हेतु विद्यालय प्रबंधन द्वारा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को संस्था संचालक डॉ विजयकांत तिवारी, प्राचार्य अधारताल श्रीमती सोनल तिवारी, प्राचार्य गोहलपुर श्रीमती वर्षा झारिया द्वारा सम्मानित किया गया।

संचालक महोदय द्वारा सभी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को बधाई दी गई। इस वर्ष विद्यालय का वार्षिक परीक्षा गतवर्ष की तरह ही सर्वश्रेष्ठ रहा रहा।

ख़बर का असर

आधी सड़क में लगाई पट्टी

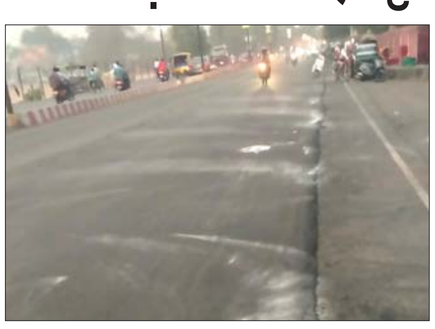

जबलपुर, देशबन्धु। 20 मार्च को देशबन्धु मे प्रकाशित ख़बर आधे आधे फुट के गड्ढे हुए सड़क मे पेंटीनका से एंपायर तक की सड़क मे बड़े बड़े गड्ढे हो गए थे। हालात ये थे कि गड्ढों मे सड़क ढूंढनी पड़ती थी , इस ख़बर के बाद, प्रशासन हरकत मे आया और आधी सड़क मे पट्टी लगा दी। चूंकि वाई एम सी ए से एम्पायर तक फ्लाई ओवर की घोषणा हो चुकी है, इसलिए सड़क नई नही बनाई जा सकती। लेकिन तब तक कोई दुर्घटना मे जान माल का नुकसान ना हो, इसलिए आधी सड़क मे पट्टी लगा दी।

आज 2 अप्रैल से बकाया करों की राशि होगी दो गुना

आगामी वित्तीय वर्ष में आने वाली लोक अदालत में बकाया राशि पर करदाताओं को नहीं मिलेगी छूट

जबलपुर, देशबन्धु। वर्तमान वित्तीय वर्ष में राजस्व के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए नगर निगम द्वारा राजस्व वसूली अभियान चलाया जा रहा था ,जिसके अंतर्गत करदाताओं से सम्पत्तिकर, जलकर, के साथ-साथ डोर टू डोर कचरा कलेक्शन शुल्क जमा कराया गया।

आयुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने बताया कि करदाताओं के पास बकाया करों की राशि जमा करने के लिए एक दिन और दिया गया था। उसकी अवधि 1 अप्रेल को समाप्त हो गई।

उन्होंने कहा कि अब 2 अप्रैल से राशि दो गुना हो जायेगी जिसमें आने वाली लोक अदालत में भी राहत नहीं मिलेगी।31 मार्च को लगभग 12 हजार लोगों ने करीब 9 करोड़ रुपए जमा हुए। तथा 31 मार्च तक 254 करोड़ रूपए जमा हुए, जो की 270 करोड़ के लक्ष्य से 26 करोड़ पीछे है, अभी इस आंकड़े मे 1 अप्रेल को जमा हुआ टैक्स जोड़ना बाकी है।

जनसुनवाई में आये 103 आवेदन

जबलपुर, देशबन्धु। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आज अपर कलेक्टर श्री नाथूराम गोंड और अन्य् अधिकारियों को शहरी और ग्रामीण क्षेत्र से आये लोगों ने अपने विभिन्न समस्याओं को लेकर 103 आवेदन दिये। जिसमें 77 नये आवेदन हैं तथा 26 ऐसे आवेदन है जो पूर्व में भी आ चुके थे। जनसुनवाई में आये ज्यादातर नामांतरण, बंटवारा, अतिक्रमण, लाड़ली बहना के पैसे दिलाने, छात्रवृत्ति भुगतान, स्कूल से टीसी दिलाने, पानी, नाली सफाई, आर्थिक सहायता, पीएम किसान योजना में नाम जोड़ने, अभिलेख दुरूस्त करने, किसान सम्मान निधि की राशि दिलाने, शिक्षा, समग्र आईडी, चिकित्सा, सहायता, पेंशन, संबल राशि दिलाने, आवास योजना का लाभ दिलाने, बीपीएल कार्ड बनवाने आदि से संबंधित आवेदन थे। इस दौरान अपर कलेक्टंर श्री गोंड ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित कि लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता में लेकर निराकरण करें।

40 दिन बाद भी नही मिली पी एम रिपोर्ट

जबलपुर, देशबन्धु। मामला थाना गोसलपुर निवासी योगेश असाटी पिता गणेश प्रसाद असाटी, गांधीग्राम गोसलपुर, तहसील सिहोरा,जिला जबलपुर , का है, योगेश के पिता ने 20 फरवरी 2025 को सल्फास खाकर आत्महत्या कर ली है, इस बात की सूचना योगेश के चाचा ने फोन पर दी। उस दिन से योगेश थाने मे पी एम रिपोर्ट के लिए थाने के चक्कर लगा रहा है, लेकिन आज तक थाने वाले यही कह रहे हैं, की अभी पी एम रिपोर्ट नही आई।

योगेश का बड़ा भाई उसके साथ भी झगड़ा और मारपीट करने लगा जिसकी एफ आई आर के लिए योगेश संबंधित थाने गया, जहां योगेश पर ही एफ आई आर दर्ज कर दी थाने वालों ने। आज जब योगेश मेडिकल कालेज की लैब मे गया तो वहां उसे बताया गया की मृत्य मेट्रो हॉस्पिटल मे हुई, जो कि गोहलपुर थाने मे आता है, इसलिए पी एम रिपोर्ट गोहलपुर थाने मे, 20 पहले ही भेजी जा चुकी है, चूंकि गोसलपुर थाने से कोई आया ही नहीं, इसलिए रिपोर्ट किसे दें।

साहित्य सेवा का सम्मान किया गया

जबलपुर, देशबन्धु। साहित्य के लिए समर्पित शब्दरथ के तत्वाधान में 31 मार्च को श्री जानकीरमण महाविद्यालय में शब्दशिल्पी इंजी. विनोद नयन के मार्गदर्शन में वरिष्ठ साहित्यकार मोहन शशि ,उर्दू,हिंदी एवं बुंदेली के शाइर राज सागरी एवं वरिष्ठ शाइर डॉ.मकबूल अली कादरी को साहित्य सेवा के लिए शाल श्रीफल मान पत्र से सम्मानित किया गया इस आयोजन में प्रसंग अंतरराष्ट्रीय मंच, मंच दीप एवं श्री जानकी रमण महाविद्यालय की सहभागिता रही। जिसमें मुख्य अतिथि शरद भाई पालन अध्यक्ष आचार्य भगवत दुबे, सारस्वत अतिथि संदीप जैन, विशिष्ट अतिथि यशोवर्धन पाठक, डॉ अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, अशोक मनोध्याय, अभिमन्यु जैन रहे। अतिथि विद्वानों ने कहा सकारात्मक साहित्य सेवा के लिए जिन्हें हम सम्मानित कर रहे हैं साहित्य जगत में उनका अभूतपूर्व योगदान है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता ।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रख्यात कवयित्री डॉ.रानू रूही की सरस्वती वंदना से हुआ, सम्मान समारोह के साथ, गीत संगीत का शानदार आयोजन हुआ , जिसमें राज भट्ट, श्रीमती अंजना सक्सेना, प्रशांत पाठक, संजय मिश्रा एवं श्रीमती आशा विश्वकर्मा की शानदार प्रस्तुति रही, हास्य व्यंग सम्राट के.के नायकर एवं बलराम वर्मा की प्रस्तुतियों पर श्रौताओं ने खूब हंसी के ठहाके लगाए। इसी तारतम्य में विराट काव्य संध्या का भी आयोजन किया गया जिसमें नगर के लगभग 50 रचनाकारों ने अपनी शानदार रचनाओं की प्रस्तुति दी जिसकी अध्यक्षता श्रीमती निर्मला तिवारी, मुख्य अतिथि, भगत दुबे दीप ने की, विशिष्ट अतिथि डॉ.अंबर प्रियदर्शी रही, वरिष्ठ रचनाकारों में श्रीमती मीना भट्ट, श्रीमती कृष्णा राजपूत, श्रीमती तरुणा खरे उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन शब्दशिल्पी इंजी.विनोद नयन, संस्थापक डॉ. विनीता पाण्डेय विनीत, डॉ. मुकुल तिवारी, श्रीमती विनीता पैगवार विधि, श्रीमती अर्चना द्विवेदी गुदालू ने किया।

संस्कृत महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बी.ए. और एम.ए. की परीक्षा में टॉप 10 में लहराया परचम

जबलपुर, देशबन्धु। नगर निगम द्वारा महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' के कुशल मार्गदर्शन में संचालित पं. लोकनाथ शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने शास्त्री (बी.ए.), आचार्य (एम.ए.) की परीक्षा में प्रदेश के प्रवीण्य सूची के टॉप 10 में स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय और जबलपुर में ही नहीं पूरे मध्यप्रदेश में परचम फहराया है। इससे जबलपुर गौरवांवित हुआ है। इसके लिए महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज, सभी एम.आई.सी. सदस्यों, पार्षदगणों, एवं निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने संस्कृत महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएँ एवं बधाईयाँ दी है। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कहा कि निश्चित रूप से नगर निगम के लोकनाथ शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर विद्यालय का मान ब?ाया है इसमें शिक्षा अधिकारी श्रीमती बीना वर्गीस, तथा प्राचार्य डॉ. नर्मदा प्रसाद शर्मा, एवं आचार्य परिवार से अजय शुक्ला, श्रीमती सपना बाथरे, श्रीमती शिखा भांगरे आदि का भी उल्लेखनीय योगदान रहा है।

प्राचार्य श्री शर्मा ने बताया कि नगर निगम द्वारा संचालित पं. लोकनाथ शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय गोविन्दगंज, जबलपुर, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन से सम्बद्ध जहाँ से शास्त्री (बी.ए.), आचार्य (एम.ए.) की परीक्षा संचालित की जाती हैं, जिसमें शास्त्री कक्षा से बॉकेबिहारी तिवारी ने प्रावीण्य सूची में (सम्पूर्ण मध्यप्रदेश) आठवाँ स्थान अर्जित किया है। आचार्य कक्षा में आनन्द दीप त्रिपाठी ने प्रावीण्य सूची में (सम्पूर्ण मध्यप्रदेश) प्रथम स्थान, सूरज पाण्डेय ने द्वितीय, विवेक कुमार तिवारी एवं रोहित बिल्थरे ने प्रावीण्य सूची में तृतीय स्थान प्राप्त किया है, साथ ही प्रावीण्यता के क्रम में आलोक कुमार मिश्रा, प्रतिभा सोनी, संजय तिवारी, संदीप मिश्रा, बालकृष्ण पाण्डेय, राहुल दुबे, राजेश कुमार तिवारी, सौरभ पाठक ने प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त किया।

जनसुनवाई में प्राप्त हुए 13 प्रकरण- निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के निर्देशानुसार अपर आयुक्त आर.पी. मिश्रा एवं सहायक आयुक्त वेदप्रकाश ने जनसुनवाई कक्ष में आज दिनांक 01 अप्रैल 2025 को प्रात: 11:00 बजे से 01:00 बजे तक नागरिकों की समस्याएँ सुनी।

इस दौरान भवन शाखा की 2, अतिक्रमण की 4, जलप्रदाय की 1, स्वास्थ्य की 1, स्थापना की 1, भवन/कॉलोनी सेल की 2 एवं 2 लोककर्म विभाग से संबंधित कुल 13 जनसमस्याएँ प्राप्त हुई, जिसका निराकरण सुनवाई के दौरान ही किया गया। अपर अयुक्त आर.पी. मिश्रा एवं सहायक आयुक्त वेदप्रकाश ने बताया कि सभी प्राप्त शिकायतें संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द निराकरण हेतु प्रेषित की गयी हैं।

भगवान झूलेलाल जी के अवतरण दिवस चेटीचंड पर निकली विशाल शोभा यात्रा

आयोलाल झूलेलाल के जय घोष से गूंजा नगर

जबलपुर, देशबन्धु। भगवान झूलेलाल जी के अवतरण दिवस चेटीचंड महोत्सव के पावन अवसर पर विशाल शोभायात्रा निकली श्री झूलेलाल मंदिर से प्रारम्भ हो कर गलगला, मुकदमगंज, तुलाराम चोक, करमचंद चोक, कॉफ़ी हाउस रोड, बड़ी ओमती, घंटाघर, सिंधु भवन मे समापन हुई जिसमे भगवान श्री झूलेलाल जी बैलगाड़ी मे, पूज्य ज्योति, बैंड दल, धमाल पार्टी, मुख्य रूप से महिला सशक्तिकरण, मोबाइल डिजिटल ड्रग से विखारते परिवार, भगवान झूलेलाल, माँ भगवती, शिव परिवार आकर्षक का कैन्द्र थे। यात्रा मे 15 झाकिया शामिल हुई।

यात्रा मे स्वामी प्रदीप महाराज, पंडित वेदांत शर्मा, राकेश सिंह कैबिनेट मंत्री, अशोक ईश्वरदास रोहणीजी, भा.जापा.अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, करतार सिंह बठेजा, अंचल सोनकर सोनू बचवानी द्वारा हरी झंडे दी गई! जिसमे बैंड दल, धमाल पार्टी, दुल्दुल घोड़ी, अनेक झाकिया निकाली गई। हजारों की संख्या मे सिंधी समाज शामिल हुआ तत्पश्चात विशाल भंडारा सिंधु भवन मे किया गया यात्रा मे समिति के मोतीलाल पा रवानी उद्धवदास पारवानी, दिलीप तलरेजा, राम आहूजा, कैलाश वासवानी, रमेश आहूजा, राम आहूजा, माधवदास कुंदवानी,

अर्जुन पुरसवानी, विजय कुंगानी, सतपाल दरयानी, रतन वछनी, गोविन्द हीरानी, सुरेश असवानी, सुधीर भगचंदौनी, रितेशमोटवानी प्रकाश आहूजा विकास नोतनानी, निक कुंवादनी, त्रिलोक वासवानी सोनू लालवानी, धर्मेन्द्र मंगलानी, पप्पू जय भोले, रोशन रामचंदनी, अनिल रोहरा, महेश पुरष्वाणी, हरीश आहूजा, ने सभी उपस्थित थे

दार्जिलिंग के एडवेंचर प्रोग्राम से जुड़ेंगे

जबलपुर, देशबन्धु। पमरे स्काउट एंड गाइड जबलपुर मंडल के 4 रोवर्स दार्जिलिंग में होने वाले पांच दिवसीय एडवेंचर प्रोग्राम का हिस्सा बनने के लिए मंगलवार को रवाना हुए। इस दल में रोवर पीयूष कुमार कतिया, अर्जित कोरी, कनिष्क कुमार कुशवाहा, नीरज कुमार पटेल शामिल हैं। शिविर में रोवर्स एडवेंचर्स एक्टिविटी के साथ सीमित संसाधनों में जीवन यापन की कला सीखेंगे। रवाना टीम का संयोजन अपर मंडल रेल प्रबंधक सुनील टेलर, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सुबोध विश्वकर्मा, मंडल सिंगल एवं दूरसंचार इंजी. राजश्री द्विवेदी, सहायक कार्मिक अधिकारी सच्चिपति नंदन, जिला सचिव अनिल चौबे, संजीव तिवारी, विमलेश तिवारी, राहुल कश्यप का सहयोग रहा।

श्रीराम और हनुमान के बाल रूपों की सजीव झांकी होगी आकर्षण का केंद्र

जबलपुर, देशबन्धु। श्री सनातन धर्म महासभा के तत्वावधान में आगामी 6 अप्रैल को सांयकाल 6 बजे निकलने वाली श्री राम प्राकट्योत्सव शोभा यात्रा में इस वर्ष राम और हनुमान के बाल रूपों की सजीव झांकी निकाली जाएगी। यह निर्णय आज श्री राम मन्दिर मदन महल में जगतगुरू डॉ स्वामी नरसिंहदेवाचार्य जी महाराज के सानिध्य में आयोजित अंतिम बैठक में लिया गया। भगवान श्री राम का सुशोभित स्वरूप में जन जन को दर्शन कराना ही शोभायात्रा का मूल उद्देश्य है। राम राष्ट्र के प्राणाधार है। आध्यात्मिक सांस्कृतिक धार्मिक चेतना का जागरण करने ही सनातन धर्म महासभा जबलपुर विगत 46 वर्षों से लगातार रामनवमी पर सनातनी संस्कृति को जबलपुर की सड़कों पर प्रर्दशित करती हैं। महासभा के अध्यक्ष श्याम साहनी, अशोक मनोध्या, गुलशन माखीजा, सुनीता चावला, कुसुम चौबे ने बताया इस वर्ष मातृ शक्ति पिंक वस्त्रों में वृहद संख्या में चलेंगी। श्रीराम मंदिर मदन महल, श्रीकृष्ण मंदिर गोरखपुर, श्री गोविन्दगंज रामलीला समिति मिलौनीगंज, श्री सनातन कृष्ण मंदिर छोटी ओमती, झूलेलाल मंदिर, जयश्री कृष्ण सभा बाई का बगीचा, गोपाल मंदिर घमापुर, जगदीश मंदिर गढाफाटक, रामलीला समिति गढ़ा, अखिल गायत्री परिवार जबलपुर, नरसिंह मंदिर गीता धाम की झांकियां शोभायात्रा में शामिल रहेंगी।

इस अवसर पर मनोज शर्मा प्रवेश खेड़ा, लोकराम कोरी, रमेश शर्मा, विष्णु पटेल, विध्येश भांपकर, जतिन नारंग, गीता पांडे, जगदीश साहू ,के के बस्सी लोकराम कोरी, नंदकिशोर अग्रवाल ,रामजी अग्रवाल, विजय सरावगी, रोशन ठाकुर राहुल सहगल, दामोदर भाई चौहान, अनिल चंडोक, सुभाष खत्री, विजय मिश्रा, राजकिशोर पाठक, देशराज कनौजिया, संजय दुबे, जेपी शर्मा, रामावतार द्विवेदी, अजय ताम्रकार विजय शंकर मिश्रा उपस्थित रहे।

स्वच्छता कार्य से जागेगी पर्यावरण संरक्षण की अलख

जबलपुर, देशबन्धु। स्वच्छता का संकल्प लेकर स्वयंसेवकों ने सेवाकार्य किया। उन्होंने ना सिर्फ विश्वविद्यालय परिसर को स्वच्छ बनाया, बल्कि शहर के अन्य क्षेत्रों में स्वच्छता की अलख जगाने का संकल्प लिया। स्वच्छता ही सेवा है थीम के साथ रानी दुर्गावती विवि की एनएसएस ईकाई के तत्वावधान में स्वच्छता कार्यशाला एवं जागरुकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के चलते आयोजन में वॉलेन्टियर्स ने पचपेढ़ी, सिविल लाइन, सरस्वती विहार, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय एवं आसपास के एरिया में जागरुकता रैली निकाली।

पर्यावरण का संरक्षण सभी का दायित्व- आयोजन में रादुविवि कुलपति प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने कहा कि स्वच्छता अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह व्यक्तियों के साथ पर्यावरण के लिए भी आवश्यक है। संयोजक एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शोभाराम मेहरा ने स्वयंसेवकों को स्वच्छता और सफाई रखने की शपथ दिलवाई।

स्वच्छ्ता कार्यशाला कार्यक्रम के दौरान टिंबर एसोसिएशन संगठन के अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल, वन विभाग से एसडीओ प्रमोद श्रीवास्तव, डॉ. देवांशु गौतम, अरविंद कुमार लोधी, अमित शिवहरे, सुयश श्रीवास्तव, आंचल मिश्रा, छवि त्रिपाठी, अनुश्री श्रीवास्तव, साहिल श्रीवास्तव, राघव यादव, संजना विश्वकर्मा का सहयोग रहा।

ऑटिस्टिक स्टूडेंट्स ने जीते मेडल्स

जबलपुर, देशबन्धु। दिल्ली में हुई नेशनल लेवल लॉन बॉल दिव्यांगजन प्रतियोगिता शहर के दो स्पोर्ट्स प्लेयर्स ने कमाल दिखाया। संस्कारधानी क्रीड़ा केन्द्र के खिलाड़ी राघव वर्मा ने रजत पदक और ईशान गुप्ता ने कांस्य पदक प्रतियोगिता में हासिल किया। शहर लौटने पर खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। इस मौके पर लॉन बॉल एसोसिएशन मध्य प्रदेश के महासचिव राम किशोर सोनी, क्रीड़ा भारती एमपी सीजी संयोजक अनंत डीके, प्रकाश विश्पुते, क्रीडा भारती विभाग संयोजक, चेयरपर्सन विलियम डायस, अध्यक्ष डॉ. मधुलिका त्रिपाठी, बुशरा खान, अमर कदंब मौजूद थे।

अखंड ज्योति कलश पूजन

जबलपुर। बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ में चैत्र नवरात्रि महापर्व पर भक्तों द्वारा अखंड ज्योति कलश पूजन एवं ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी महाराज द्वारा किया जा रहा माता का विशेष पूजन श्रृंगार पंचमी के पावन दिन पर ब्रह्मचारी सुबुद्धानंद जी के सानिध्य में माता बगलामुखी की होगी पंच महाआरती बीके पटेल तुलसी अवस्थी मनोज सेन नरेंद्र चतुर्वेदी प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

सेवाकार्य के लिए अलंकृत हुईं महिलाएं

अखिल भारत वर्षीय दिगम्बर जैन महिला परिषद्

जबलपुर, देशबन्धु। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद् का अलंकरण एवं सम्मान समारोह आयोजित हुआ। आयोजन में सभी केन्द्रीय, प्रांतीय, संभागीय अध्यक्ष एवं संभागसचिव का सम्मान किया गया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विमला जैन जी को रतन गर्भा अलंकरण, सुंदरी संभाग अध्यक्ष मौली जैन, सचिव स्वाति जैन, चन्दना संभाग अध्यक्ष संध्या कौशल, सचिव श्वेता मोदी, चेलना संभाग अध्यक्ष सविता जैन, सचिव रेशमा चौधरी, मनोरमा संभाग की स्नेह लता, सचिव सीमा जैन का सम्मान किया गया।

दैनिक राशिफल

बुधवार 02 अप्रैल 2025 का पंचांग विक्रम संवत् 2082, शक संवत 1946 हिजरी 1445। चैत्र शुक्ल पक्ष की पंचमी नक्षत्र-कृतिका।

मेष — आज मन व्याकुल रहेगा और शरीर में आलस्य छाया रहेगा। स्वास्थ्य कुछ नरम-गरम हो सकता है। काम में सफलता देर से मिलेगी।

वृषभ — सरकार विरोधी काम और एक्टिविटी से दूर रहने की सलाह आपको दी जाती है। नए काम की शुरुआत ना करें। स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है।

मिथुन — आज का दिन सुख और शांतिपूर्वक गुजार सकेंगे। दैनिक कामों में कुछ ज्यादा ही व्यस्त रह सकते हैं। मन को प्रसन्न रखने के लिए आप मनोरंजन का सहारा लेंगे।

क- 460-356

कर्क — व्यवसाय स्थल पर वातावरण अनुकूल रहेगा। मायके से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। पारिवारिक वातावरण भी अनुकूल रहेगा। विरोधियों को लाभ प्राप्त नहीं हो पाएगा।

सिंह — प्रणय प्रसंग के लिए आज का दिन अनुकूल है। फिर भी गुस्से पर संयम रखें। पेट से संबंधित रोगों से कोई कष्ट हो सकता है। दोपहर के बाद परिवार में आनंद और उल्लास का वातावरण रहेगा।

कन्या — आज शारीरिक ताजगी का आपमें अभाव रहेगा। किसी बात की चिंता से काम में मन नहीं लगेगा। धनहानि होने की आशंका है।

तुला — नए काम की शुरुआत करने के लिए दिन अच्छा है। प्रिय व्यक्ति के साथ हुई मुलाकात आनंददायी रहेगी।

वृश्चिक — निर्धारित काम न होने के कारण हताशा का अनुभव होगा। किसी भी महत्वपूर्ण काम का डिसीजन आज ना लें। पारिवारिक वातावरण में क्लेश रहेगा।

धनु — आज का दिन आप के लिए शुभ फलदायी है। आज भाग्य आपका साथ देगा और आर्थिक रूप से आपको फायदा होगा। शारीरिक और मानसिक रूप से आप उत्साही तथा प्रफुल्लित बने रहेंगे।

मकर — कोर्ट कचहरी के मामलों से आज दूर रहें। मन में किसी बात को लेकर आज चिंता रह सकती है। आपके नकारात्मक विचार काम पर सीधा प्रभाव डालेंगे।

कुंभ — आज के दिन की शुरुआत लाभदायी है। सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में आप प्रगति करेंगे। किसी नए व्यक्ति से रिश्ता बन सकता है।

मीन — आपके विचारों में आज दृढ़ता अधिक नहीं होगी। व्यापार में भागीदारी के काम से लाभ होगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं।

म. 126-289

1,3,5,6,10,31,57,62,26,30,55,60

पुरातन परंपराओं के साथ ही होंगे हनुमानताल में जवारे विसर्जन, विधायक पांडे ने दिये निर्देश

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर उत्तर मध्य विधानसभा अंतर्गत हनुमानताल तालाब में होने वाले जवारे विसर्जन एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रमों के विषय में तैयारियों को लेकर विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने नगर निगम, पुलिस प्रशासन, मां बड़ी खेरमाई, मां बूढ़ी खेरमाई ट्रस्ट और समितियों के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ बैठक करके विसर्जन की तैयारियों की रूपरेखा तैयार की।

इस दौरान विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने बताया कि हनुमानताल जो कि शहर की ऐतिहासिक धरोहर तो है ही तथा साथ ही विभिन्न धार्मिक आयोजनों में भी अपना विशेष महत्व रखता है इसलिए जवारे विसर्जन को लेकर उसे मैं स्पष्ट करता हूं कि जवारे तो अपनी नियत परम्पराओं के अनुसार हनुमानताल में ही विसर्जित होंगे। इसके लिए हम पूरी तैयारी कर रहे हैं तीन अलग अलग स्थानों पर कुंड बनाए जा रहे हैं और उन कुंडों में जल की व्यवस्था करेंगे पुरानी मान्यताएं के अनुसार जो जिस घाट में जवारा विसर्जन करता है वो वहीं करेगा उसकी व्यवस्था कराई जा रही है कुंडों में हम नर्मदा जल और गंगा जल की व्यवस्था कर रहे हैं और उनमें ही जवारे का विसर्जन किया जायेगा। ये हमारी सनातनी परंपराएं और मान्यताएं हैं उनका पूर्ण रूप से पालन किया जायेगा। हनुमानताल का विकास और उन्नयन का कार्य हमारे द्वारा अभी करवाया जा रहा है जिसके बाद ये ऐतिहासिक धरोहर अपने आप में विकास और विरासत की एक दर्शनीय धरोहर के रूप में और भी अच्छे स्वरुप में स्थापित होगी।

इनकी रही उपस्थिति- इस दौरान मंडल अध्यक्ष राहुल रजक, सी एस पी सुनील नेमा, थाना प्रभारी धीरज राज, एस डी एम संजय मिश्रा, डी. ओ. मोहित नगर, आचार्य रोहित दुबे, शशिकांत मिश्रा, दिलीप दुबे, मनीष शिवहरे, प्रदीप डियोडिया, पार्षद कविता रैकवार, सीताराम सेन, मुकेश रूसिया, सुबोध साहू, मनोज सेन, अजय तिवारी, अंकित पाठक ,विजय यादव, सनी सोनकर, अनिल पाल, राजकुमार पटेल, राज भटनागर मौजूद थे।

प्रतियोगी परीक्षाओं का तैयार होगा बेस

जबलपुर, देशबन्धु। श्रीजानकीरमण कॉलेज में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कक्षाओं की शुरुआत हुई। इसी कड़ी में शिक्षाविद दुलीचंद पालन का स्मृति समारोह भी हुआ। मुख्य अतिथि शरदचंद पालन, अध्यक्ष शासी निकाय थे। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी ने की। विशिष्ट अतिथि संदीप जैन, अभिमन्यु जैन, राज सागरी, अशोक जैन, यूएस दुबे थे। आयोजन में डॉ. आनंद सिंह राणा, डॉ. गंगाधर त्रिपाठी, अजय मिश्रा, मुकेश श्रीवास्तव, संजय पांडे, अनिकेत नामदेव, शिखा शर्मा, राखी वाजपेयी मौजूद रहीं।

शाला में मनाया गया प्रवेश उत्सव

जबलपुर, देशबन्धु। जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रांताध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया की आज शासकीय माध्यमिक शाला पश्चिमी करियापाथर स्कूल में प्रवेश उत्सव शाला की प्रधान अध्यापिका छाया जैन की अध्यक्षता एवं बी.आर.सी आशीष श्रीवास्तव के मुख्यआतिथ्य में मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम बच्चों को तिलक लगाकर मिष्ठान वितरित कर उन्हें शासन द्वारा दी गई निःशुल्क पुस्तक वितरित की गई। इस अवसर पर रॉबर्ट मार्टिन, हरिश्चंद्र वर्मा, मोनिका सोनी, रामशंकर श्रृंगी, ममता श्रीवास्तव, पूजा सोनकर, के रत्नाकर, पदमा मालवीय, सीमा तिवारी, रिक्ता जेकब, अमिता केसरवानी, वंदना विश्वकर्मा, शबनम कुरेशी, राधा सोनकर, फरजाना बानो, रश्मि गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्री डोमाजी लोखंडे- पुष्पक नगर अधारताल निवासी श्री डोमाजी लोखंडे (95) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती गीता बर्मन- कैलाशपुरी गुप्तेश्वर निवासी श्री राजू बर्मन की धर्मपत्नी श्रीमती गीता बर्मन (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री लोकराम केवट- लाल कुआं पोलीपाथर निवासी श्री लोकराम केवट (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती गिरनिया- गोरखपुर निवासी श्री शंकर लाल की धर्मपत्नी श्रीमती गिरनिया (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती आशा बाई- सदर निवासी श्री सीताराम की धर्मपत्नी श्रीमती आशा बाई (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कलावती दुबे- पाठक गली छोटा फुहारा निवासी श्री रमेश कुमार दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती कलावती दुबे (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुषमा कनौजिया- रांझी बर्फ फैक्ट्री के पीछे निवासी श्री दिलीप कनौजिया की धर्मपत्नी श्रीमती सुषमा कनौजिया (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कमला बाई डुमार- पुलिस क्वाटर्स बेलबाग निवासी श्रीमती कमला बाई डुमार (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री जग मोहन- कटरा अधारताल निवासी श्री जग मोहन (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती अनु सिंगोतिया- प्रेमनगर मदनमहल निवासी श्री हरिशंकर सिगोतिया की धर्मपत्नी श्रीमती अनु सिंगोतिया का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री घनश्याम- हैलटगंज सदर निवासी श्री घनश्याम (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विक्की सचदेवा- भरतीपुर चर्च के पीछे निवासी श्री प्रकाश चंद सचदेवा के पुत्र श्री विक्की सचदेवा (34) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राजेंद्र श्रीवास्तव- आरसी काम्पलेक्स चेरीताल निवासी श्री राजेंद्र श्रीवास्तव (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

नशे में पुलिस कर्मियों ने की मारपीट और बना दिया झूठा प्रकरण!

युवक अधिवक्ताओं के साथ हुई अभद्रता से वकीलों में आक्रोश, एसपी से की कार्यवाही की मांग

जबलपुर,देशबन्धु। तिलवारा थाना क्षेत्र में विगत दिवस अधिवक्ता पारस जैन व उनके साथियों के साथ डायल-100 के पुलिस कर्मियों द्वारा अभद्रता कर मारपीट कर उल्टा प्रकरण दर्ज किये जाने से अधिवक्ताओं में आक्रोश है।

पीड़ित अधिवक्ता व छात्रों का आरोप है कि वह नर्मदा दर्शन अस्पताल से अपने परिचित को देखकर लौट रहे थे, तभी मेडिकल कॉलेज के गेट के सामने पहुंचे पुलिस कर्मी जो कि शराब के नशे में थे, उनके साथ मारपीट की उसके बाद उन्हीं के खिलाफ थाने में झूठा प्रकरण दर्ज करा दिया। मंगलवार को हाईकोर्ट बार व जिला बार एसोसियेशन के साथ सैकड़ों अधिवक्ताओं ने एसपी सम्पत उपाध्याय से मुलाकात कर मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पुलिस कर्मियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग की है। एसपी नाम दी शिकायत में पीड़ित अधिवक्ता पारस जैन, छात्र मोक्ष जैन, हर्ष ठाकुर, व देव जयसवाल ने बताया कि 28 व 29 मार्च की दरम्यिानी रात वह नर्मदा दर्शन कर अपेक्स अस्पताल में भर्ती रिश्तेदार शशि जैन का हालचाल जानकार वापस अपने घर लौट रहे थे। मेडिकल गेट के पास वह चाय पीने रूके उसी दौरान तिलवारा पुलिस की 100 डायल में पदस्थ आरक्षक वीरेन्द्र यादव, राहुल सोंधिया, महेन्द्र पटेल व वाहन चालक पहुंचे, जो कि उनके साथ अभद्रता करने लगे। आरोप है कि चारों पुलिस कर्मी शराब के नशे में धुत्त थे।

जैसे ही पुलिस कर्मियों ने गालीगलौज करते हुए उनके साथ मारपीट की तो वह अपनी मोटर साइकिल से भागे, जैन मंदिर के पास 100-डायल के चालक ने उनकी बाईक सामने अपना वाहन अड़ा दिया। इसके बाद सभी पुलिस कर्मियों ने उनके साथ मारपीट की, इतना ही नहीं जब पीड़ित ने वकील होने का हवाला दिया तो पुलिस कर्मी उन्हें अपने साथ थाने ले गये, जहां उन्होंने खुद की वर्दी फाड़ ली, इसके बाद उनके साथ मारपीट करते हुए उन्हें टार्चर किया गया। इतना ही नहीं जो वीडियों रिकार्डिंग उन्होंने अपने मोबाईलों पर की थी, उसे भी डिलीट करा दिया।

युवा अधिवक्ता व उसके साथियों के साथ पुलिस कर्मियों द्वारा की गई बर्बरता पूर्ण रवैये को लेकर मंगलवार को हाईकोर्ट बार के सचिव परितोष त्रिवेदी, जिला बार एसोसियेशन के अध्यक्ष मनीष मिश्रा सहित अन्य अधिवक्तागण पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने एसपी सम्पत उपाध्याय से मुलाकात कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी और दोषी पुलिस कर्मियों पर सख्त कार्यवाही की मांग की।

वीडियों फुटेज किये जाये सुरक्षित

पीड़ित पक्ष ने एसपी श्री उपाध्याय से घटना दिनांक स्थल व थाने के सीसीटीव्ही फुटेज सुरक्षित कर उनकी जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग की है। एसपी श्री उपाध्याय ने अधिवक्ताओं को निष्पक्ष जांच कर उचित कार्यवाही का आश्वासन् दिया है।

शराब के लिये रुपये न देने पर मारपीट, तोडफ़ोड़

मेडिकल कॉलेज के सामने पान दुकान में वारदात

जबलपुर,देशबन्धु। गढ़ा थानातंर्गत मेडिकल कालेज के सामने पान दुकान चलाने वाले युवक से दो असमाजिक तत्वों ने शराब पीने के लिये रुपयों की मांग की, इतना ही नहीं रुपये न देने पर आरोपियों ने युवक के साथ जमकर मारपीट करते हुए उसकी पान दुकान में तोड़फ़ोड़ कर दी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

पुलिस ने बताया कि संजीवनी नगर लाल बिल्डिंग के समीप निवासी 19 वर्षीय नितिन चौरसिया मेडिकल कालेज गेट के सामने पान की दुकान चलाता है। बीती रात करीब सवा आठ बजे जब वह दुकान पर था, उसी समय आशीष कोरी व वीरू गोस्वामी पहुंचे और शराब पीने के लिये एक हजार रुपये की मांग करने लगे। नितिन ने रुपये देने से मना किया तो दोनों ने गालीगलौज शुरु कर दी। नितिन के विरोध करने पर आशीष व वीरू ने मारपीट करते हुए उसकी पान दुकान में तोड़फ़ोड़ कर दी और मौके से भाग निकले। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

नर्मदा नदी में उतराते मिली क्षत-विक्षप्त लाश

ग्वारीघाट के जिलहरी घाट का मामला, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर,देशबन्धु। ग्वारीघाट थानातंर्गत जिलहरी घाट के नर्मदा नदी के पानी में एक क्षत-विक्षप्त लाश उतराते मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक के सिर पर कीड़े लगे हुए थे वहीं उसके वाये हाथ का पंजा गायब था।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए मामले को विवेचना में लिया है। पुलिस ने बताया कि पुराना रेलवे स्टेशन के सामने रहने वाले राजेश बर्मन ने बताया कि वह जिलहरी घाट गया था। जहां एक अज्ञात व्यक्ति का शव कुण्ड के पास क्षत विक्षप्त हालत में पड़ा मिला। जिसके सिर पर कीड़े लगे हुए थे, वहीं उसके बायें हाथ का पंजा गायब था। मृतक की उम्र करीब 50 वर्ष बतायी जा रहीं है। आशंका व्यक्त की जा रहीं है कि मृतक काफी समय पहले पानी में डूब गया होगा और मछलियों व अन्य जीवों ने उसके शव को नोंच डाला। बहरहाल पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

शराब के लिये रुपये न देने पर चाकू व ईंट से हमला

रांझी, गढ़ा व कोतवाली क्षेत्र में वारदात

जबलपुर,देशबन्धु। शराब के लिये रुपये न देने पर जहां रांझी क्षेत्र में एक असमाजिक तत्व ने एक युवक के सीने में चाकू घोंप दिया तो वहीं गढ़ा में युवक पर कड़े से हमला किया गया। तीसरी वारदात कोतवाली क्षेत्र में सामने आई जहां आरोपी ने रुपये न देने पर लस्सी वाले पर ईंट से हमला कर दिया। तीनों ही मामलों में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर उन्हें विवेचना में लिया है।

रांझी पुलिस ने बताया कि चंद्रमोहन नगर निवासी 21 वर्षीय करण सिंह परिहार पेंटिंग का काम करता है। शाम साढ़े चार बजे वह अपने घर से राशन का सामान लेने झण्डा चौक की ओर जा रहा था। मुंडी टोरिया कुंडा जलाशय के पास उसे रोहित मिश्रा मिला और शराब पीने के लिये पचास रुपये मांगने लगा। करण ने रुपये देने से मना किया तो रोहित ने चाकू से हमला कर उसके सीने में चोट पहुंचा दी। इसी प्रकार गढ़ा पुलिस ने बताया कि त्रिपुरी चौक कुम्हार मोहल्ला में अभिषेक उर्फ छोटू चक्रवती ने अपने बड़े पिता के लड़के से रुपयों की मांग करते हुए हाथ में पहने कड़े से हमला कर दिया। वहीं कोतवाली पुलिस ने बताया कि चेरीताल राजीवनगर निवासी 45 वर्षीय बसंत मालवीय शिवशंकर लस्सी भंडार के नाम से बेलबाग क्षेत्र में लस्सी का ठेला लगाता है। बीती देररात वह लस्सी बेचकर अपने घर जा रहा था। हरदौल मंदिर के पास उसे शरद यादव मिला, जो कि शराब पीने के लिये रुपयों की मांग करने लगा। बसंत के रुपये देने से मना करने पर शरद यादव ने ईंट का टुकड़ा उठाकर बसंत पर हमला कर दिया। जिससे उसके कंधे पर चोट आ गई। तीनों मामलों में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

नारकोटिक्स के अपराध में दो युवक दोषमुक्त

जबलपुर,देशबन्धु। पुलिस द्वारा नारकोटिक्स के अपराध में गिरफ्तार किये गये दो युवकों को न्यायालय ने साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त कर दिया है। प्रकरण के अनुसार सिहोरा पुलिस ने अंकुर गुप्ता उम्र 35 साल तथा संजय सोनी उम्र 33 साल को साल 2015 में दो किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोप-पत्र न्यायालय में पेष किया था। प्रकरण की सुनवाई के दौरान पाया गया कि स्वतंत्र गवाह के साक्ष्य अभियोजन के द्वारा नहीं कराये गये है। इसके अलावा जब्त कर्ता अधिकारी के परिसाक्ष्य में तात्विक विरोधाभास है। अभियुक्त जिस स्कूल का जा रहे थे,उसका उल्लेख मालखाना जमा पावती में नहीं है। विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट ने दो आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया। अभियुक्तों की तरफ से अधिवक्ता पी सी लोधी तथा अधिवक्ता संदीप जैन ने पैरवी की।

सूने मकान का ताला तोड़कर जेवर चुरा ले गये चोर

जबलपुर,देशबन्धु। अधारताल थानातंर्गत महाराजपुर श्रीधाम कालोनी के एक सूने घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर कीमती जेवर चुरा ले गये। पीड़ित परिवार जब वापस आया तो टूटे हुए ताले देखकर उनके होश उड़ गये। जिसके बाद मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज करायी गई।

पुलिस ने बताया कि श्रीधाम कालोनी निवासी 33 वर्षीय विवेक पांडे एआईएम एकेडमी जबलपुर में पढ़ाने का काम करते है। 28 मार्च की शाम चार बजे वह सपरिवार अपने पैतृक गांव अटरा जिला रीवा गये हुए थे। बीती देररात जब वह वापस लौटे तो उनके मकान के दरवाजे के ताले टूटे हुए थे और अंदर पूरा सामान बिखरा पड़ा था। आलमारी का लॉक भी टूटा हुआ था। जिसमें रखे सोने-चांदी के जेवर गायब थे। इतना ही नहीं उनके मम्मी-पापा के कमरे की आलमारी में भी रखे जेवर और नगदी गायब थी। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

कैरेव्ज डायरेक्टर द्वारा दुकान खाली करने हेतु डाला जा रहा अनावश्यक दबाव

जबलपुर,देशबन्धु। कैरेव्ज कंपाउंड की एक दुकान मे पिछ्ले 15 वर्षों से व्यवसाय कर रहे व्यवसाई को वहां के डायरेक्टर कभी मिशनरी के फायदे बतातें हैं, कभी मिशनरी आचरण की किताबें देते हैं, तथा उनकी बात ना मानने पर किराया दुगुना करने की बात करते हैं। मार्च तक पूरा किराया देने के बाद भी, डायरेक्टर ने किरायदार आशीष कुमार त्रिपाठी को दुकान खाली करने का आदेश दे दिया, यहां गौरतलब है किरायदार ऑफिस मे करीब दस लाख तक के कार्य करा चुका है। उक्त बात को आशीष कुमार त्रिपाठी ने देशबन्धु को बताया कि कैरेव्स डायरेक्टर उस पर परोक्ष रूप से धर्मांतरण का दबाव बना रहे हैं।

अज्ञात युवक की ट्रेन से कटकर मौत

जबलपुर,देशबन्धु। पनागर थाने में देवरी स्टेशन के प्वाइंटमेन संदीप चौबे ने सूचना दी। जिसमें उसने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति उम्र लगभग 30-32 वर्ष की देवरी-गोसलपुर रेल्वे डाउन ट्रेक पर ट्रेन से कट कर मृत्यु हो गयी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर शव को पीएम हेतु भिजवाते हुये मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

मेडिकल से गायब ई-रिक्शा गंगानगर में मिला, लेकिन बैटरी गायब

जबलपुर,देशबन्धु। गढ़ा थानातंर्गत मेडिकल के बच्चा वार्ड के सामने से गायब हुआ एक ई-रिक्शा चौबीस घंटे बाद गंगानगर के पास लावारिस हालत में मिला, लेकिन उसकी चारों बैटरियां गायब थी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। पुलिस ने बताया कि हनुमानताल बड़ी खेरमाई के समीप निवासी 28 वर्षीय मुनिराज रजक ने नंदनी बाल्मीक निवासी सर्वेन्ट क्वाटर गढ़ा से दस साल पहले प्रेम विवाह किया था। जिसके साले अभिषेक बाल्मीक ने वर्ष 2023 में लोन से एक ई-रिक्शा क्रमांक एमपी 20 जेडजी-5753 खरीदा था। मुनिराज के सात वर्षीय बेटे दिव्यांश के बीमार होने पर विगत 12 मार्च को वह अपना ई-रिक्शा लेकर मेडिकल कालेज के बच्चा वार्ड गया था, जहां अपना ई-रिक्शा खड़ा कर दिया था। कुछ देरबाद जब वह वापस आया तो उसका ई-रिक्शा गायब था।

पैथोलॉजी केन्द्रों में प्रयोग होने वाले केमिकल की मानक गुणवक्ता का निर्धारित नहीं

जिसके कारण नतीजे में आता है अंतर

जबलपुर,देशबन्धु। पैथोलॉजी केंद्रों में अमानक केमिकल प्रयुक्त किये जाने को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। याचिका की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेष कुमार कैथ तथा जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ से अनावेदको ने स्टेटस रिपोर्ट पेष करने समय प्रदान करने का आग्रह किया। युगलपीठ ने आग्रह को स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की गयी है।

जबलपुर निवासी अधिवक्ता अमिताभ गुप्ता की तरफ से साल 2015 में उक्त याचिका दायर की गयी थी। जिसमें कहा गया था कि पैथोलॉजी केंद्र में विभिन्न परीक्षणों के लिए केमिकल का उपयोग किया जाता है। परीक्षणों की शुद्धता के लिए यह अनिवार्य है कि कैमिकल उच्च यानि मानक गुणवत्ता के हों। इनके अभाव में परीक्षण रिपोर्ट की विश्वसनीयता कठघरे में चली जाती है। केमिकल की मानक गुणवत्ता निर्धारित करने साल 2009 में आयोग गठित किया गया था। एक दशक से अधिक का समय गुजर जाने के बावजूद भी मानक का निर्धारण नहीं किया गया है। नतीजतन पैथोलॉजी केन्द्रों में अमानक केमिकल से जांच होने पर अपेक्षाकृत विरोधाभासी रिपोर्ट सामने आती हैं। इसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ता है। पैथालाजी केंद्रों को एनएबीएल से सम्बद्धता लेनी होती है। मप्र में वर्ष 2017 की स्थिति में मात्र 17 पैथालाजी एनएबीएल से सम्बद्ध थीं। कालांतर में यह संख्या 17 से बढकर सिर्फ 49 हुई। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अभी कितनी बड़ी संख्या में असम्बद्ध पैथोलॉजी केंद्र संचालित हो रहे है। पिछली सुनवाई के दौरान युगलपीठ न मध्यप्रदेश राज्य एनएबीएल से मान्यता प्राप्त पैथोलॉजिकल प्रयोगशालाओं की सूची उपलब्ध कराने के निर्देष जारी किये थे। इसके अलावा पैथोलॉजिकल प्रयोगशालाओं को एनएबीएल से मान्यता प्रदान करने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी पेष करने के आदेश दिये थे। याचिका पर मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान युगलपीठ ने पूर्व में पारित आदेश पर रिपोर्ट पेष करने समय प्रदान किया है। याचिकाकर्ता ने अपना पक्ष स्वयं रखा।

नगर निगम से स्टेटस रिपोर्ट तलब

सैनिक सोसायटी के अतिक्रमणों का मामला

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने सैनिक सोसायटी अतिक्रमणों संबंधी मामले में नगर निगम से स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। जस्टिस एके सिंह की एकलपीठ ने मामले की अगली सुनवाई सात अप्रैल को निर्धारित की है।

मामले में याचिकाकर्ता सैनिक सोसायटी निवासी अधिवक्ता संजय सोनकर ने अपना पक्ष स्वयं रखा। उन्होंने दलील दी कि नगर निगम का रवैया टालमटोली वाला है। इस दौरान नगर निगम के अधिवक्ता ने सीमांकन रिपोर्ट की प्रति प्रस्तुत की। जिस पर न्यायालय ने स्पष्ट किया कि इस तरह प्रक्रिया का जिक्र करते रहने से बेहतर है कि कार्रवाई के संबंध में तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाये। मामले में आवेदक का कहना है कि उसने पांच जुलाई 2022 को सैनिक सोसायटी, बदनपुर स्थित मकान क्रय किया था। इस मकान का पूर्व मालिक सुनील सेन केंद्रीय कारागार में उम्रकैद की सजा काट रहा है। उस पर अपने पड़ोसी राजकुमार गौतम के अलावा अपने ही परिवार के छह सदस्यों की हत्या का आरोप लगा था। इस हत्याकांड के मूल में वही समस्या थी, जो विचाराधीन याचिका में उठाई गई है। दरअसल, सुनील अपनी कालोनी में पडोसियों के अतिक्रमण से बुरी तरह तंग आ गया था। उसने कई बार शिकायत की, लेकिन ठोस कार्रवाई नदारद रही। जब सड? व नाली आदि के अतिक्रमण नहीं हटे तो एक दिन सुनील ने आपा खो दिया और हत्याकांड को अंजाम दे दिया। यह मकान खरीदने के बाद से याचिकाकर्ता भी अतिक्रमणों को हटाए जाने की शिकायत करता चला आ रहा है। मामला हाईकोर्ट पहुंचने के बाद दिशा-निर्देश जारी किए गए। लेकिन नगर निगम अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा रहा है। इस वजह से वर्षों पुरानी समस्या व शिकायत यथावत बनी हुई है। सुनवाई पश्चात न्यायालय ने उक्त निर्देश दिये।

साइंस कालेज की जमीन पर एसटीपी निर्माण पर रोक

हाईकोर्ट ने यथास्थिति बनाये रखने के साथ ही अनावेदकों से मांगा जवाब

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय की प्रोफेसर कॉलोनी से लगी हुई जमीन पर बिना अनुमति नगर निगम द्वारा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) लगाये जाने को चुनौती देने वाले मामले को गंभीरता से लिया। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने मामले में यथास्थिति बनाये रखने के निर्देश देते हुए अनावेदकों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिये है।

यह जनहित याचिका शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय भूतपूर्व विद्यार्थी एवं प्राचार्य परिषद की ओर से दायर की गई है। जिनकी ओर से अधिवक्ता अजय पाल सिंह ने पक्ष रखा। जिन्होंने दलील दी कि सिविल लाईन स्थित साईंस कालेज की भूमि पर नगर निगम बगैर अनुमति के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निर्माण कर रहा है, जो कि अनुचित है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि उक्त प्लाट प्रोफेसर कालोनी से लगी हुई जमीन पर किया जा रहा है, जिसमें जिला प्रशासन भी सहमत है, जबकि उक्त प्लांट लगने से वहां निवासरत प्रोफेसर व अन्य कर्मियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इतना ही नहीं साइंस कॉलेज को उक्त जमीन पर अन्य निर्माण काय कराना है, ताकि कॉलेज के अध्ययनरत छात्रों को और बेहतर सुविधा उपलब्ध करायी जा सके, कालेज को जमीन की आवश्यकता है, इसके बावजूद भी प्रशासन मनमर्जी पर उतारू है। मामले में प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन विभाग, जबलपुर कलेक्टर, निगमायुक्त जबलपुर व साइंस कॉलेज के प्राचार्य को पक्षकार बनाया गया है। सुनवाई पश्चात न्यायालय ने यथास्थिति के निर्देश देते हुए अनावेदकों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिये है।

बताओ मस्जिद पर जाने से क्यों रोका जा रहा है?

रक्षा मंत्रालय सहित आर्मी अधिकारियों नोटिस, शपथ पत्र पर मांगा जवाब

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका के जरिए आरोप लगाया गया है कि सौ साल पुरानी नूर मस्जिद पर नमाज अदा करने से उन्हें कर्नल द्वारा रोका गया है। जबकि दावा किया गया कि उक्त स्थान के आसपास के चर्च और मंदिरों में लोगों को जाने से नहीं रोका जाता। उक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने सचिव रक्षा मंत्रालय, कैंटोनमेंट बोर्ड, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ, आर्मी हेड क्वार्टर, जनरल आफिसर कमांडिंग मध्य एरिया, कमांडिंग ऑफिसर डिफेंस स्टेट सहित अन्य को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिये है। यह जनहित का मामला जबलपुर निवासी माजिद नूर की ओर से दायर किया गया है। जिनकी ओर से अधिवक्ता सौरभ सुंदर ने पक्ष रखा। जिनकी ओर से बताया गया कि कंट्रोलर डिफेंस अकाउंट्स (सीडीए) जो कि रिज रोड से सीएमएम की ओर जाने वाले मार्ग के पीछे की ओर बी-3 लैंड पर वर्ष 1918 से नूर मस्जिद स्थित है। जहां लोगों वर्षो से नमाज अदा करने जाते है। आरोप है कि स्टेशन कमांडर कर्नल जांगू ने हाल में लोगों को वहां नमाज अदा करने से रोक दिया है, जो कि अनुचित है। इतना ही नहीं आवेदक की ओर से कहा गया कि इस संबंध में आवेदन भी दिया गया, जिसे लेने से उन्होंने इंकार कर दिया। दलील दी गई कि आसपास स्थित चर्च व अन्य धार्मिक स्थलों में लोगों को जाने से नहीं रोका गया है। मामले की प्रारंभिक सुनवाई दौरान आरोपों को गंभीरता से लेते हुए न्यायालय ने अनावेदकों को शपथ पत्र पर दो सप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिये है।

ब्याज सहित फैमिली पेंशन का करो भुगतान

दिवंगत शासकीय सेवक की विधवा को हाईकोर्ट से मिली राहत

जबलपुर, देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने एक याचिका का इस निर्देश के साथ पटाक्षेप कर दिया कि याचिकाकर्ता को आठ प्रतिशत ब्याज सहित फैमिली पेंशन का भुगतान किया जाए, इसके लिए तीन माह की मोहलत दी गई है।

दरअसल याचिकाकर्ता छतरपुर निवासी कस्तूरी कुशवाहा की ओर से अधिवक्ता प्रवीण वर्मा ने पैरवी की। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता के पति की सात फरवरी 2005 को शासकीय सेवाकाल के दौरान मृत्यु हो गई थी। लेकिन उनकी मृत्यु के बाद याचिकाकर्ता के पारिवारिक पेंशन के दावे को इस आधार पर निरस्त कर दिया गया कि याचिकाकर्ता के पति ने पेंशन का दावा करने के लिए अपेक्षित सेवा अवधि पूरी नहीं की थी। इसलिए वर्तमान याचिकाकर्ता को पारिवारिक पेंशन नहीं दी जा सकती। 10 मई 1984 की अधिसूचना के अनुसरण और याचिकाकर्ता के पति के नियुक्ति आदेश पांच जुलाई 1996 में निर्धारित शर्तों के अनुसार, उनकी सेवा के पहले तीन वर्ष कलेक्टर दर के आधार पर होंगे और उसके बाद उन्हें कार्यभारित और आकस्मिकता स्थापना का अस्थायी कर्मचारी माना जाएगा और उन्हें पेंशन दी जाएगी। इस रवैये के विरुद्ध पूर्व में हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। जिसका राहतकारी निर्देश सहित निराकरण किया गया था। लेकिन विभाग ने आदेश का पालन नहीं किया। जिस पर अवमानना याचिका दायर की गई। उस पर पारित आदेश का भी पालन नदारद रहने पर नए सिरे से याचिका दायर की गई। हाईकोर्ट ने याचिका को गंभीरता से लेकर विभाग के उस आदेश को निरस्त कर दिया, जिसके अंतर्गत पारिवारिक पेंशन देने के लिए याचिकाकर्ता के दावे को दरकिनार कर दिया गया था। न्यायालय ने पेंशन लाभ के प्रयोजनों के लिए और पारिवारिक पेंशन देने के लिए याचिकाकर्ता के पति की पांच जुलाई, 1996 से सात फरवरी 2005 तक की सेवाओं पर विचार करने का निर्देश दिया। साथ ही यह भी निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता को पारिवारिक पेंशन का बकाया उसके हक की तारीख से लेकर उसे किए गए वास्तविक भुगतान की तारीख तक आठ प्रतिशत ब्याज के साथ दें।

चैत्र नवरात्रि: सिद्धेश्वरी माता मंदिर की सायं आरती में भक्तों का लगा तांता

पाटन देशबन्धु। नगर के सिद्धेश्वरी माता मंदिर में चैत्र नवरात्रि प्रारम्भ होते ही मंदिर समिति के सदस्यों द्वारा श्रद्धालुओ की भीड़ को देखते हुए शुद्ध पेय जल,लाइट व्यवस्था,मंदिर के आस पास साफ सफाई व्यवस्था बनाई गई है। मंदिर समिति के सदस्य पार्षद दीपक जैन ने बताया कि चैत्र नवरात्रि पर्व के दौरान सिद्धेश्वरी माता मंदिर में श्रद्धालुओ का सुबह से देर रात तक तांता लगा रहता है। हमारे समिति के सदस्यों के द्वारा मंदिर की सभी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी का निर्वाह किया जा रहा है। आगे उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओ को ध्यान में रखते हुए माता के दर्शन का समय सुबह 5 बजे से लेकर देर रात तक भक्तों के द्वारा माता के दर्शन किए जा रहे हैं। चैत्र नवरात्रि के दौरान 9 दिन तक भव्य सायं आरती का आयोजन समिति के द्वारा किया जा रहा है जिसमें बड़ी संख्या में बड़े बुजुर्ग,माताएं बहिनें,श्रद्धालु मन्दिर पहुंचकर माता रानी के दर्शन कर महाआरती में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं।

माता के ज्वारे,पूजन अर्चन करने भक्तों का लगा तांता

पाटन देशबन्धु। जिले के पाटन ब्लॉक के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत ग्वारी में बने सिद्धपीठ माता चिंतार देवी मंदिर धाम में घट स्थापना के साथ नौ दिनों तक होगी जगत जननी की उपासना। बताया जा रहा है कि इस मंदिर में आस पास के ग्रामीणों की बड़ी आस्था है। दूर दराज से श्रद्धालु माता के दर्शन करने मंदिर पहुंच रहे हैं। यह मंदिर ऊंची पहाड़ी पर स्थित है। मंदिर के चारों ओर घना जंगल है। चैत्र नवरात्रि के दौरान 9 दिनों तक श्रद्धालु बड़ी संख्या में माता के दर्शन करने पहुंच रहे हैं।

4 वर्षों में नहीं बनी पानी की टंकी

पीएची विभाग की अनदेखी से अधर में पड़ा टंकी निर्माण कार्य

पाटन,देशबन्धु। प्रदेश सरकार जहां जल संरक्षण के साथ घर घर नल जल योजनाओं का लाभ शहरी इलाकों सहित ग्रामीण क्षेत्रों के आमजनों को इस योजना का लाभ मिले इसके लिए क्षेत्रीय विधायक भी अथक प्रयास कर रहे हैं।

वहीं जिला स्तर से लेकर ब्लाक स्तर के अधिकारियों कर्मचारियों की रुचि न के बराबर इस योजना में देखने को मिल रही है। पाटन विधान सभा के मझौली विकाश खण्ड अंतर्गत आने वाली ग्राम पौड़ी जनपद पंचायत मझौली का अजीबो गरीब मामला सामने आया है जहां 4 वर्षों से बन रही पानी की टंकी का निर्माण कार्य मार्च 2023 में पूरा हो जाना था लेकिन निर्माणाधीन पानी की टंकी आधा अधूरा ढांचा दिखाई पड़ रहा हैं। राज्य सरकार द्वारा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए बजट में धन राशि उपलब्ध कराई जाती हैं वहीं स्थानीय अधिकारियों द्वारा इसका उपयोग कागजों में पूर्ण कर दिया जाता है।

पीएची विभाग की अनदेखी की वजह से अधर में पड़ा टंकी निर्माण कार्य - लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जबलपुर को ग्राम पंचायत पौड़ी में नल जल योजना के तहत पानी की टंकी निर्माण करना था। जिसका भूमि पूजन एवं शिलान्यास क्षेत्रीय विधायक के द्वारा 8 जनवरी 2022 को किया गया था।

जब इस संबंध में संवाददाता ने जानकारी जुटानी चाही तो कार्यपालक अधिकारी एवं वर्तमान सरपंच भी कुछ भी बोलने से बचते दिखे।

समय सीमा में क्यों नहीं हुआ टंकी निर्माण कार्य- जब हम क्षेत्र में विकास और निर्माण की बात करते हैं तो जिला स्तर से लेकर स्थानीय प्रशासन की अहम भूमिका होती है। पर जहां उच्च अधिकारी टी एल समीक्षा बैठक में कार्य की गुणवत्ता के साथ इसकी प्रगति की बात करते हैं तब केवल एक ही बात रखी जाती हैं वह है जल्द हो जायेगा। क्या किसी दबंग माननीय के इशारे पर उक्त कार्य रुका हुआ हैं।

युवक को कोयला चोरी करना पडा मंहगा, कटे दोनों पैर

रीवा देशबन्धु। ट्रेन की बोगी में चढ़कर कोयला चोरी करना एक युवक को महंगा पड़ा है ट्रेन की बोगी से गिरे युवक के दोनों पांव कट गए हैं उसे उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहा उसे चार दिनों बाद होश आया है

घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक घायल युवक सिंगरौली में ट्रेन की बोगियों में चढ़ कर कोयला चोरी का काम करता था युवक ने बताया कि वह चार दिन पूर्व ट्रेन के ऊपर चढ़कर कोयला चोरी कर रहा था इसी दौरान अचानक वन नीचे गिर गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया युवक को अचेत अवस्था में चार दिन पूर्व सिंगरौली पुलिस द्वारा उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया था चार दिन बाद होश आने पर युवक ने अपना नाम सूरज कोल निवासी एनटीपीसी जिला सिंगरौली बताया है जिसके बाद पुलिस अब युवक के परिजनों का पता लग रही है युवक ने बताया कि वह लंबे समय से ट्रेन के बोगियों से कोयला चोरी का काम कर रहा था इसी दौरान वह इस हादसे का शिकार हो गया है जरा सी लालच में युवक अपने दोनों पांव गाव चुका है।

सार-समाचार

ईद उल फितर पर भाईचारे की मुबारक बाद दी गई

पनागर,देशबन्धु। मौलाना वार्ड में ईद की नमाज अदा की गई जब हाफिज शरीफ सब ने ईद में यही पैगाम दिया आपसी भाईचारा कौमी एकता बनी रहे और हमारा देश खुशहाल रहे तरक्की करें इस खुशी के मौके पर नगर के वरिष्ठ एवं सम्माननीय जनों ने मौलाना वार्ड पहुंचकर ईद की शुभकामनाएं दी नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप पटेल भीम,आनंद जैन मिंचू भैया,सर्वेश मिश्रा, शैलेंद्र साहू,विमल जैन,अंकुर जैन,महेंद्र चक्रवर्ती,मोहम्मद अहमद खान, प्रवीण मिश्रा,नितिन गौतम,एड. शैलेश तिवारी,विकास पांडे,केशलाल रजक भगत जी, तुलसीराम कुशवाहा,दुर्गेश बर्मन,डॉक्टर सुरेश मिश्रा, सभी में जाकर ईद की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

नगर में शांति पूर्ण बनाया गया ईद का त्यौहार

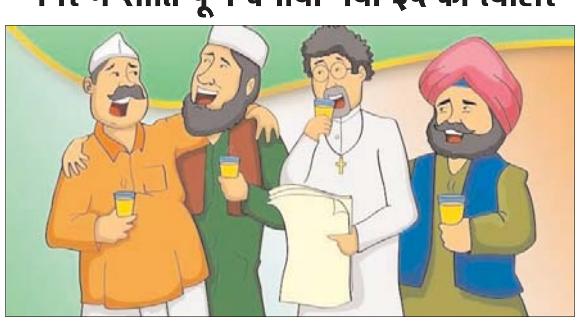

पाटन देशबन्धु। मुस्लिम धर्मावलंबियों का पवित्र त्योहार ईद उल फितर सोमवार को बड़ी शालीनता और सांप्रदायिक सद्भाव के साथ नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मनाया गया इस दौरान कहीं भी कोई अप्रिय घटना घटित नहीं हुई बड़ी संख्या में मुस्लिम बंधुओं ने ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज अदा कर देश में खुशहाली अम्नो और शांति की दुआएं मांगी इस मौके पर हिंदू भाइयों ने भी ईदगाह और मस्जिद पहुंचकर मुस्लिम बंधुओ से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद देकर आपसी भाईचारे का पैगाम दिया। पार्षद शेख अमजद ने बताया कि रमजान का पूरा महीना त्याग और तपस्या का प्रतीक है। ईद आपसी भाईचारे का पवित्र पर्व है। हमारा देश विभिन्नताओं में एकता का देश है। हम सभी धर्म सम्प्रदाय के लोग एक साथ मिलजुल कर सभी त्यौहार मनाते हैं ताकि हमारी एकजुटता और आपसी भाईचारा बना रहे। शेख अमजद ने पवित्र पर्व रमजान और ईद के मौके पर प्रशासन के द्वारा कि गई व्यवस्था पर एसडीएम,पुलिस प्रशासन,नगर परिषद,विद्युत विभाग का आभार व्यक्त किया है।

शहपुरा में मनाई गई ईद

शहपुरा भिटोनी,देशबन्धु। सामाचार पवित्र माह रमजान के रोजे पूरे होने के बाद मुस्लिम धर्मवालियो ने मिल जुलकर ईद उल फितर मनाया सभी धर्म के लोगों ने मुबारक बाद पेश की ओर सिवैया खिला कर त्यौहार मे मिठास डाली थाना प्रभारी को बधाई देते हुए व्यवस्था की तारीफ़ की नमाज़ के उपरांत देश की एकता भाईचारे की दुआ मांगी इसमें राशिद भाई, यूनिस भाई, शाहिद पूर्व महासचिव युथ कांग्रेस, दानिस, समीर खान अयान भाई, साजिद खान जलाल भाई, नवीन भाईजान आदि लोगों ने मुबारक बाद दी।

श्रीमद् भागवत कथा मेंध्रुव चरित्र का किया बखान

बरेला,देशबन्धु। वार्ड नंबर 11 सोमेश्वर महादेव मंदिर में चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिवस पर कथा व्यास मानस रसिक पंडित सेवाराम शास्त्री ने नवधा भक्ति और ध्रुव चरित्र की मार्मिक व्याख्या की। कथा प्रतिदिन 3ः00 बजे से 6ः00 तक चल रही है ।यह आयोजनविगत 30 मार्च से प्रारंभ हो कर 6 अप्रैल रविवार को श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का समापन हवन पूजन और भंडारे के साथ होगा। आयोजन समिति के श्रीमती करुणा शर्मा,ओंकार शर्मा ने सभी धर्म प्रेमियों से कथा में पहुंचकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम उल्लास से मनाया गया

बच्चों को तिलक एवं मिष्ठान खिलाकर किया स्वागत, किताबें लेकर खिले चेहरे

बरेला,देशबन्धु। 1 अप्रैल से प्रदेश के समस्त विद्यालयों में प्रवेश उत्सव का कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया नई किताबे पाकर, कक्षा में कक्षा में उन्नति पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला हिनोतिया भोई में भी बच्चों को तिलक लगाकर, किताबें बाटकर एवं सुरुचि भोज करवा कर प्रवेश उत्सव मनाया गया इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष दिनेश मरावी ,प्रधान अध्यापक संतोष सिंह मरावी, अखिल खरे, मीना गौर, अनामिका अहिरवार,दिनेश पासी, गिरीश नारायण सिंह, रजनीश कुमार पाण्डेय ,संगीता शर्मा ,नेहा लखेरा, अमित शुक्ला आदि शाला परिवार के लोग उपस्थित रहे*

प्रवेशोत्सव में भोपाल और जबलपुर से पहुंचे अधिकारी

सिहोरा-स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का अवलोकन करने राज्य शिक्षा केंद्र से ओ आई सी आर. बी. सक्सेना एवम जिला शिक्षा केंद्र से एपीसी राजेश तिवारी , व एफ एल एन जिला प्रभारी राजा शुक्ला और विकासखंड स्त्रोत समन्वयक बृजेश गर्ग का मझौली विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला बगसवाही में आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

शाला के शिक्षक दीपक पटेल ने बताया कि कक्षा 1 में 10 बच्चों को प्रवेश कराया गया इस अवसर पर ओ आई सी आर बी सक्सेना ने पहले ही दिन 10 बच्चों के प्रवेश लेने पर शिक्षकों की सराहना की। बच्चों का तिलक लगा कर स्वागत भी किया गया। ओ आई सी श्री सक्सेना ने पालकों से कहा कि बच्चों को शाला भेजने और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।कार्यक्रम में पालक शिक्षक संघ के अध्यक्ष पंजी लाल काछी, विमल अग्रवाल, राधे लाल, रोशनी, राधे लाल, अनिल पटेल,शिक्षक दीपक पटेल, मुन्ना लाल पारधी, सुखलाल विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

पनागर में विद्यालय प्रवेश उत्सव

मध्यप्रदेश जन अभियान विकासखंड पनागर के निर्देशन नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति फूटाताल द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला फूटाताल में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम अयोजित किया गया समिति के सदस्य व प्राथमिक शाला के शिक्षक जनों के साथ छात्र छात्राओं को फूलमाला, तिलक लगाकर स्वागत वंदन किया साथ ही छात्र को मिष्ठान वितरण कर शिक्षा का महत्व बता कर छात्र छात्राओ को शिक्षा संबंधी जानकारी दी।

कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक जन ,पुष्पांजलि गुप्ता , नवांकुर संस्था प्रभारी पारस दाहिया , परामर्श दाता सुशील सेन, राधेश्याम रजक, छात्र छात्राओं की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

प्रवेशोत्सव पर स्वागत होने और पुस्तक मिलने से खिले चेहरे

सिहोरा-जनशिक्षा केंद्र खितौला बाजार के अंतर्गत आने वाली शासकीय प्राथमिक शाला लखराम में वार्ड के गणमान्य नागरिक नरेन्द्र अग्निहोत्री, शाला प्रभारी तहमीना बानो अंसारी, शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष कमलेश कोल की उपस्थिति में कक्षा एक से पाँच के छात्र छात्राओं का जब आमंत्रित अतिथि और शाला के शिक्षकों ने बच्चों के माथे पर तिलक लगाया और हाथों में पुस्तक दी तो बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे, बच्चों को प्रवेशोत्सव के प्रथम दिवस विशेष उत्सव भोज दिया गया। अतिथियों और शिक्षकों ने नियमित रूप से स्कूल आने और बच्चों को कहा। इस अवसर पर शाला शिक्षकों में योगेन्द्र मिश्रा, प्रभारी तहमीना बानो अंसारी उपस्थित रही।

सीएम राइज विद्यालय पाटन में प्रवेश उत्सव हुआ संपन्न

पाटन- नगर के सीएम राइज विद्यालय पाटन में 1 अप्रैल को प्रवेश उत्सव मनाया गया जिसमें समस्त शिक्षक विद्यार्थी सीएम राइस प्राचार्य अनुज सेन और विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर परिषद अध्यक्ष आचार्य जागेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष देव कुमार यादव,पार्षद सत्यम मेहरा,पार्षद आदित्य नामदेव,पार्षद दीपक जैन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया और पुस्तकों का भी वितरण किया गया।

नगर परिषद अध्यक्ष आचार्य जागेंद्र सिंह के द्वारा विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया गया और उन्हें साइकिल वितरण की गई। मंच संचालन शिक्षिका श्रीमती नीतू दुबे के द्वारा किया गया एवं सरस्वती वंदना और स्वागत गीत श्रीमती भावना विश्वकर्मा के द्वारा प्रस्तुत किया गया सभी शिक्षकगण प्रवेशोत्सव कार्यक्रम शामिल हुए।

नगर के स्कूलों में नए पाठ्यक्रम का हुआ शुभारंभ

पाटन-नगर के स्कूलों में अप्रैल 2025 के शाला प्रवेश के अवसर पर बच्चों को तिलक एवं मिष्ठान खिलाकर स्कूल प्रबंधन कर रहे विद्यार्थियों का स्वागत। नए पाठ्यक्रम की शुरुआत को लेकर नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में प्रवेश के प्रथम दिवस पर विभिन्न स्कूलों में प्राचार्यो,शिक्षकों एवं जनप्रतिनिधि के द्वारा छात्र छात्राओं को तिलक,पुष्प माला पहनाकर उनका मिष्ठान खिलाकर प्रवेश की शुरुआत की गई। वही ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे छोटे बच्चों को टॉफी देकर यह उत्सव मनाया गया।

प्रवेशोत्सव मनाया अतिथियों ने छात्राओं का किया तिलक वंदन

सिहोरा-शासकीय यशोदाबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खितौला बाजार में नए शैक्षणिक क्षेत्र की शुभारंभ अवसर पर शाला प्रवेशोत्सव शाला प्राचार्य जे एल खांडे की अध्यक्षता, वार्ड पार्षद श्रीमती गौरा देवी विश्वकर्मा के मुख्य अतिथि, शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष ज्योति नामदेव एवं आमंत्रित अतिथि राकेश पहारिया की उपस्थिति में मनाया गया।

कार्यक्रम के शुभारंभ में छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों के साथ सरस्वती मां की प्रतिमा के सामने सरस्वती वंदना की।इस अवसर पर प्राचार्य जे एल खांडे, संतोषी कोरी,दीप्ति सिंह राजपूत द्वारा अतिथियों का तिलक लगा कर स्वागत किया गया।छात्र-छात्राओं को नए शिक्षण सत्र की बधाई देते हुए उनका भी तिलक लगा कर स्वागत किया।शासन द्वारा प्राप्त निशुल्क पुस्तकों का वितरण किया गया।

अभिभावको की उपस्थिति में परीक्षा प्रभारी संतोषी कोरी द्वारा परीक्षा परिणाम बताया गया,जिसमें बताया गया की नवमी का परीक्षा परिणाम 61त्न, ग्यारहवीं का परीक्षा परिणाम 100त्न, कक्षा पांचवी में सर्वाधिक अंक वाली छात्रा को 83त्न और, 8वीं की छात्रा को 95त्नअंक प्राप्त हुए। सभी कक्षाओं के टॉपर को सम्मानित किया गया।

पाटन न्यायालय से तीन मजिस्ट्रेट साहब के हुए तबादले

अधिवक्ताओं ने दी भावभीनी विदाई

पाटन देशबन्धु। सिविल कोर्ट पाटन में न्यायिक मजिस्ट्रेट के हुए तबादले और पाटन अधिवक्ता संघ द्वारा न्यायालय परिसर बार रुम में दोपहर को माननीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश अमृता मिश्रा जी एवं पाटन अधिवक्ता संघ के द्वारा श्री दशरथ सिंह भिड़े,श्रीमती रितिका शर्मा खरे एवं श्रीमती उजाला झा शुक्ला जी को भावभीनी विदाई दी गई। अधिवक्ता संघ से मिली जानकारी के मुताबिक पाटन सिविल न्यायालय में पदस्य तीन मजिस्ट्रेट का 3 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण हो चुका था और न्यायालय की परंपरानुसार हर 3 वर्ष में न्यायाधीश गणों के तबादला होते हैं। उसी परंपरा के अनुसार श्री दशरथ सिंह भिड़े जी पाटन से सोनकच्छ देवास तबादला हुआ है। श्रीमती रितिका शर्मा खरे जी का पाटन से सतना तबादला हुआ है और श्रीमती उजाला झा जी का सीहोर तबादला हुआ है। समस्त अधिवक्ता गणों के द्वारा इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए माननीय तीनों मजिस्ट्रेट साहब को जल्दी ही उच्च पद हाइकोर्ट जज नियुक्त हो सभी अधिवक्ताओं के द्वारा ऐसी कामना की गई है।

वित्त मंत्रालय नए टैक्स नियम आम जनता के लिए परेशानी : आभाष दुबे

सिहोरा,देशबन्धु। सरकार के वित्त मंत्रालय ने 1 अप्रैल जरूरी सेवाओं में नियम बदले हैं जिससे आम लोगों और व्यापारियों की मुसीबत बढ़ी है। मझौली विधानसभा के युवा कांग्रेसी आभास दुबे ने कहा कि जबसे भाजपा सरकार सत्ता में आई है तब से भाजपा हर दिन हमारे देश की भोली भाली जनता के साथ धोखा करते हुए तरह तरह के टेक्स और कृषि क्रय विक्रय में शुल्क बढ़ाकर मनमानी कर रही है जिसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है।

अप्रेल से टैक्स सम्बन्धित कुछ नए नियम लागू हो रहे हैं जो हमे और आपको बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के सोचने पर मजबूर कर देंगे की आखिर भाजपा सरकार करना क्या चाहती है, गरीबों के साथ, मध्यम वर्गीयों के साथ? 12 लाख तक की सालाना आय फ्री रहेगी।

टैक्स में जो छूट दी गई है जिसमे 12 लाख इनकम वालों को छूट दी गई है, यह आय उन्ही की होगी जो वन क्लास का अधिकारी होगा, अब इसमें गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का ध्यान नही रखा गया जिससे सबसे ज्यादा मध्यम वर्ग और मजदूर ही परेशान है, वहीं सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास कहने वाले नेता सिर्फ अपना विकास ही कर रहे हैं। इनकम टैक्स नियम में यूपीआई इस्तेमाल बंद करके, उनसे पेमेंट रोका जाएगा। जबकि सत्ताधारी भाजपा पार्टी का टोल फ्री मेंबरशिप बनाने वाले नंबर पर फोन लगना बंद नहीं होगा।

मजदूर वर्ग के लिए कठिन

गरीबों के जीरो बेलेंस पर खाते तो खोले गए थे लेकिन सीधे साधे गरीब वर्ग को जड़ से खत्म करने के लिए बैंक में न्यूनतम राशि न रखने पर पेनाल्टी लगेगी। एक तरफ शासन की योजनाओं में लाडली बहना योजना राशि, विधवा बहन योजना राशि, वृद्धा पेंशन राशि से जो पैसा मिलता है वह फिर से सरकार के पास टैक्स के रूप में वापस चला जाता है। जबकि आम जनता को मिलेगा सिर्फ लक्षेदार भाषण, जिसमे धार्मिक भावनाओं को लेकर राजनीति बस करते रहेंगे।

अद्भुत, बस अद्भुत सुनीता विलियम्स ने बताया अंतरिक्ष से भारत कैसा दिखता है

नई दिल्ली, (आईएएनएस)। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर अपने विस्तारित मिशन के बाद पृथ्वी पर उतरने के कुछ दिनों बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अंतरिक्ष से भारत को देखने के अपने अनुभवों को साझा किया। अंतरिक्ष में 286 दिन बिताने के बाद जब विलियम्स से पूछा गया कि ऊपर से भारत कैसा दिखता है, तो उन्होंने गंभीर शब्दों में उत्तर दिया, 'अद्भुत, बिल्कुल अद्भुत।' विलियम्स अक्सर अपनी भारतीय विरासत को साझा करने के लिए जानी जाती हैं। वह हिमालय के लुभावने दृश्यों से विशेष रूप से मोहित हो गईं। उन्होंने बताया कि कैसे, हर बार जब आईएसएस पर्वत श्रृंखला के ऊपर से गुजरता था, तो उनके अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर आश्चर्यजनक तस्वीरें खींचते थे। विलियम्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, जब भी हम हिमालय पर गए, बुच को अविश्वसनीय तस्वीरें मिलीं, यह अद्भुत है। वह दृश्यों को देखकर भावुक हो गईं। विलियम्स ने बताया कि अंतरिक्ष से भारत का नजारा उन्हें उनकी विरासत से जुड़े रहने का अहसास कराता है। इसके अलावा, विलियम्स ने बताया कि रात के वक्त रोशनी में भारत के बड़े शहरों से लेकर छोटे शहरों को देखना एक अलग अनुभव की अनुभूति प्रदान करता है।

अब टैक्स घटा रहा भारत, पहले ऐसा क्यों नहीं किया

2 अप्रैल वाले ऐलान पर डोनाल्ड ट्रंप का तंज

उन्होंने कहा कि भारत अब अमेरिकी सामानों पर टैक्स कम करने जा रहा है। उन्होंने कहा, मैंने कुछ समय पहले ही सुना था कि भारत अपने टैरिफ में बहुत बड़ी कटौती करने जा रहा है और मैंने पूछा था कि ऐसा बहुत पहले क्यों नहीं किया गया? उन्होंने कहा कि टैरिफ बढ़ाने के फैसले से कई देशों की नीतियों में सुधार आएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत, चीन, मेक्सिको समेत तमाम देशों पर 2 अप्रैल से रेसिप्रोकल टैक्स लगाने का ऐलान किया है। ट्रंप का कहना है कि टैक्स में असमानता खत्म की जाएगी और यदि किसी देश ने अमेरिकी उत्पादों पर ज्यादा टैक्स लगाया है तो फिर उतना ही टैक्स अमेरिका भी लगाएगा। इस बीच मंगलवार को डोनाल्ड ट्रंप ने अहम टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि मैंने सुना है कि भारत अब अमेरिकी सामानों पर टैक्स कम करने जा रहा है। उन्होंने कहा, मैंने कुछ समय पहले ही सुना था कि भारत अपने टैरिफ में बहुत बड़ी कटौती करने जा रहा है और मैंने पूछा था कि ऐसा बहुत पहले क्यों नहीं किया गया? उन्होंने कहा कि टैरिफ बढ़ाने के फैसले से कई देशों की नीतियों में सुधार आएगा।

ट्रंप से पूछा गया कि क्या उनकी ओर से किए गए ऐलान के मुताबिक जो टैरिफ बुधवार से लागू होने वाले हैं, उससे क्या दूसरे देश चीन की ओर नहीं जाएंगे। इस पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ऐसा नहीं होगा। इसकी बजाय सभी देश टैक्स को लेकर अच्छी नीति बना सकेंगे। अभी इस पॉलिसी में गैर-बराबरी है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, मैं इसके बारे में चिंतित नहीं हूं। मुझे लगता है कि टैरिफ के साथ वास्तव में उनके पास बेहतर करने का मौका है। यह फैसला वास्तव में उनकी ही मदद करेगा। मुझे लगता है कि उनमें से बहुत से लोग अपने टैरिफ कम कर देंगे क्योंकि वे वर्षों से अमेरिका पर मनमाना टैरिफ लगा रहे हैं। हालांकि ट्रंप ने यह नहीं बताया कि ऐसा कैसे होगा। उन्होंने कहा कि यूरोप

ने तो अमेरिका में बनी कारों पर टैक्स में 2.5 फीसदी की कटौती कर दी है। ट्रंप ने कहा कि आप देखिए कि यूरोपियन यूनियन ने कारों पर टैरिफ में 2.5 फीसदी तक की कटौती की है। कुछ दिन पहले ही उसने ऐला किया था और अब यह कटौती हुई है। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप के ऐलान से पूरी दुनिया में हलचल मची है। उन्होंने 2 अप्रैल को मुक्ति दिवस का ऐलान किया है। उनका कहना है कि यह दिन होगा, जब अमेरिका महंगे टैरिफ का बदला लेगा। उनका कहना है कि चीन, कनाडा, मेक्सिको, यूरोप और भारत जैसे देश ज्यादा टैरिफ लगा रहे हैं, जबकि अमेरिका में वहां के उत्पादों पर कम टैक्स है। इससे गैर-बराबरी है। इसका खामियाजा अमेरिका की अर्थव्यवस्था उठा रही है। यहां के लोग भी इसका नुकसान उठा रहे हैं। बता दें कि ट्रंप के ऐलान के बाद से दुनिया भर के बाजारों में गिरावट का दौर जारी है। भारत के ही बाजार में आज सुबह से बड़ी गिरावट देखी गई है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज 1352 अंकों की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है।

शुरुआत ही 350 अंकों की गिरावट के साथ ही हुई थी। फिलहाल भारतीय उद्योगों ने सरकार से अपील है कि डोनाल्ड ट्रंप से बात की जाए। खासतौर पर फार्मा सेक्टर और आईटी कंपनियों में ज्यादा हलचल देखी जा रही है।

राजनीतिक दलों में टकराव जारी, बीएनपी और जमात के बीच झड़प, कई घायल

ढाका, (आईएएनएस)। बांग्लादेश में दो प्रमुख राजनीतिक दलों - बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और जमात-ए-इस्लामी के बीच हिंसक झड़प हुई जिसमें कई लोग घायल हो गए। संघर्ष के दौरान कुल चार दुकानों में तोड़फोड़ की गई, पांच मोटरसाइकिलों और एक वैन को आग लगा दी गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, राजशाही के बाघा उपजिला के बाउसा यूनियन में यह संघर्ष हुआ।

इसका कारण कमजोर समूह विकास (वीजीडी) कार्ड वितरित करने में कथित भ्रष्टाचार का मुद्दा था। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हिंसा तब शुरू हुई जब बीएनपी की स्टूडेंट विंग, छात्र दल के कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर जमात की छात्र शाखा, इस्लामी छात्र शिबिर पर हमला किया। जवाबी कार्रवाई में शिबिर कार्यकर्ताओं ने बाद में बीएनपी कार्यकर्ताओं पर हमला किया।

बांग्लादेश के प्रमुख अखबार द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, इन घटनाओं के बाद बीएनपी समर्थकों ने कथित तौर पर दुकानों में तोड़फोड़ की और जमात समर्थकों के वाहनों को आग लगा दी। बीएनपी और जमात दोनों ने ही झड़प की शुरुआत के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहराया।

बाघा उपजिला क्षेत्र के बसुआ यूनियन में वीजीडी कार्ड के कथित दुरुपयोग को लेकर पहले हुए विवाद के बाद दोनों पक्षों के बीच यह झड़प हुई। हाल ही में पुलिस की मध्यस्थता से दोनों दलों के बीच हुए समझौते के बाद, जमात ने दावा किया कि बीएनपी समर्थकों ने उनके सदस्यों को निशाना बनाया, जिसमें 30 मार्च को एक छात्र नेता की हत्या का प्रयास भी शामिल है। इसके अलावा, जमात ने अपने कार्यकर्ताओं के घरों और व्यवसायों पर हमलों की रिपोर्ट की। उन्होंने न्याय की मांग की और अधिकारियों से जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने अपील की। हालांकि, बीएनपी नेता रेजाउल ने जमात के आरोपों का खंडन करते हुए दावा किया कि उनके छात्र दल के नेता राजीब अहमद इफ्तार के बाद चाय पी रहे थे, तभी शिबिर कार्यकर्ताओं के एक समूह ने उन पर अकारण हमला कर दिया। उन्होंने कहा, राजीब का फिलहाल राजशाही मेडिकल कॉलेज अस्पताल में गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। अभी तक कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है। राजीब के ठीक होने के बाद हम आगे की कार्रवाई करेंगे। बाघा पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी एएफएम असदुज्जमां ने बताया कि जमात ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कराया है। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है ताकि जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जा सके।

आज का इतिहास

1679 – मुगल बादशाह औरंगजेब ने अपनी सल्तनत के हिंदुओं पर फिर से जजिया कर लगाया। इस कर को अकबर ने समाप्त किया था।
1902 – लॉस एंजिल्स में पहला मोशन पिक्चर थियेटर खुला।
1902 – हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के फनकार बड़े गुलाम अली खां का जन्म।
1933 – भारतीय क्रिकेट के जनक माने जाने वाले रणजीत सिंह का निधन।
1912 – टाइटैनिक का सामुद्रिक परीक्षण शुरू।
1969 – भारत के प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता अजय देवगन का जन्म।
1970 – 'असम पुनर्गठन अधिनियम' के तहत भारत के उत्तर-पूर्व में मेघालय को स्वायत्तशासी राज्य का दर्जा हासिल हुआ।
1982 – अर्जेंटीना ने दक्षिणी अटलांटिक महासागर में स्थित फॉकलैंड द्वीप समूह पर हमला किया।
1986 – अमेरिकी विमानन कंपनी के बोइंग विमान में बीच हवा में बम फटने से सुराख हुआ। चार यात्री हवा के दबाव से विमान से गिरे। पायलट ने विमान को सुरक्षित उतारा।
1997 – सुमिता सिन्हा ने एक रिकार्ड बनाया, जब 3200 किलोग्राम वजन का एक ट्रक उनके ऊपर से गुजरा।

सुडोकू 6870

		3	2		4			
1				6			5	9
8	6							
2					1	4		
	3						9	
		1	6					8
							2	7
6	2			3				5
			7		9	3		

: नियम :
1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

डोनाल्ड ट्रंप के फैसलों से अमेरिकी भी हैरान

डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद से ही कई बड़े फैसले लिए हैं। अवैध प्रवासियों को देश से बाहर निकालने का फैसला सख्ती से लागू किया तो अब चीन, कनाडा, मेक्सिको, ब्राजील और भारत समेत तमाम देशों से टैरिफ वॉर छेड़ने की भी ट्रंप ने तैयारी की है। हालात ऐसे हैं कि डोनाल्ड ट्रंप कब कौन सा फैसला कर लें, इसे लेकर आशंकाओं का दौर जारी रहता है। टैरिफ वाले ऐलान ने तो दुनिया भर के बाजारों में गिरावट का दौर ला दिया है। अकेले भारत में ही शेयर बाजार में मंगलवार को 1352 अंकों की गिरावट आई है। ट्रंप के फैसलों से दुनिया ही नहीं बल्कि अमेरिका में भी हलचल है। प्यू रिसर्च की ओर से किए गए सर्वे में पता चला है कि 10 में से 7 अमेरिकी यानी दो तिहाई से ज्यादा लोग हमेशा खबरों पर नजर रखते हैं। ऐसा इसलिए ताकि पता चल सके कि डोनाल्ड ट्रंप ने अब कौन सा फैसला ले लिया है।

सर्वे के अनुसार 71 फीसदी लोगों का कहना है कि वे हमेशा खबरों पर नजर रखते हैं। इनमें से 31 फीसदी लोग गहनता से खबरें पढ़ते या देखते हैं। वहीं 40 फीसदी लोग ऐसे हैं, जो सामान्य तौर पर खबरों पर नजर रखते हैं। इस सर्वे में ट्रंप से जुड़ी खबरों पर नजर रखने का कारण भी पूछा गया, जिसमें दिलचस्प जानकारी सामने आई। 66 फीसदी लोगों ने कहा कि हमें इस बात की चिंता रहती है कि आखिर डोनाल्ड ट्रंप ने अब कौन सा फैसला ले लिया है। ऐसे में अकसर खबरों पर नजर बनाए रखते हैं। वहीं 62 फीसदी लोगों ने कहा कि हमें इस बात की चिंता रहती है कि आखिर डोनाल्ड ट्रंप के फैसले का उनकी जिंदगी पर क्या असर होगा। वे यह जानना चाहते हैं और इसीलिए खबरों पर भी नजर रखते हैं। वहीं 43 फीसदी लोगों का कहना है कि डोनाल्ड ट्रंप को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसलिए वे खबरों पर नजर रखते हैं। वहीं 36 फीसदी लोगों ने डोनाल्ड ट्रंप के फैसलों को सही करार दिया और कहा कि वे उन्हें सही मानते हैं। इसलिए खबरें देखते हैं। दिलचस्प तथ्य यह भी है कि 25 फीसदी लोगों ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप और उनके फैसले उन्हें मनोरंजन करने वाले दिखते हैं। इसलिए वह खबरों पर नजर रखते हैं। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के फैसलों ने हलचल मचा रखी है। 2 अप्रैल की रात को कयामत की रात तक कहा जा रहा है। चर्चा है कि यदि रेसिप्रोकल टैरिफ लगाए गए तो दुनिया भर के बाजारों में गिरावट आएगी और मंदी का माहौल भी बन सकता है। यही कारण है कि फिलहाल पूरी दुनिया में डोनाल्ड ट्रंप सबसे चर्चित शख्सियत हैं।

भारत समेत पूरी दुनिया पर गरम, पर तानाशाह पर नरम, किम जोंग उन से मिलने को बेताब ट्रंप

वाशिंगटन। दुनिया के कई बड़े देशों से टैरिफ वॉर में उलझे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नए दोस्त तलाशते नजर आ रहे हैं। खबर है कि वह जल्द ही उत्तर कोरिया के प्रमुख नेता किम जोंग उन से संपर्क साध सकते हैं। उन्होंने खुद ही इस योजना का ऐलान किया है। ट्रंप ने 2 अप्रैल से टैरिफ लागू करने की घोषणा की है। कहा जा रहा है कि इसका सबसे ज्यादा असर भारत और चीन समेत दर्जनों देशों पर पड़ सकता है।

टैरिफ वॉर के अलावा ट्रंप गाजा और ईरान पर भी सख्त रुख अपना रहे हैं। उन्होंने कैदियों के मुद्दे पर फिलिस्तीनी समूह हमास को चेतावनी दी है। वहीं, परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान को भी बमबारी की धमकी दे रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने यमन पर विद्रोही समूह हूती पर भी अटैक किया।

ट्रंप का कहना है कि किम जोंग उन के साथ उनके अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा, बातचीत होनी चाहिए। मुझे लगता है कि यह बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, एक बड़ा परमाणु देश है और वहां एक बहुत समझदार व्यक्ति है। उन्होंने कहा, किम जोंग उन के साथ मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं। आप लोगों को यह सुनकर बुरा लगेगा, लेकिन यह बहुत जरूरी है। जब बातचीत को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, शायद किसी मौके पर वह उत्तर कोरिया के साथ चर्चा कर सकते हैं। खास बात है कि ट्रंप ने पहले कार्यकाल में किम जोंग उन से चर्चा के बाद अमेरिका-दक्षिण कोरिया के कई बड़े सैन्य अभ्यासों को खत्म कर दिया था। हालांकि, उस दौरान चर्चाएं दोनों पक्षों की ओर से ही खत्म हो गई थीं, लेकिन अब दूसरे कार्यकाल में ट्रंप ने एक बार फिर उत्तर कोरिया से संपर्क साधने के संकेत दिए हैं।

क्या होगा असर- कहा जा रहा है कि ट्रंप के इस ऐलान का असर सबसे ज्यादा दक्षिण कोरिया पर पड़ सकता है। दक्षिण कोरिया की सुरक्षा मोर्चे पर चिंताएं बढ़ सकती हैं। इससे पहले भी दक्षिण कोरिया ने परमाणु से जुड़े ट्रंप के बयानों को तरजीह नहीं दी थी और कहा था कि इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि वह यानी ट्रंप उत्तर कोरिया के परमाणु हथियार कार्यक्रम को स्वीकार करते हैं।

30 दिन में 22000 सैनिक मरे और 1100 टैंक तबाह, यूक्रेन पर भारी पड़ रही रूस से जंग

रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष में मार्च का महीना यूक्रेनी सेना के लिए भारी साबित हुआ। रूसी सशस्त्र बलों ने लुहान्स्क पीपुल्स रिपब्लिक की सीमा पर युद्ध के दौरान 22000 यूक्रेनी सैनिकों और विदेशी भाड़े के लड़ाकों को मार डाला। यह संख्या फरवरी की तुलना में लगभग 13 गुना ज्यादा है।

फरवरी में रूस से जंग में यूक्रेन के 1800 सैनिक मारे गए। इतना ही नहीं यूक्रेन ने 1100 से अधिक युद्धक वाहन भी गंवा दिए। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी ने सैन्य विशेषज्ञ आंद्रेई मारोचको के हवाले से कहा कि मार्च के दौरान यूक्रेनी सेना ने प्रतिरोध जारी रखा, यही नहीं यूक्रेन ने रूसी सीमा में कई बार घुसपैठ की, लेकिन रूसी सेना ने यूक्रेन के खिलाफ जवाबी कार्रवाई में कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों को मुक्त कराया। यहां जंग के दौरान रूस के कितने सैनिक मारे गए, इसका उल्लेख नहीं किया गया है।

रूसी सेना का आक्रामक रुख- मारोचको के अनुसार, मार्च में रूसी सैनिकों ने यूक्रेनी रक्षा प्रणाली में गहराई तक प्रवेश किया और संपर्क रेखा पर अपनी स्थिति मजबूत की। रूसी रक्षा मंत्रालय के आंकड़ों का विश्लेषण करते हुए उन्होंने बताया कि मार्च में रूस की बैटलग्रुप नॉर्थ ने सबसे अधिक दुश्मन बलों का सफाया किया।

वर्ग पहेली 6870

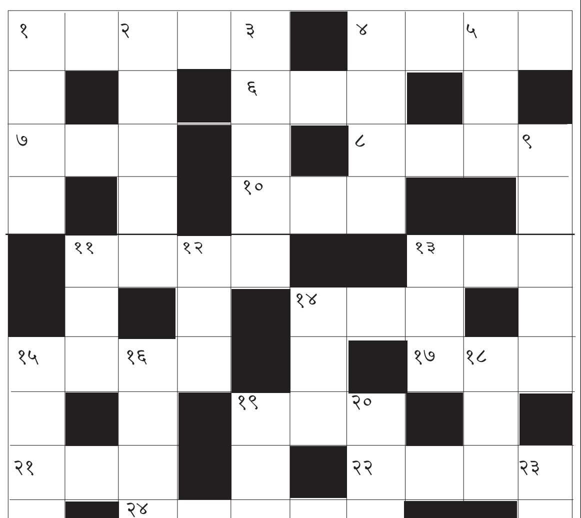

बायें से दायें:-
१. सरस्वती
४. दोष या खराबी को दूर करना
६. सेना, फौज
७. किसी पत्र-पत्रिका का पिछला अंक
८. बचपन का मित्र
१०. बालटी जैसा पात्र जिसमें फूल आदि के पौधे लगाये जाते हैं
११. लाना, ले जाना करना, ग्रंथ-लेख आदि लिखना, रचना वितरण
१३. घटाना, छोटा रूप. फेंकना, भेजना, हरण
१४.अनिच्छा, घृणा विरचि, रुचि के प्रतिकूल
१५. बूढ़ा आदमी
१७. उसी अर्थ में
१९ कुतूहल, अचंभा, हास्य, विनोद हँसी, मजाक
२१. झगड़ालू
२२. चलते चलते सहसा रुक जाना
२४. यश बढ़ाने वाला

ऊपर से नीचे:-
१. बहादुर महिला
२. किसी पदार्थ का विशेष कर द्रव पदार्थ का भाप बनना
३. नीला आकाश
४. देवकन्या, अप्सरा
५. धनी, अमीर (उर्दू)
९. खाने की वस्तु
११. मशहूर
१२. यूनान का निवासी
१३. एकत्र या जमा किया गया
१४. किन्तु, परंतु
१५. व्यवसाय पर लगने वाला कर
१६. तालाब, सरोवर
१८ . देखने वाला, प्रेक्षक
१९. कुरु का वंशज, कुरु नरेश
२०. मुश्किल
२३. स्वामी, पति

वर्ग पहेली-6869

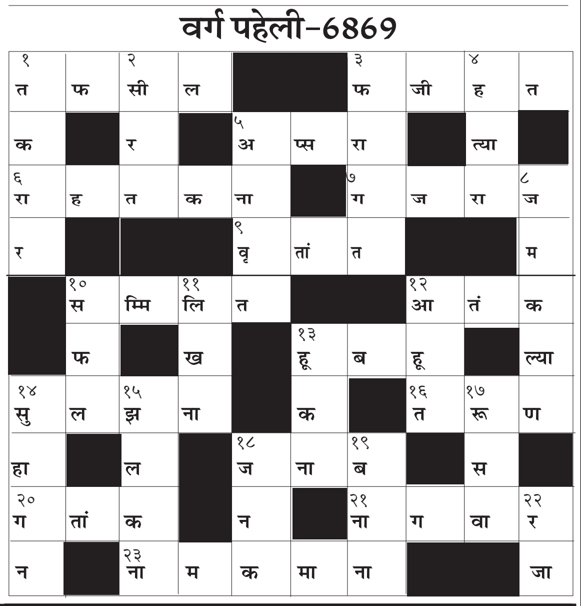

यूसुफ कुरैशी, मो. 8109948408

मांग

'अंतरराष्ट्रीय ट्रांसजेंडर दिवस' पर रैली निकाली गई

किन्नरों ने सरकारी नौकरी में आरक्षण की मांग की

प्रयागराज, (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में किन्नर समाज के लोगों ने 'इंटरनेशन ट्रांसजेंडर डे' के अवसर पर सरकारी नौकरी में आरक्षण की मांग को लेकर सोमवार को रैली निकाली। उत्तर प्रदेश किन्नर कल्याण बोर्ड की सदस्य और प्रयागराज किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी उर्फ टीना मां के नेतृत्व में रैली निकाली गई।

कंपनी बाग गेट नंबर एक पर बड़ी संख्या में किन्नर समाज के लोग एकत्रित होकर सुभाष चौराहे तक रैली निकाली उसके बाद वहीं प्रदर्शन किया। महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी उर्फ टीना मां ने कहा कि सोमवार को 'अंतरराष्ट्रीय ट्रांसजेंडर दिवस' पर रैली निकालने के पीछे का मुख्य मकसद था कि लोगों में इस समाज के प्रति भी जागरूकता बढ़ सके।

उन्होंने कहा कि समाज

में जैसे दूसरे लोगों को सम्मान से जीने का अधिकार है, उनकों भी सरकार पढ़ाई से लेकर नौकरी तक में आरक्षण दें। जिससे वह भी अन्य लोगों की तरह ही सामान्य जीवन बिता सकें।

'अंतरराष्ट्रीय ट्रांसजेंडर दिवस' पर रैली निकालने के पीछे का मुख्य मकसद था कि लोगों में इस समाज के प्रति भी जागरूकता बढ़ सके। उन्होंने कहा कि समाज में जैसे दूसरे लोगों को सम्मान से जीने का अधिकार है, उनकों भी सरकार पढ़ाई से लेकर नौकरी तक में आरक्षण दें: कौशल्या नंद गिरी, महामंडलेश्वर

उन्होंने कहा कि किन्नरों, लैस्बियन और गे समाज के लोगों को भी आरक्षण मिलना चाहिए जिससे वह समाज की मुख्य धारा में जुड़ सके। वह भी इसी समाज को हिस्सा है।

वहीं लैस्बियन समाज से जुड़े लोगों का कहना है कि वह भी इसी समाज का हिस्सा है। फिर उनके प्रति लोगों में गलत भावना कैसे हो सकती है। किन्नर कल्याण बोर्ड की सदस्य ने कहा कि अभी तक ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण की बात कही जा रही है लेकिन अभी हम लोगों का कितना फीसदी आरक्षण है यह सुनिश्चित नहीं किया गया है। सरकार उसे सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने दुनिया के सामने खुद को एक मजबूत देश के रूप में स्थापित करने में सफल रहा है।

भारत किसी दबाव के सामने नहीं झुकता है। भारत बड़ी मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है और बिना किसी डर के अपनी बात दुनिया के सामने रख रहा है। देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ही हाथों में सुरक्षित है। महामंडलेश्वर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किन्नरो को मुख्यधारा में कर उनके उत्थान और विकास के लिए बहुत काम किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि श्री मोदी किन्नरों को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए नौकरी में आरक्षण का लाभ देने पर विचार अवश्य करेंगे।

खेल जगत

हमारा लक्ष्य खिताब जीतना और प्रशंसकों के साथ खुली बस परेड में जश्न मनाना : अर्शदीप

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह आईपीएल में 18 साल से चले आ रहे खिताबी अंतराल को खत्म करने और चंडीगढ़ में खुली बस परेड में प्रशंसकों के साथ इस उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए अपनी टीम की ताकत पर भरोसा कर रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब ही ऐसी टीमें हैं जिन्होंने टूर्नामेंट के इतिहास में कभी खिताब नहीं जीता है। अर्शदीप, जो भारत की सफेद गेंद वाली लाइन-अप में एक मुख्य खिलाड़ी बन गए हैं, अपनी प्रक्रिया के प्रति प्रतिबद्ध हैं और उन्हें उम्मीद है कि श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में इस सीजन में चीजें बदल जाएंगी। अर्शदीप ने जियोहॉटस्टार के शो 'जेन बोल्ड' पर कहा कि जिंदगी में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं आया है; यह अभी भी वैसा ही है, लेकिन यह मजेदार है। जैसा कि वे कहते हैं, बदलाव ही एकमात्र स्थिर चीज है।

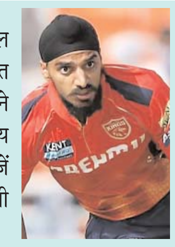

भारत की सर्वकालीन सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकर वंदना कटारिया ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी को कहा अलविदा

- वंदना ने भारत के लिए सबसे ज्यादा 320 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल 158 गोल किए
- अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहने का सही समय था

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (देशबन्धु)। हरिद्वार में बीएचईएल से एकदम सटे छोटे से गांव रोशनाबाद से आकर भारत ही नहीं दुनिया की सर्वकालीन सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकर के रूप में करीब डेढ़ दशक तक छाई रहने कय 32 बरस की वंदना कटारिया ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा दिया। वंदना कटारिया भारत की अपनी तरह कामयाब स्ट्राइकर रही पूर्व कप्तान रानी रामपाल की समकालीन उनके भारत के लिए कामयाब अंतरराष्ट्रीय हॉकी करियर की सबसे बड़ी सहयात्री रही।वंदना कटारिया को 2021 में अर्जुन अवॉर्ड और 2022 में पदमश्री से नवाजा गया। वंदना को 2014 में हॉकी इंडिया के बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड और 2021 मं हॉकी इंडिया उत्कृष्ट योगदान के लिए हॉकी इंडिया प्रेसिडेंट अवॉर्ड 2021 और 2022 धनराज पिल्लै अवॉर्ड से नवाजा गया, वंदना कटारिया को भारत के लिए सबसे ज्यादा

320 अंतरराष्ट्रीय हॉकी हॉकी मैच खेल 158 गोल करने का गौरव हासिल है।रानी रामपाल ने 24 अक्टूबर, 2014 को भारत के लिए 254 अंतर्राष्ट्रीय हॉकी मैच खेल 120 गोल कर अंतराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहा था।

द.अफ्रीका के खिलाफ ओलंपिक में हैट्रिक सबसे भावुक क्षण

अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहने वाली वंदना कटारिया ने भारत के लिए अपना अंतिम मैच फरवरी, 2024-25 में बीते महीन एफआईएच प्रो हॉकी लीग में भुवनेश्वर में खेला। वंदना कटारिया ने कहा,' अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहने का फैसला लेना आसान नहीं था, लेकिन मैं जानती हूं यह अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहने का सही समय था। हॉकी मेरी जिंदगी रही है और भारत की जर्सी पहन भारत के लिए खेलना सबसे बड़ा सम्मान है। हर यात्रा का अपना तय रास्ता होता है। मैं हॉकी के प्रति गर्व, पयार के इसे अलविदा कह रही हूं। भारतीय हॉकी सही हाथों में है और मैं हमेशा इसकी समर्थक रहूंगी। मैं भारतीय हॉकी टीम के लिए अपनी डेढ़ दशक की यात्रा में अपने हॉकी उस्तादों, अपनी साथियों , सपोर्ट स्टाफ, हॉकी इंडिया और परिवार के साथ उन सभी हॉकी प्रेमियों जिन्होंने बरसो मेरा सर्थन किया आभारी हूं। मेरे लिए अपने प्रशंसकों का मेरा उत्साह बढ़ाने के लिए हर शब्द बेहद अहम है।ओलंपिक खेल वाकई खास और 2020के ओलंपिक में हैट्रिक जमा अपनी भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका पर 4-3से जीत दिलान क्वॉर्टर फाइनल में पहुंचना मेरे हॉकी करियर का सबसे भावुक क्षण था, मैं आपने देश के लिए सब कुछ झोंक देना चाहती थी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ओलंपिक में हैट्रिक जमाना मेरे हॉकी करियर का सबसे भावुक क्षण था।

भारतीय हॉकी टीम के आक्रमण की धड़कन रही वंदना : दिलीप

भारत के चार ओलंपिक खेलने वाले पूर्वकप्तान हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ.दिलीप तिर्की ने वंदना के भारतीय हॉकी में योगदान को सराहते हुए कहा, ' वंदना मात्र गोल स्कोरर ही नहीं भारतीय हॉकी टीम के आक्रमण की धड़कन, अनुकरणीय हॉकी की बानगी दिखाने वाली खिलाड़ी और पूरी शिद्दत से टीम के लिए खेलनी वाली हाकी खिलाड़ी रही वंदना की अग्रिम पंक्ति में मौजूदगी खासतौर पर दबाव की स्थिति में खासतौर पर भारत का पलड़ा भारी कर देती थी। भारतीय हॉकी को वैश्विक मंच पर बुलंझी पर पहुंचाने में वंदना का अहम योगदान रहा। वंदना ने भारतीय हॉकी की आने वाली पीढ़ियों के लिए मानक कायम किया। हॉकी इंडिया को उनकी उपलब्धियों पर गर्व है। हम उनके शानदार भविष्य की कामना करते हैं।

वंदना का टोक्यो का ओलंपिक प्रदर्शन बरसो याद किया जाएगा : भोलानाथ

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा, 'वंदना की हॉकी यात्रा बेहद प्रेरक रही। वंदना ने अपने शुरुआती दिनों से लेकर भारतीय हॉकी की धुरंधर खिलाड़ी बनन तक गजब का कौशल और प्रतिबद्धता दिखाई । वंदना का अहम मैचों खासतौर पर टोक्यो ओलंपिक में अहम प्रदर्शन बरसो याद किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कह वंदना जीवट, उत्कृष्टता व प्रेरणा की ऐसी विरासत छोड़ गई हैं भारतीय महिला हॉकी के आने वाले सितारों का मार्गदर्शन करेंगी। वंदना कटारिया भारत की 2016 में रियो ओलंपिक में शिरकत करने वाली तथा 2020 में टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रहने वाली टीम के साथ 2018 और 2022 के एफआईएच महिला हॉकी विश्व, तीन राष्ट्रमंडल खेलों (2014, 20018 व 2022) के राष्ट्रमंडल खेलों और तीन एशियाई खेलों (2014, 2018, 2022) के एशियाई खेलों में शिरकत करने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की अहम सदस्या रही।

बेंगलुरु, गुजरात के बीच मुकाबले में बड़ा स्कोर बनने की संभावना

बेंगलुरु, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटन्स (जीटी) के बीच बुधवार को बल्लेबाजों के अनुकूल रहने वाली एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच पर होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 14वें मैच बड़े स्कोर बनने की संभावना है। अपने शुरुआती मुकाबलों में लगातार जीत से उत्साहित आरसीबी घरेलू मैदान का फायदा उठाने का प्रयास करेगी। वहीं पिछली हार को भुलाकर गुजरात टाइटन्स अपनी लय को बरकरार रखना चाहेगी। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में विराट कोहली का शानदार रिकार्ड रहा है। यहां उन्होंने 89 मैचों में 40.53 की औसत से 3,040 रन बनाए हैं। कोहली ने आईपीएल में सबसे ज्यादा आठ शतक बनाए हैं। कोहली, फिलिप साल्ट और रजत पाटीदार के साथ मिलकर आरसीबी के लिए एक मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप बनाते हैं। जॉश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार की अगुआई वाली आरसीबी की गेंदबाजी इकाई ने भी पिछले मैचों में शानदार प्रदर्शन किया है, जिसमें हेजलवुड ने दो मैचों में सिर्फ 5.37 की औसत से पांच विकेट लिए हैं। लियाम लिविंगस्टोन और क्रुणाल पांड्या स्पिन विभाग में गहराई प्रदान करते हैं। गुजरात टाइटन्स के लिए, साई सुदर्शन प्रमुख बल्लेबाज के रूप में उभरे हैं। उन्होंने इस सत्र में लगातार अर्धशतक जड़े हैं और टीम के सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर से पारी को संभालने और बड़ा स्कोर बनाने की उम्मीद है। गेंदबाजी आक्रमण की बात की जाये तो कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा आरसीबी की बल्लेबाजी को चुनौती देने की क्षमता रखते हैं।

आज होने वाले मैच के लिए इन खिलाड़ियों में से ही एकादश का चयन होना है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: विराट कोहली, रजत पाटीदार (कप्तान), स्वास्तिक चिकारा, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, फिलिप साल्ट, मनोज भंडागे, टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, लियाम लिविंगस्टोन, रोमारियो शेफर्ड, जैकब बेथेल, स्वप्निल सिंह, भुवनेश्वर कुमार, जॉश हेजलवुड, नुवान तुषारा, लुंगी एनगिडी, यश दयाल, रसिख दार सलाम, सुयश शर्मा, मोहित राठी, अभिनंदन सिंह।

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, ग्लेन फिलिप्स, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, जॉस बटलर, राशिद खान, राहुल तेवतिया, शाहरुख खान, निशांत सिंधु, रविश्रीनिवासन साई किशोर, गेराल्ड कोएट्जी, जयंत यादव, अरशद खान, करीम जानत, शेरफेन रदरफोर्ड, महिपाल लोमरोर, वाशिंगटन सुंदर, मानव सुथार, गुरनूर बराड़, इशांत शर्मा, कगिसो रबाडा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलवंत खेजरोलिया, मोहम्मद सिराज।

इंडियन बैंक Indian Bank

इलाहाबाद ALLAHABAD

भौतिक कब्जा नोटिस (अचल सम्पत्ति के लिए)

(Under Rule-8(1) of Security Interest (Enforcement) Rules- 2002)

सेक्यूरीटाइजेशन एण्ड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेनशियल असेटेस एण्ड एनफोर्समेंट ऑफ सेक्यूरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के नियम– 8 और 9 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत् प्रदत्त अधिकारों के प्रयोग के तहत् इंडियन बैंक (ई–इलाहाबाद बैंक) के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में अधोहस्ताक्षरी ने निम्नलिखित उधारकर्ता/जमानतदार को डिमांड नोटिस, नोटिस में दर्शाई राशि, उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर अदा करने के लिए जारी किया गया।

उधारकर्ता द्वारा राशि अदायगी में असफल रहने पर एतद् द्वारा उधारकर्ता और जनसामान्य को यह सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियम के नियम– 8 और 9 के साथ पठित उक्त एक्ट के द्वारा 13(4) के तहत् उन्हें प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए यहाँ नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा निम्नांकित दिनांक को ले लिया है।

विशेष रूप से निम्नलिखित उधारकर्ता/जमानतदार और सामान्य रूप से जनता को एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि इस सम्पत्ति से संबंधित कोई लेन–देन नहीं करें और निम्नलिखित सम्पत्ति से संबंधित किसी भी प्रकार का लेन–देन इस पर वर्णित बकाया राशि के लिए इंडियन बैंक (ई–इलाहाबाद बैंक) की संबंधित शाखा के निर्मित प्रभार के अध्याधीन होगा।

क्र.	शाखा का नाम	ऋणी एवं बंधककर्ता एवं जमानतदारका नाम एवं पता	संपत्ति का विवरण	मांग सूचना का दिनांक	कब्जा दिनांक	देय राशि
1	कटनी	**ऋणी– मेसर्स श्री अर्पणा दाल उद्योग** **प्रोपराटर एवं बंधककर्ता– 1. श्रीमति शशि अग्रवाल पत्नि श्री राजेश अग्रवाल,** नदी पार, बस स्टैण्ड के पास, इन्द्रा गांधी वार्ड, कटनी (म.प्र.) **जमानतदार– 2. जागीर स्व. श्री राजेश अग्रवाल पिता श्री एच.एल. अग्रवाल प्रतिनिधित्व ज्ञात विधिक उत्तराधिकारी–** **अ. श्री पियूष अग्रवाल पिता स्व. राजेश अग्रवाल,** वार्ड नं. 3, तिलक वार्ड, मुड़वारा, बस स्टैण्ड के पास, राधिका होटल के सामने, कटनी (म.प्र.)– 483501 **ब. श्री पारस अग्रवाल पिता स्व. राजेश अग्रवाल,** वार्ड नं. 3, तिलक वार्ड, मुड़वारा, बस स्टैण्ड के पास, राधिका होटल के सामने, कटनी (म.प्र.)– 483501 **स. श्रीमति शशि अग्रवाल पत्नि स्व. राजेश अग्रवाल,** वार्ड नं. 3, तिलक वार्ड, मुड़वारा, बस स्टैण्ड के पास, राधिका होटल के सामने, कटनी (म.प्र.)– 483501 **द. श्री प्रियांक अग्रवाल पिता स्व. राजेश अग्रवाल,** वार्ड नं. 3, तिलक वार्ड, मुड़वारा, बस स्टैण्ड के पास, राधिका होटल के सामने, कटनी (म.प्र.)– 483501 **जमानतदार एवं बंधककर्ता– 4. श्री राजेन्द्र कुमार अग्रवाल पिता श्री एच.एल. अग्रवाल,** वार्ड नं. 3, तिलक वार्ड, मुड़वारा, बस स्टैण्ड के पास, राधिका होटल के सामने, कटनी (म.प्र.)– 483501	**सम्पत्ति नं. 1**– सम्पत्ति के सभी भू–भाग बंधक लीज भूमि निर्मित एवं उससे जुड़े लीज भूमि स्वामी– मेसर्स श्री अर्पणा दाल उद्योग (प्रोप. श्रीमति शशि अग्रवाल पत्नि स्व. राजेश अग्रवाल) गर्वमेन्ट ऑफ म.प्र. मैनेजिंग डायरेक्टर MPAKVN लिमिटेड जबलपुर, स्थित प्लाट नं. 17, एरिया 4500 वर्गमीटर स्थित ग्राम– लमतरा आई/ए फेस–1, इंडस्ट्रियल एरिया आईआईडीसी लमतरा, तहसील एवं जिला– कटनी (म.प्र.), सेल डीड नं. 1957 दिनांक 29.06.2013, चतुर्सीमाः उत्तर– प्लाट नं. 16, दक्षिण– प्लाट नं. 18, पूर्व– प्लाट नं. 14, पश्चिम– 18 मीटर चौड़ी रोड। **सम्पत्ति नं. 2**– सम्पत्ति के सभी भू–भाग डायवर्टेड भूमि सम्पत्ति स्वामी– श्री राजेन्द्र कुमार पिता श्री एच.एल. अग्रवाल, स्थित खसरा नं. 47/24 (पुराना खसरा नं. 47/2) एरिया 2200 वर्गफुट स्थित मौजा– मुड़वारा, एन.बी. 493, पी.सी. नम्बर 45/2, नया नम्बर 42, रा.नि.मं.– मुड़वारा 1, इन्द्रा गांधी वार्ड, तहसील एवं जिला– सतना (म.प्र.), सेल डीड नं. 1533 दिनांक 09.05.1978, चतुर्सीमाः उत्तर– राजेश कुमार की भूमि, दक्षिण– लक्ष्मन सिंधी की भूमि, पूर्व– मिर्जापुरा रोड, पश्चिम– चंद्रशेखर शुक्ला की भूमि। **प्लांट एवं मशीनरी**– मेसर्स अपर्णा दाल उद्योग की फैक्टरी में स्थापित सभी बंधक मशीनरी और उसके पार्ट– पुर्जे जो कि लीज भूमि, जिसके भू– स्वामी मेसर्स अपर्णा दाल उद्योग (प्रोप. श्रीमति शशि अग्रवाल पत्नि स्व. राजेश अग्रवाल) लीजकर्ता म.प्र. सरकार द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर MPAKVN लिमिटेड जबलपुर, स्थित प्लाट नं. 17, एरिया 4500 वर्गमीटर स्थित ग्राम– लमतरा आई/ए फेस–1, इंडस्ट्रियल एरिया आईआईडीसी लमतरा, तहसील एवं जिला– कटनी (म.प्र.) द्वारा सेल डीड नं. 1957 दिनांक 29.06.2013, पर अवस्थित है।	18/05/2024	27/03/2025 भौतिक कब्जा	रू. 2,07,91,291/- + बाद का ब्याज और अन्य व्यय
2	कटनी	**ऋणी– मेसर्स पारसमनि ट्रेडिंग कम्पनी** **प्रोपराटर एवं बंधककर्ता– 1. श्री पियूष अग्रवाल पिता स्व. राजेश अग्रवाल,** वार्ड नं. 3, तिलक वार्ड, मुड़वारा, बस स्टैण्ड के पास, राधिका होटल के सामने, कटनी (म.प्र.)– 483501 **जमानतदार/बंधककर्ता– 2. श्री राज कुमार अग्रवाल पिता श्री एच.एल. अग्रवाल,** 526/1, पन्ना मोड़, बाल गंगाधर तिलक वार्ड, मुड़वारा, कटनी (म.प्र.)– 483501 **जमानतदार/बंधककर्ता– 3. श्री पारस अग्रवाल पिता स्व. राजेश अग्रवाल,** वार्ड नं. 3, तिलक वार्ड, मुड़वारा, बस स्टैण्ड के पास, राधिका होटल के सामने, कटनी (म.प्र.)– 483501 **जमानतदार– 4. श्री राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल पिता श्री एच.एल. अग्रवाल,** वार्ड नं. 3, तिलक वार्ड, मुड़वारा, बस स्टैण्ड के पास, राधिका होटल के सामने, कटनी (म.प्र.)– 483501 **जमानतदार/बंधककर्ता– 5. श्रीमति शशि अग्रवाल पत्नि स्व. राजेश अग्रवाल,** वार्ड नं. 3, तिलक वार्ड, मुड़वारा, बस स्टैण्ड के पास, राधिका होटल के सामने, कटनी (म.प्र.)– 483501 **जमानतदार/बंधककर्ता– 6. श्री प्रियंक अग्रवाल पिता स्व. राजेश अग्रवाल,** वार्ड नं. 3, तिलक वार्ड, मुड़वारा, बस स्टैण्ड के पास, राधिका होटल के सामने, कटनी (म.प्र.)– 483501 **7. जागीर स्व. राजेश कुमार अग्रवाल प्रतिनिधित्व ज्ञात विधिक उत्तराधिकारी–** **अ.– श्री पियूष अग्रवाल पिता स्व. राजेश अग्रवाल** **ब.– श्री पारस अग्रवाल पिता स्व. राजेश अग्रवाल** **स.– श्रीमति शशि अग्रवाल पत्नि स्व. राजेश अग्रवाल** **द. – श्री प्रियंक अग्रवाल पिता स्व. राजेश अग्रवाल** सभी का पता– वार्ड नं. 3, तिलक वार्ड, मुड़वारा, बस स्टैण्ड के पास, राधिका होटल के सामने, कटनी (म.प्र.)– 483501	**सम्पत्ति नं. 1**– सम्पत्ति के सभी भू–भाग बंधक लीज सम्पत्ति MPAKVN लीज भूमि स्वामी– श्री पियूष अग्रवाल पिता स्व. राजेश अग्रवाल प्रोपराइटर मेसर्स पारसमनि ट्रेडिंग कमपनी स्थित प्लाट नं. 18, एरिया 4500 वर्गमीटर स्थित ग्राम लमतरा आई/ए फेस–1, इंडस्ट्रियल एरिया आईआईडीसी लमतरा, तहसील एवं जिला– कटनी (म.प्र.), सेल डीड नं. 828 दिनांक 06.05.2013 MPAKVN निगम लिमिटेड,जबलपुर। सम्पत्ति के स्वामी हैं। चतुर्सीमाः उत्तर– प्लाट नं. 17, दक्षिण– प्लाट नं. 19, पूर्व– प्लाट नं. 13, पश्चिम– 18 मीटर चौड़ी रोड। **सम्पत्ति नं. 2**– सम्पत्ति के सभी भू–भाग डायवर्टेड भूमि स्थित खसरा नं. 191/3 एरिया 6456 वर्गफुट स्थित मौजा– मटवार पड़रिया, प.ह.नं. 38, एन.बी.– 328, रा.नि.मं.– मुड़वारा 2, तहसील एवं जिला कटनी सम्पत्ति स्वामी– श्री पारस अग्रवाल पिता स्व. राजेश अग्रवाल, सेल डीड नं. 3599 दिनांक 15.12.2006, चतुर्सीमाः उत्तर– विक्रेता की भूमि (जिसे उन्होंने उसी दिन श्री पियूष अग्रवाल से खरीदी थी), दक्षिण– घास का मैदान, पूर्व– विक्रेता श्री शंकर की शेष भूमि एरिया 0.06 हेक्टे., पश्चिम– 15 फुट चौड़ी रोड। **सम्पत्ति नं. 3**– सम्पत्ति के सभी भू–भाग डायवर्टेड भूमि स्थित खसरा नं. 191/2 एरिया 7532 वर्गफुट स्थित मौजा– मटवार पड़रिया, प.ह.नं. 38, एन.बी.– 328, रा.नि.मं.– मुड़वारा 2, तहसील एवं जिला कटनी सम्पत्ति स्वामी– श्री पियूष अग्रवाल पिता स्व. राजेश अग्रवाल, सेल डीड नं. 3598 दिनांक 15.12.2006, चतुर्सीमाः उत्तर– घास का मैदान, दक्षिण– विक्रेता की भूमि (कैलाश पटेल एवं श्री ओमकार पटेल ने श्री पारस अग्रवाल से उसी दिन खरीदी थी), पूर्व– घास का मैदान, पश्चिम– 15 फुट चौड़ी रोड। **सम्पत्ति नं. 4**– सम्पत्ति के सभी भू–भाग डायवर्टेड भूमि स्थित खसरा नं. 47/23 एरिया 0.02 हेक्टे./2200 वर्गफुट स्थित मौजा– मुड़वारा, एन.बी. 493, प.ह.नं. 45/2 नया 43, आर.एम. लोहिया वार्ड, तहसील एवं जिला– कटनी, सम्पत्ति स्वामी– स्व. राजेश अग्रवाल पिता श्री एच.एल. अग्रवाल, श्री पियूष अग्रवाल, श्री पारस अग्रवाल एवं श्री प्रियंक अग्रवाल पिता स्व. राजेश अग्रवाल, श्रीमति शशि अग्रवाल पत्नि स्व. राजेस अग्रवाल, सेल डीड नं. 1532 दिनांक 09.05.1978, चतुर्सीमाः उत्तर– राज कुमार की भूमि, दक्षिण– राजेन्द्र कुमार का प्लाट, पूर्व– मिर्जापुर रोड, पश्चिम– शुक्ला जी की भूमि। **सम्पत्ति नं. 5**– सम्पत्ति के सभी भू–भाग डायवर्टेड भूमि स्थित खसरा नं. 47/25 एरिया 0.02 हेक्टे./2200 वर्गफुट स्थित मौजा– मुड़वारा, एन.बी. 493, प.ह.नं. 45/2 नया 43, आर.एम. लोहिया वार्ड, तहसील एवं जिला– कटनी, सम्पत्ति स्वामी– श्री राज कुमार अग्रवाल पिता श्री एच.एल. अग्रवाल, सेल डीड नं. 1534 दिनांक 09.05.1978, चतुर्सीमाः उत्तर– आनंद राम का प्लाट, दक्षिण– राजेश कुमार का प्लाट, पूर्व– मिर्जापुर रोड, पश्चिम– शुक्ला जी की भूमि। **प्लांट एवं मशीनरी**– मेसर्स पारसमणि ट्रेडिंग कम्पनी की फैक्टरी में स्थापित सभी बंधक मशीनरी और उसके पार्ट– पुर्जे जो कि लीज भूमि, जिसके भूस्वामी श्री पियूष अग्रवाल पिता स्व. राजेश अग्रवाल प्रो. मेसर्स पारसमणि ट्रेडिंग कम्पनी लीजकर्ता म.प्र. सरकार द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर MPAKVN लिमिटेड जबलपुर, स्थित प्लाट नं. 18, एरिया 4500 वर्गमीटर स्थित ग्राम– लमतरा आई/ए फेस–1, इंडस्ट्रियल एरिया आईआईडीसी लमतरा, तहसील एवं जिला– कटनी (म.प्र.) द्वारा सेल डीड नं. 828 दिनांक 06.05.2013, पर अवस्थित है।	18/05/2024	27/03/2025 भौतिक कब्जा	रू. 8,63,78,270/- + बाद का ब्याज और अन्य व्यय

दिनांक: 02/04/2025, स्थान– सतना **प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक**

बेन स्टोक्स काउंटी चैंपियनशिप से बाहर

■ ऑलराउंडर स्टोक्स (33) छह महीने में दूसरी बार हैमस्ट्रिंग से जूझ रहे हैं

लंदन, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत बनाम इंग्लैड के साथ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड को बड़ा झटका लगा है। टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स हैमस्ट्रिंग चोट के कारण डरहम के काउंटी चैंपियनशिप से बाहर हो गये है। वह हालांकि हैमस्ट्रिंग सर्जरी से उबर रहे हैं। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार मुख्य कोच रयान कैंपबेल ने यह जानकारी दी। कैंपबले को भरोसा है कि ऑलराउंडर स्टोक्स इंग्लैंड के ग्रीष्मकालीन मुकाबलों के लिए पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। ऑलराउंडर स्टोक्स (33) छह महीने में दूसरी बार हैमस्ट्रिंग से जूझ रहे हैं। न्यूजीलैंड में इंग्लैंड के अंतिम टेस्ट के दौरान हुई वह चोटिल हो गए थे, तब से लेकर स्टोक्स ने कोई मैच नहीं खेला है, लेकिन हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह गेंदबाजी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑलराउंडर स्टोक्स शुक्रवार से शुरू हो रही काउंटी चैंपियनशिप में नहीं खेल पायेंगे। चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद डरहम और इंग्लैंड के उनके साथी खिलाड़ी ब्रायडन कार्से अब अपनी पैर की अंगुली की चोट से उबर रहे हैं।

मैंने बस अपनी प्रक्रिया का पालन किया, इस पुरस्कार की कभी उम्मीद नहीं थी : अश्विनी कुमार

मुंबई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। जब वह मुंबई इंडियंस में एक अनुभवहीन अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में शामिल हुए, तो अश्विनी कुमार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में मैच खेलने का मौका मिलने के बारे में निश्चित नहीं थे, क्योंकि मुंबई के पास कप्तान हार्दिक पांड्या के अलावा जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, मुजीब उर रहमान जैसे बड़े नाम वाले गेंदबाज थे। लेकिन पीठ की चोट के कारण बुमराह की अनुपलब्धता और मुजीब की खराब फॉर्म ने उनके लिए दरवाजे खोल दिए और पंजाब के 23 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच जीतने वाले 4-24 विकेट लेकर इसे दोनों हाथों से लपक लिया। यह न केवल अश्विनी का पहला चार विकेट लेने का कारनामा था, बल्कि आईपीएल में पदार्पण करने वाले किसी भारतीय गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी था। आईपीएल में अपनी पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले अश्विनी को अपना पहला प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड मिला और खिलाड़ियों ने इसे उनके लिए बड़ी बात बताया।

मयंक यादव और उमरान मलिक की तर्ज पर आईपीएल में सनसनीखेज पदार्पण करने वाले अश्विनी ने कहा कि मेरे लिए यह बड़ी बात है कि मुझे यह अवसर मिला और मुझे यह पुरस्कार मिल रहा है। मैंने इसके बारे में कभी नहीं सोचा था, बस अपनी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया और (यह पुरस्कार पाकर) खुश हूं। मैं मोहाली जिले के झंझेरी से हूं - वहां से यहां तक आना, यह मेरी कड़ी मेहनत का नतीजा है और भगवान की कृपा से मैं यहां हूं। अश्विनी ने कहा कि वह अपने पदार्पण से पहले थोड़े नर्वस थे, लेकिन अवसर का उपयोग करने को लेकर आश्वस्त भी थे।

सार संक्षेप

जीएनसीटी ने मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग अर्बन को 11-0 रौंदा

नई दिल्ली। डीएसए इंस्टिट्यूशनल फुटबाल लीग में मंगलवार को खेले गये मुकाबले में जीएनसीटी (दिल्ली सरकार) ने मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एंड अर्बन को 11-0 से रौंदकर अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। आज यहां विनोद नगर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में खेले गए दिन के पहले मैच में ई एस आई सी ने रिजर्व बैंक को 6-0 से हराया। ईएसआईसी के लिए धीरज कुमार ने दो, प्रवीण रावत, पुष्पेंद्र कुंडू, सुमित रावत और शिखर खन्ना ने एक-एक गोल किये। जीएनसीटी की जीत का हीरो रहे संजय ने हैट्रिक जमाई। अखिल और रोहित ने दो दो गोल किए। मोहित, लक्ष्य, एरिक और अभिनव ने एक एक गोल बांटे। दोनों ही मैचों में पराजित टीमें अपने कुछ नियमित खिलाड़ियों के बिना उतरी और उन्हें शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एंड अर्बन की बड़ी हार का कारण उसके नियमित खिलाड़ियों की गौरमौजूदगी रही।

चैपमैन पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच से हुए बाहर

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज मार्क चैपमैन मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पाकिस्तान के खिलाफ बुधवार को होने वाले दूसरे एकदिवसीय मैच से बाहर हो गये हैं। उनकी जगह टिम सीफर्ट को टीम में शामिल किया गया है। चैपमैन ने नेपियर में सीरीज के पहले मैच में शानदार शतक बनाकर अपनी टीम को 73 रनो से जीत दिलाई थी। लेकिन क्षेत्ररक्षरण के दौरान चैपमैन ने मांसपेशियों में खिंचाव की शिकायत की और बाद किये स्कैन में प्रभावित क्षेत्र में ग्रेड वन टियर का पता चला।चैपमैन अपने स्वास्थलाभ की शुरुआत करने के लिए ऑकलैंड लौटेंगे। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड का मानना है कि मार्क शनिवार को माउंट माउंगानुई में सीरीज के तीसरे मैच के लिए समय पर वापस लौट आयेंगे। स्टीड ने कहा कि नेपियर में पहले एकदिवसीय में एक बहुत ही खास पारी खेलने के बाद यह मार्क के लिए निश्चित रूप से निराशाजनक खबर है।

इटली में छाईं गुजरात की मनोदिव्यांग आशाबेन, पिंकलबेन

गांधीनगर। इटली के ट्यूरिन में आयोजित स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड विंटर गेम्स (विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेल) में गुजरात की दो मनोदिव्यांग आशाबेन ठाकोर और पिंकलबेन चौहान खिलाड़ियों ने डंका बजाया है। सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि मेहसाणा की आशाबेन ठाकोर और दाहोद की पिंकलबेन चौहान ने ट्यूरिन में फ्लोरबॉल खेल में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को कांस्य पदक दिलाने में अहम योगदान दिया। भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका वाली गुजरात की इन बेटियों ने अपने अद्भुत खेल कौशल से गुजरात और भारत का नाम रोशन किया है।

अर्थ जगत

हल्दीराम ने बेची 6 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली। देश की अग्रणी स्नैक्स और मिठाई निर्माता हल्दीराम ने अपने बिजनेस में एक बड़ा कदम उठाते हुए दो नए निवेशकों इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी और अल्फा वेव ग्लोबल को अपनी 6 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी है। उद्योग सूत्रों के अनुसार, यह डील लगभग 10 अरब डॉलर (85,000 करोड़ रुपए) की वैल्यूएशन पर हुई है, जिससे यह भारतीय पैकेज्ड फूड सेक्टर की सबसे बड़ी डील बन गई है। इससे पहले सिंगापुर की निवेश कंपनी टेमासेक ने भी हल्दीराम में हिस्सेदारी खरीदी थी।

ट्रंप की नीतियों से सहमा बाजार, सेंसेक्स 1390 अंक लुढ़का

निवेशकों के 3.49 लाख करोड़ डूबे

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार संभलने का नाम नहीं ले रहा है। थोड़े समय की तेजी के बाद आज बाजार फिर धड़ाम हो गया। दरअसल ट्रंप की नीतियों की वजह से निवेशकों को मूड बदल रहा है, यही प्रमुख वजह भारी गिरावट की मानी जा रही है। बीएसई सेंसेक्स 1390.41 अंक टूटकर 76,024.51 अंक पर बंद हुआ।

इसी तरह एनएसई निफ्टी भी 353.65 अंक लुढ़ककर 23,165.70 अंक पर बंद हुआ। बाजार में आज चौतरफा बिकवाली देखने को मिली। बाजार में बड़ी गिरावट से आज निवेशकों के लाख करोड़ रुपये डूब गए। दरअसल, जब 28 मार्च को बाजार बंद हुआ था तो बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 4,12,87,646 करोड़ रुपये था। आज की बिकवाली में मार्केट कैप घटकर 4,09,64,821.65 लाख करोड़ रह गया। इस तरह निवेशकों के आज 3.49 लाख करोड़ डूब गए।

आईटी क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित- जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि.के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अमेरिकी जवाबी शुल्क की घोषणा से पहले वैश्विक अस्थिरता के बीच, घरेलू बाजार में आज भारी बिकवाली देखी गई। उन्होंने कहा, अमेरिकी बाजार में कारोबार अधिक होने से आईटी क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। महाराष्ट्र में रेडी रेकनर दरों (सर्किल रेट) में वृद्धि के बाद रियल एस्टेट कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में रहे। यूरोप के बाजारों में तेजी का रुख रहा। अमेरिकी बाजारों में सोमवार को ज्यादातर में तेजी रही थी। नायर ने कहा कि तेल के दाम में तेजी से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई।

विदेशी निवेशकों ने की बिकवाली- शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुद्ध रूप से 4,352.82 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। शेयर बाजार सोमवार को 'ईद-उल-फितर' के मौके पर बंद थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74.86 डॉलर प्रति बैरल रहा। वित्त वर्ष 2024-25 में सेंसेक्स 3,763.57 अंक यानी 5.10 प्रतिशत चढ़ा, जबकि निफ्टी में 1,192.45 अंक यानी 5.34 प्रतिशत की तेजी रही। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 191.51 अंक टूटा था, जबकि एनएसई निफ्टी में 72.60 अंक की गिरावट आई थी।

गिरावट के प्रमुख कारण

ट्रंप की टैरिफ से डर- शेयर बाजार निवेशक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए जाने वाले टैरिफ से डरे हुए हैं। ट्रंप ऐलान कर चुके हैं कि वो भारत समेत कई देशों पर 2 अप्रैल से टैरिफ बढ़ाएंगे। इससे बाजार में डर का माहौल है। इसका असर आज बाजार पर देखने को मिला। बाजार में बिकवाली हावी हो गई। **आईटी स्टॉक्स पर दबाव-** अमेरिकी बाजार पर निर्भर आईटी कंपनियों के शेयरों में आज 1.8 प्रतिशत की गिरावट आई है। टैरिफ बढ़ने से आर्थिक सुस्ती और कमजोर मांग को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। इस सेक्टर ने मार्च तिमाही में पहले ही 15 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है। इसका असर भी आज बाजार पर हुआ। **तेल की कीमतें उछली-** कच्चे तेल की कीमतें पांच हफ्ते के उच्च स्तर के करीब बनी हुई हैं, जिससे महंगाई बढ़ने की चिंताएं बढ़ गई हैं। ब्रेंट क्रूड लगभग 74.67 डॉलर प्रति बैरल पर था, जबकि यू.एस. वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट 71.37 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। ऊंची तेल की कीमतें भारत के वित्तीय घाटे और कॉरपोरेट मार्जिन पर दबाव डाल सकती हैं।

रैली के बाद मुनाफावसूली- निफ्टी और सेंसेक्स ने पिछले आठ सत्रों में लगभग 5.4 प्रतिशत की बढ़त हासिल की, जिससे साल के लिए सकारात्मक स्थिति बन गई। हालिया रैली के बाद निवेशक मुनाफावसूली कर रहे हैं, जिससे बाजार में गिरावट देखी जा रही है।

मार्च में जीएसटी से रिकॉर्ड कमाई

सरकारी खजाने में आए 1.96 लाख करोड़

नई दिल्ली। रिफंड को समायोजित करने के बाद, मार्च 2025 में शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.76 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो पिछले साल की तुलना में 7.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दिखाता है।

मार्च 2025 में जीएसटी का कुल संग्रह 9.9 प्रतिशत बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। मंगलवार को सरकार द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, घरेलू लेनदेन से जीएसटी राजस्व 8.8 प्रतिशत बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि आयातित वस्तुओं से मिला राजस्व 13.56 प्रतिशत बढ़कर 46,919 करोड़ रुपये हो गया। मार्च के दौरान कुल रिफंड 41 प्रतिशत बढ़कर 19,615 करोड़ रुपये रहा। रिफंड को समायोजित करने के बाद, मार्च 2025 में शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.76 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो पिछले साल की तुलना में 7.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दिखाता है।

फरवरी में 1.84 ट्रिलियन रुपये का कुल संग्रह- फरवरी 2025 में जीएसटी का कुल संग्रह 9.1 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.84 ट्रिलियन रुपये था। आधिकारिक डेटा के अनुसार,सेन्ट्रल जीएसटी से 35,204 करोड़ रुपये, स्टेट जीएसटी से 43,704 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी से 90,870 करोड़ रुपये और क्षतिपूर्ति उपकर से 13,868 करोड़ रुपये का संग्रह हुआ था।

फरवरी के दौरान घरेलू लेनदेन से जीएसटी राजस्व 10.2 प्रतिशत बढ़कर 1.42 ट्रिलियन रुपये रहा था, जबकि आयात से राजस्व 5.4 प्रतिशत बढ़कर 41,702 करोड़ रुपये हो गया। फरवरी में जारी कुल रिफंड 20,889 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की तुलना में 17.3 प्रतिशत अधिक था। फरवरी 2025 में शुद्ध जीएसटी संग्रह 8.1 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.63 ट्रिलियन रुपये रहा था।

सोना नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर चांदी ने भी लगाई लंबी छलांग

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-2026 के पहले कारोबारी दिन सोना खरीदने वालों को झटका लगा है। मंगलवार को एमसीएक्स पर सोने-चांदी की कीमतों में तेजी आई है।

सोना इस समय 0.69 फीसदी की बढ़त के साथ 91,341 रुपए के नए लेवल पर पहुंच गया है जबकि चांदी 0.76 फीसदी की तेजी के साथ 1,00,821 रुपए प्रति किग्रा पर है। इससे पहले 31 मार्च यानि सोमवार को ईद-उल-फितर के अवसर पर शेयर, मुद्रा, जिंस बाजार बंद थे। 28 मार्च यानि शुक्रवार को सोने का बंद भाव 89,652 रुपए प्रति 10 ग्राम था, ये 0.04 फीसदी टूटा था। चांदी की बात करें तो इसमें 0.02 फीसदी की तेजी थी, ये 1,00,480 रुपए प्रति किग्रा था। कॉमेक्स पर सोमवार को सोने की कीमतों ने इतिहास रचते हुए पहली बार 3,100 डॉलर प्रति औंस का स्तर पार कर लिया। स्पॉट गोल्ड की कीमत बढ़कर 3,106.50 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर था।

रूस से तेल खरीदने वालों को भी ट्रंप की चेतावनी

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता पर मंडराए संकट के बादल

नई दिल्ली। व्हाइट हाउस ने कहा कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाता है, जिससे अमेरिकी निर्यात प्रभावित होता है। यह बयान व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने ऐसे समय दिया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई 'रिसिप्रोकल टैरिफ' नीति 2 अप्रैल से लागू होने जा रही है। ट्रंप लंबे समय से भारत और अन्य देशों द्वारा अमेरिकी सामान पर लगाए गए ऊंचे टैरिफ की आलोचना करते रहे हैं।

अमेरिकी व्यापार पर ऊंचे टैरिफ का असर

कैरोलिन लेविट ने कहा कि कई देशों ने अमेरिका का शोषण किया है और अमेरिकी उद्योगों को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा-

यूरोपीय यूनियन- अमेरिकी डेयरी उत्पादों पर 50 प्रतिशत शुल्क, **जापान-** अमेरिकी चावल पर 700 प्रतिशत तक शुल्क, **भारत-** अमेरिकी कृषि उत्पादों पर 100 प्रतिशत शुल्क, **कनाडा-** अमेरिकी मक्खन और चीज़ पर 300 प्रतिशत तक शुल्क। इन ऊंचे टैरिफ के कारण अमेरिकी उत्पादों का निर्यात मुश्किल हो गया है, जिससे कई व्यवसाय बंद हो गए और नौकरियां चली गईं।

2 अप्रैल से लागू होगी 'रिसिप्रोकल टैरिफ' नीति- डोनाल्ड ट्रंप 2 अप्रैल से एक नई 'रिसिप्रोकल टैरिफ' पॉलिसी लागू करने जा रहे हैं, जिसे उन्होंने मुक्ति दिवस करार दिया है। इस नीति के तहत अमेरिका उन देशों पर समान टैरिफ लगाएगा जो अमेरिकी उत्पादों पर ऊंचा शुल्क लगाते हैं। हालांकि, इस नीति के लागू होने की सटीक प्रक्रिया स्पष्ट नहीं है, जिससे अन्य देशों के लिए प्रतिक्रिया देना मुश्किल हो रहा है।

भारत- अमेरिका व्यापार वार्ता पर असर- भारत और अमेरिका फिलहाल एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। ट्रंप की नई नीति से भारत पर अतिरिक्त व्यापार दबाव बढ़ सकता है, जिससे शुल्क रियायतों और आयात-निर्यात नीतियों में बदलाव संभव है।

रूस से तेल खरीदा तो लगेगा 50 प्रतिशत टैरिफ

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच ट्रंप ने चेतावनी दी है कि रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 25-50 प्रतिशत तक शुल्क लगाया जा सकता है। भारत, जो रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीदता है, इस नीति के प्रभाव का आकलन कर रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते भारत को अपने तेल आपूर्ति विकल्पों पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है।

मुद्रा बाजार

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	85. 47
एक यूरो	91. 90
एक ब्रिटिश पाउंड	111 . 00
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	53. 84
एक जापानी येन	0. 57

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.
864 मारुति शोरूम के सामने
फोन- 2412223,9329428085
जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 92 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 108 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-120 नेट प्रति किलो
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स -56 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 160 रु. प्रति किलो
(जिंदा थोक फार्म रेट)

सराफा बाजार

दुल्हन श्री आभूषण
कमानिया गेट, सराफा बाजार-
मो. 9425860998,9826307100
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 92250 चांदी -102500

सोहन लाल एण्ड संस
रसल चौक फोन- 9425156095
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव-92250 चांदी -102500

दाल- चावल भाव

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज
फोन- 4067270, 9826035338

प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 8000-9000, मीडियम बोल्ड 11000-12000, फाइन 130000-13500, एक्स्ट्रा बोल्ड 13500-14000, चना दाल एवरेज 7600-7800 चना दाल मार्का 7800-8000, मसूर दाल एवरेज 7500-7700, मसूर दाल फाइन 7800-8000, उड़द छिलका 8000-8500, फाइन 8500-9500, उड़द धुली 10000-11000, फाइन 11000-12000, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइन 9500-10000, मूंगदाल धुली 10000- 10500, फाइन 10500-11000। चावल - पुराना चावल सरना चालू 3400-3600, बेस्ट 3600-3800, बीपीटी चालू 4200-4500,फाइन 4500-4800,एचएमटी-5200-5500 फाइन-5800-6000 दुबराज भाटापारा 5200-5300, जेजेएल चालू 5600-5800, फाइन 6000-6300, बासमती कनकी चालू 3200-3600, बासमती कनकी मीडियम 4000-4200, बेस्ट 4400-4500, मोगरा- 4300-5200, दुबार- 5200-5800, तिबार- 6500-6800, बासमती 8500-1000, बेस्ट 10000-11000 पोहा- 4400-4500, फाइन 5400-5500, मुरमुरा- 5500-6000, फाइन- 7000-8000 रु.।

लोहा भाव

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स
शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070

भाव प्रति क्विं.- 6 एम एम 6400, 8 एम एम 5980, 10 एम एम 5860,12 एम एम, 5800 एवं 16 एम 5800 रु.। तार- 75 रु. किलो।

गैस सिलेंडर 41 रुपये सस्ता हुआ

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से लेकर मुंबई और चेन्नई तक सभी महानगरों में गैस सिलेंडर की कीमतें 1 अप्रैल 2025 से कम हुई है. कॉमर्शिल गैस सिलेंडर में 40 रुपये तक कमी का एलान किया गया है।

जबकि, घरेलू गैस सिलेंडर पर किसी तरह का बदलाव नहीं हुआ है। पिछले महीने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में इजाफा किया गया था। घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में आखिर बार 2024 के मार्च में कटौती हुई थी. इसके बाद पिछले करीब 11 महीने में रसोई गैस की कीमत स्थिर बनी हुई है और उसमें किसी तरह का कोई बदलाव नहीं किया गया है. वहीं पर 43 रुपये 50 पैसे की कमी के बाद सिलेंडर की नई कीमत 1921 रुपये 50 पैसे हो गई है। इधर, घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों की अगर बात करें तो इस समय दिल्ली में 803 रुपये, मुंबई में 802 रुपये 50 पैसे, कोलकाता में 829 रुपये और चेन्नई में 818 रुपये 50 पैसे मिल रहा है. 9 मार्च 2024 को घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में करीब 100 रुपये तक की कटौती हुई थी. गौरतलब है कि सरकारी तेल कंपनियों की तरफ से हर महीने की शुरुआत में घरेलू और कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों की समीक्षा की जाती है।

विदेशों में काम करने वाले भारतीयों ने घर भेजे रिकॉर्ड 129.4 बिलियन डॉलर

नई दिल्ली। विदेशों में काम कर रहे भारतीयों ने 2024 में रिकॉर्ड 129.4 बिलियन डॉलर भारत भेजे, जो कि अब तक का सबसे उच्चतम आंकड़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए बैलेंस ऑफ पेमेंट्स डेटा के विश्लेषण के अनुसार, दिसंबर तिमाही में 36 बिलियन की रिकॉर्ड आवक हुई। भारत ने लगातार तीसरे वर्ष 100 बिलियन से अधिक की रेमिटेंस प्राप्त की है।

दूसरे देशों के मुकाबले भारत का प्रमुख स्थान- भारत 2024 में दुनिया का सबसे बड़ा रेमिटेंस प्राप्तकर्ता देश बना रहा, जबकि दूसरे स्थान पर मैक्सिको (68 बिलियन डॉलर) और तीसरे स्थान पर चीन (48 बिलियन डॉलर) रहा। विश्व बैंक के अनुसार, फिलीपींस (40 बिलियन डॉलर) और पाकिस्तान (33 बिलियन डॉलर) क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे।

हाईवे, एक्सप्रेसवे पर गाड़ी चलाने का खर्च बढ़ा

टोल टैक्स में औसतन 4 से 5 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली। हाईवे और एक्सप्रेसवे पर गाड़ी से सफर करने वालों के लिए बुरी खबर है। अब उनको टोल टैक्स के लिए ज्यादा पैसा देना होगा। दरअसल, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने देशभर के राजमार्ग खंडों पर टोल शुल्क में औसतन 4 प्रतिशत से 5 प्रतिशत की वृद्धि की है।

राजमार्ग मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि देश भर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर वाहन चालकों के लिए संशोधित टोल शुल्क मंगलवार से लागू हो गए हैं। एनएचएआई ने सभी राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे के लिए टोल दरों में बढ़ोतरी को अलग से अधिसूचित किया है। अधिकारी के अनुसार, टोल शुल्क को संशोधित करना वार्षिक कवायद का हिस्सा है। यह थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में बदलाव से जुड़ा है। हर साल इसे एक अप्रैल से लागू किया जाता है।

855 शुल्क प्लाजा से टोल की वसूली - राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क पर लगभग 855 टोल प्लाजा हैं, जिन पर राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दरों और संग्रह का निर्धारण) नियम, 2008 के अनुसार शुल्क लगाया जाता है। इनमें से लगभग 675 सार्वजनिक वित्तपोषित शुल्क प्लाजा हैं और 180 राजमार्ग विकसित करने वाली कंपनियों द्वारा संचालित टोल प्लाजा हैं। संशोधित दरें देश भर के प्रमुख मार्गों पर यात्रियों को प्रभावित करेंगी, जिनमें दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और दिल्ली-जयपुर हाईवे शामिल हैं।

देशबन्धु
ग्राहक सेवा

रेमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राउजर शर्ट स्पेशलिस्ट
टेलर्स वारिस
शॉप नं. 3 आनंद टॉकीज शॉपिंग काम्पलेक्स, जबलपुर फोन: 2405596
मो.- 9424392281, 9425152707
देग्रासे सी 30/7/2022

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज
क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें
बिना ऑपरेशन
डॉ. विश्वास
राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे
मो: 9827042596

फ्लैट बेचना है
गोलबाजार, जबलपुर में 742 वर्गफुट का 2 BHK बालकनी सहित फ्लैट दूसरी मंजिल पर बिक्री हेतु उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
एडवोकेट रविशंकर पटेल
फोन नंबर-
9827087838

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें।
देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अतः विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

1 अप्रैल से महंगी हो गई 1000 से ज्यादा दवाइयां

नई दिल्ली। देश के करोड़ों आम लोगों के लिए एक बुरी खबर आ रही है। आज यानी 1 अप्रैल से 900 से ज्यादा आवश्यक दवाइयों की कीमत 1.74 प्रतिशत बढ़ जाएंगी। इसके साथ ही, आम लोगों के दवाइयों का खर्च बढ़ जाएगा और बचत कम हो जाएगी। आज से महंगी होने वाली दवाओं में इंफेक्शन, डायबिटीज और हार्ट की दवाइयां भी शामिल हैं। केंद्र सरकार के रसायन और उर्वरक मंत्रालय के अधीन काम करने वाला विभाग राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण आवश्यक दवाइयों की कीमत तय करता है। आवश्यक दवाओं की कीमत में पिछले साल के थोक मूल्य सूचकांक को ध्यान में रखकर कटौती या बढ़ोतरी की जाती है।

दवा के दाम बढ़ाने के लिए सरकार की पूर्व स्वीकृति की जरूरत नहीं- एनपीपीए ने एक बयान में कहा, कैलेंडर ईयर 2023 की तुलना में साल 2024 के दौरान डब्ल्यूपीआई में (+) 1.74028 प्रतिशत का बदलाव दर्ज किया गया। दवा निर्माता इस डब्ल्यूपीआई के आधार पर अनुसूचित फॉर्मूलेशन के अधिकतम खुदरा मूल्य में बढ़ोतरी कर सकते हैं और इस संबंध में सरकार की पूर्व स्वीकृति की जरूरत नहीं होगी।

मलेरिया, एंटीवायरल, एंटीबायोटिक दवाओं की कीमत में होगी बढ़ोतरी- सरकार के इस आदेश के बाद एंटीबायोटिक एजिथ्रोमाइसिन की कीमत 11.87 (250 एमजी) और 23.98 रुपये (500 एमजी) प्रति टैबलेट होगी। एमोक्सिसिलिन और क्लैवुलैनिक एसिड के फॉर्मूलेशन वाले एंटीबैक्टीरियल ड्राई सिरप की कीमत 2.09 रुपये प्रति एमएल होगी। एसाइक्लोविर जैसे एंटीवायरल की कीमत 7.74 रुपये (200 मिलीग्राम) और 13.90 रुपये (400 मिलीग्राम) प्रति टैबलेट होगी। इसी तरह, मलेरिया के इलाज में इस्तेमाल होने वाली हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन की कीमत 6.47 रुपये (200 मिलीग्राम) 14.04 रुपये (400 मिलीग्राम) प्रति टैबलेट होगी।

दर्द की दवाएं भी होंगी महंगी- दर्द से राहत पाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवा डाइक्लोफेनाक की अधिकतम कीमत अब 2.09 रुपये प्रति टैबलेट होगी, जबकि इबुप्रोफेन टैबलेट की कीमत 0.72 रुपये (200 एमजी) और 1.22 रुपये (400 एमजी) प्रति टैबलेट होगी। एनपीपीए ने राष्ट्रीय आवश्यक दवाओं की लिस्ट में मौजूद 1000 से ज्यादा दवाइयों की कीमतों में बढ़ोतरी की मंजूरी दी है।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

चार माह पूर्व इंटर्नशिप की अवधि बढ़ाकर कर दी तीन साल

हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर मांगा जवाब

जबलपुर, देशबन्धु। चार माह पूर्व इंटर्नशिप की अवधि एक साल बढाये जाने को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। याचिका में कहा गया था कि खेल प्रारंभ होने के बाद नियमों में बदलाव नहीं किया जा सकता है। हाईकोर्ट जस्टिस संजीव सचदेवा तथा जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। विदिशा निवासी डॉ नारायण रघुवंशी की तरफ से दायर की गयी याचिका में कहा गया था कि उन्होंने चीन में एमबीबीएस कोर्स में दाखिला लिया था।

कोरोना लगने के कारण उन्हें घर वापस लौटना पडा था। उन्होंने एमबीबीएस कोर्स की पूरी पढ़ाई ऑनलाइन मोड में करी थी। विदेश से एमबीबीएस कोर्स करने वालों को प्रदेश में रजिस्ट्रेशन के लिए एक साल तक इंटर्नशिप करना आवश्यक थी। कोरोना काल में उसे बढाकर दो साल कर दिया गया था।

एमबीबीएस कोर्स पूर्ण करने के बाद उसने दो साल की इंटर्नशिप प्रारंभ की थी। इंटर्नशिप का कार्यकाल 31 मार्च 2025 को पूर्व होना था। इसके पूर्व भी नवम्बर 2024 में आदेष जारी कर इंटरषिप कार्यकाल तीन साल का कर दिया गया। याचिकाकर्ता की तरफ से पैरवी करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी ने बताया कि सिर्फ मध्य प्रदेश में इंटर्नशिप के कार्यकाल में बढ़ोतरी की गयी है।

देश के अन्य राज्य में इंटर्नशिप का कार्यकाल दो साल है। पूर्व में याचिकाकर्ता को इंटर्नशिप का कार्यकाल दो साल बताया गया था। खेल प्रारंभ होने के बाद नियमों में बदलाव नहीं किया जा सकता है, ऐसा किया जाना अवैधानिक है।

मोबाइल वॉट्सएप पर लिखी विवादित पोस्ट से हुआ बवाल

धार्मिक संगठन के लोगों ने स्कूल में तोड़फोड़ करते हुए किया उग्र प्रदर्शन

जबलपुर, देशबन्धु। जॉय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के संचालक ने अपने मोबाइल वॉट्सएप में लिखा था ब्लडी हिन्दू राम के बस्टर्ड चिल्ड्रन। जिसके विरोध में हिंदूवादी संगठनों ने स्कूल पहुंचकर संचालक के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने मैन गेट में लगे स्कूल के बोर्ड तथा खिड़कियों में लगे कांच को तोड दिया। हिन्दुवादी संगठनों के द्वारा लगभग दो घंटे तक उग्र विरोध किया गया।

गौरतलब है कि गत दिवस हिन्दूवादी संगठन ने रांझी थानान्तर्गत दो बसों को रोका था। हिन्दूवादी संगठन का आरोप था कि बस में सवार आदिवासी लोगों का धर्मांतरण किया जा रहा है। उन्हें प्रलोभन तथा भय से ईसाई धर्म अपनाने बाध्य किया जा रहा है। रांझी पुलिस थाने में बस में सवार सभी लोगों के नाम व पता दर्ज किये गये थे।

ईसाई समाज के लोगों के साथ मारपीट के आरोप

इस दौरान ईसाई समाज के लोगों के साथ हिन्दूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने थाने में पुलिस अधिकारी तथा कर्मचारियों की उपस्थिति में मारपीट की थी। रांझी थाने में धर्मांतरण के आरोप के दौरान हुए हंगामे के बाद जॉय स्कूल के संचालक अखिलेश मेबन ने उक्त विवादित पोस्ट अपने मोबाइल में लगा लिया था। जिसका विरोध करते हुए विहिप सहित अन्य हिन्दूवादी संगठन ने विजय नगर स्थित स्कूल में पहुंचकर संचालक के खिलाफ उग्र प्रदर्शन किया। हंगामे की जानकारी मिलने पर पुलिस बल स्कूल पहुंच गया था। इसके बावजूद भी हिन्दूवादी संगठनों के उपद्रव जारी था। जिसके कारण अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। बडी संख्या में पहुंचे पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रण में लिया। घटना के संबंध में शिकायत मिलने पर विधि अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

अभिनव पहल | लोकनिर्माण विभाग में प्रयोगशाला विंग अलर्ट मोड पर

भ्रष्टाचार रोकने और गुणवत्ता का बनाये रखने लिये जा रहे हैं सड़क-पुल, पुलिया के सेंपल

जबलपुर, देशबन्धु। लोक निर्माण विभाग में इन दिनों प्रयोगशाला विंग का काम बढ़ गया है। इसके लिये तकनीकी अधिकारी-कर्मचारियों को अलर्ट मूड पर रखा गया है। इस काम के लिये आला अधिकारियों ने भी जरूरी दिशा निर्देश जारी कर दिये हैं ताकि सरकार की मंशा के अनुरूप प्रयोगशाला में बिना विलंब जांच रिपोर्ट संबंधित अधिकारी को मिल सके।

देशबन्धु खबर

गौरतलब है कि पीडब्लूडी में सड़कों की गुणवत्ता को बनाये रखने विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आकस्मिक जांच की जा रही है। इसमें भी जो जिस जिले के अधिकारी हैं, वे अपने जिलों में कामों की जांच नहीं कर सकेंगे। वहां पर दूसरे जिलों के अधिकारी या जानकार काम की गुणवत्ता का स्तर देखने आएंगे। इसी तरह जबलपुर के अधिकारी अन्यंत्र जिलों में दौरा कर रहे हैं। इस तरह का नया प्रयोग प्रदेश में इस विभाग के मंत्री राकेश सिंह की पहल से शुरू किया गया है जिसके बेहतर परिणाम आने से इंकार जानकार इंकार नहीं कर रहे हैं।

चौबीस घंटे में रिपोर्ट देने का दवाब

वहीं सूत्रों के अनुसार प्रयोगशाला के प्रभारियों पर दवाब रहता है कि जैसे ही उनके पास नमूना या संबंधित मटेरियल आता है, उसकी जांच अगले चौबीस घंटे में संबंधित डिवीजन के उन अधिकारियों को देनी पड़ती है जिनके द्वारा सड़क, पुल-पुलिया की जांच या सेम्पल लिये गये होते हैं। इसके बाद रिपोर्ट मिलने पर संबंधित उस अधिकारी जिसकी देखरेख में काम किया गया है, और काम करने वाले ठेका कंपनी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई का प्रावधान तैयार किया गया है। इसीलिये रिपोर्ट देने में जल्दबाजी की बात कही जा रही है।

बिना तोड़-फोड़ होगी जांच

विभागीय सूत्रों के अनुसार जबलपुर लोक निर्माण विभाग के संभागीय कार्यालय की प्रयोगशाला को और बेहतर बनाया जा रहा है। नई तरह की मशीन और उपकरण लगाये जा रहे हैं। कुछ मशीन विभाग के परिसर में आ गई हैं, इन्हें जल्द ही प्रयोग शाला में लगा दिया जायेगा। इनके बारे में कहा जाता है कि सड़क, पुल इत्यादि के नये कामों को इस तरह की तकनीक और मशीन के माध्यम से बिना किसी टूट-फूट जांचा जा सकेगा। इसमें दूसरे महानगरों के जानकारों की मदद ली जायेगी।

आसमान में धूप और बदली की आवाजाही, मौसम में ठंडक घुली

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम बंगाल से बनने नये सिस्टम का असर प्रदेश के जिलो में होने लगा है। मंगलवार को सुबह से पूरे दिन धूप और बदली देखने को मिली। इससे तापमान भी कम हो गया है। जिससे आम जनों को गर्मी से राहत रही। अगले दो दिनों में जबलपुर के साथ आस-पास के जिलों में गरज चमक के बीच बारिश का पूर्वानुमान जारी किय गया है।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मौसम का मिजाज बदल रहा है। 1 अप्रेल को अधिकतम तापमान 36.1 और 19.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते सा 37.5 एवं 21.7 डिग्री सेल्सियस आंका गया था। अभी उत्तर से पूर्व से तीन से चार किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से चल रही हैं।

किसानों की नीद उड़ी

इधर जिस तरह मौसम के जानकारों ने बताया है कि इस सप्ताह तेज हवाओं के साथ ओला गिरने और बूंदा-बांदी हो सकती है। उससे कृषि के क्षेत्रों में चिंता देखी जा रही है। चूंकि अभी खेतों में मौसम की फसल पक गई है, और इसके कटने का समय नजदीक है। इस बीच ओला गिरने या बारिश होने की स्थिति में फसल बुरी तरह खराब हो सकती है। दाना खराब होता है। जिससे किसानों को उम्मीद के अनुरूप फसल के दाम नहीं मिलते हैं।

थ्रेसर में फंसी आदिवासी महिला मजदूर

एक हाथ कटकर हुआ अलग, अस्पताल पहुंचने से पहले हो गई मौत

उमरिया, देशबन्धु। उमरिया जिले के नौरोजाबाद थाना अंतर्गत ग्राम बुढ़हान रामपुर में मंगलवार सुबह एक हृदयविदारक हादसा हुआ, जिसमें ग्राम नरवार निवासी 40 वर्षीय विधवा महिला फूल बाई पति स्व. तम्मा बैगा की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के दौरान महिला का एक हाथ शरीर से अलग हो गया और कमर से ऊपर का हिस्सा बुरी तरह चोटिल हो गया। हादसे के बाद परिजनों और ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 9 बजे नरवार के एक कृषक द्वारा खेत में चने की कटाई के लिए थ्रेसर मशीन का उपयोग किया जा रहा था। यह थ्रेसर जरहा निवासी एक कारोबारी का बताया जाता है। कार्य के दौरान अचानक लापरवाही वश फूल बाई मशीन की चपेट में आ गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद थ्रेसर मालिक ने तत्परता दिखाते हुए घायल महिला को तुरंत ऑटो के माध्यम से अस्पताल भेजा, लेकिन दुर्भाग्यवश रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

महिला की मौत के बाद शव को गांव लाया गया, जहां ग्रामीणों ने गहरा शोक व्यक्त किया। इसके उपरांत शव को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। मृतका के पति तम्मा बैगा का पहले ही निधन हो चुका था, जिसके बाद वह मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही थी। परिवार में एक बेटा और एक बेटी हैं, जिनकी पूरी जिम्मेदारी मृतका के कंधों पर थी। इस हादसे के बाद उनके जीवनयापन पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

घटना की सूचना मिलते ही नौरोजाबाद पुलिस सक्रिय हो गई और जल्द ही

घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक जांच और कानूनी प्रक्रिया शुरू की। शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है कि हादसा लापरवाही का नतीजा था या कोई अन्य कारण इसके पीछे था।

कम नंबर आने पर भी छात्रों का साल नहीं होगा खराब

महाविद्यायीन विद्यार्थियों के लिए नई परीक्षा व्यवस्था

जबलपुर, देशबन्धु। अब कम नंबर लाकर भी महाविद्यालयीन विद्याथियों का साल खराब नहीं होगा। उन्हें कम नंबरों में भी उत्तीर्ण किया जा सकता हैं। बताया जा रहा हैं कि नई शिक्षा नीति के तहत स्नातक पाठ्यक्रम के लिए अब परीक्षा में पास होने के लिए 33 अंकों की बजाय 20 से 23 अंक लाने होंगे।

जानकारों के अनुसार इस बदलाव से विद्यार्थी परीक्षा में आसानी से पास हो पाएंगे। इसके अंतर्गत बीए, बीकॉम और बीएससी जैसे स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी के लिए सतत और व्यापक मूल्यांकन (सीसीई) को जरूरी कर दिया गया है। इस नई प्रणाली को जहां बताया जा रहा हैं कि इसके लागू होने से छात्रों के लिए परीक्षा में पास होना पहले के मुकाबले कहीं आसान होगा वहीं विद्यार्थियों का कहना हैं कि सीसीई के मापदंडों से देखें तो औसत विद्यार्थियों कें लिए 33 क्या 20 से 23 नंबर भी लाना आसान नहीं है।

सीसीई में नंबर लाने करनी होगी कवायद- बताया जा रहा हैं कि जहां पहले परीक्षा में पास होने के लिए 33 नंबर जरूरी थे वहीं अब सीसीई के नंबरों के जोडने के बाद अब ग्रेजुएट छात्रों के लिए पास होने के लिए केवल 20-23 नंबर लाना काफी होगा। इसके कारण, छात्रों के लिए परीक्षा में पास होना अब पहले के मुकाबले आसान हो गया है। सीसीई में जो नंबर मिलते हैं, वे मुख्य परीक्षा में शामिल किए जाते हैं, जिससे छात्रों को आसानी से पास होने का मौका मिलता है, भले ही वे मुख्य परीक्षा में अपेक्षाकृत कम नंबर लाते हों।

सीसीई प्रणाली क्या है- सीसीई सतत और व्यापक मूल्यांकन की एक नई प्रक्रिया हैं जो पिछले कुछ वर्षों से लागू हैं। यह छात्रों की सालभर की पढ़ाई, प्रोजेक्ट वर्क, असाइनमेंट, प्रेजेंटेशन और कक्षा में भागीदारी जैसे पहलुओं को ध्यान में रखते हुए नंबर देते हैं।

वरिष्ठ पत्रकार शैलेंद्र दुबे का निधन

जबलपुर, देशबन्धु। रामेश्वरम कॉलोनी विजय नगर निवासी वरिष्ठ पत्रकार शैलेन्द्र दुबे (काका) का निधन हो गया। वे डॉ. एस. दुबे के पुत्र एवं शिक्षिका सुधा दुबे के पति और आयुष के पिता थे। आकाशवाणी, उद्घोषक रवीन्द्र दुबे अधिकारी धीरेंद्र दुबे उनके भाई थे। उनका अंतिम संस्कार ग्वारीघाट में संपन्न हुआ जिसमें विभिन्न वर्ग के लोगों ने अंतिम विदा दी।आपने देशबन्धु के साथ ही नगर के अन्य दैनिक समाचार पत्रों में अपनी सेवाएं दी थीं। **देशबन्धु परिवार की विनम्र श्रंद्धांजलि।**

निजी प्रैक्टिस के चक्कर में सरकारी अस्पतालों के हाल बेहाल

शाम को न ओपीडी खुल रही न मिल रहीं आईसीयू सुविधाएं

जबलपुर, देशबन्धु। सरकारी अस्पतालों से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में सेवाएं दे रहे चिकित्सकों की निजी प्रैक्टिस के चक्कर में शाम ढ़लते ही मरीजों को भगवान भरोसे छोड़ा जा रहा हैं।

चिकित्सा विभाग के सूत्रों के अनुसार नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल, विक्टोरिया जिला अस्पताल एवं लेडी एल्गिन हॉस्पिटल के साथ लगभग सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में शाम की ओपीडी और आईसीयू सुविधाएं बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। यह स्थिति शहर ही नहीं बल्कि प्रदेश भर की बन रही हैं।

आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के 38 सरकारी अस्पतालों में आईसीयू सुविधाएं पिछले पांच साल से बंद हैं। सरकारी अस्पतालों के अधिकांश सिविल सर्जन, सीबीएमओ और आईसीयू इंचार्ज के निजी अस्पताल हैं।

कोरोना महामारी के बाद बिगड़े हालात- बताते हैं कोरोना महामारी के दौरान प्रदेश में 87 सरकारी अस्पतालों में आईसीयू की सुविधा स्थापित की गई थी, ताकि गंभीर मरीजों को तत्काल उपचार मिल सके। पांच साल बाद भी इनमें से 38 आईसीयू चालू नहीं हो पाए हैं। बताया जा रहा है कि इन अस्पतालों में किसी मरीज को भर्ती करने की तो बात छोड़िए, इनका ताला तक नहीं खोला गया। जो कुछ आईसीयू चल भी रहे हैं, उनका उपयोग भी वीआईपी वार्ड के तौर पर किया जा रहा है।

निजी अस्पतालों को पहुंचा रहे लाभ

सरकारी अस्पतालों के अधिकांश सिविल सर्जन, सीबीएमओ और आईसीयू इंचार्ज के निजी अस्पताल हैं। डॉक्टरों के निजी अस्पतालों को फायदा पहुंचाने के लिए सरकारी आईसीयू को चालू नहीं किया जा रहा है।

यह बताई जा रही वजह

सरकारी अस्पतालों के आईसीयू बंद रहने का मुख्य कारण स्टाफ की कमी और उपकरणों की खराबी को बताया जा रहा हैं। इसके अलावा, कई डॉक्टरों के निजी अस्पतालों से जुड़ा होने के कारण इन सुविधाओं को जानबूझकर चालू नहीं किया जा रहा है।

रीवा-इतवारी एक्सप्रेस की सेवाएं अब 4 अप्रैल से होगी बहाल

जबलपुर, देशबन्धु। रेल प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मण्डल पर ब्रिजों के अनुरक्षण कार्य के चलते रीवा-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-रीवा एक्सप्रेस की सेवाओं को पहले निरस्त करने का निर्णय लिया गया था। अब निरस्त रीवा-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-रीवा एक्सप्रेस की सेवाएं आगामी 4 अप्रैल 2025 से बहाल रहेगी। यानि अपने नियमित समय-सारणी के अनुसार गंतव्य तक चलती रहेंगी।

गाड़ी संख्या 11756 रीवा-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी एक्सप्रेस 04 अप्रैल से बहाल कर दिया गया है। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 11755 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-रीवा एक्सप्रेस 05 अप्रैल से बहाल कर दिया गया है।

स्टेशन का नाम बदलने पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा पत्र

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री दिग्विजय सिंह ने भिंड जिले के सोनी रेलवे स्टेशन का नाम श्री दंदरौवा रखने के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को 27 मार्च को पत्र लिखा है।

इस पत्र में उल्लेख किया गया है कि प्रदेश के भिंड जिले में स्थित श्री दंदरौवा धाम एक प्राचीन एवं प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। इस धार्मिक स्थल को स्थानीय रहवासियों के अलावा ग्वालियर शिवपुरी,मुरैना, और प्रदेश के बाहर से भी इस धार्मिक स्थल में श्रद्धालुओं द्वारा लाखों की संख्या में हमेशा ही आते ही इस मंदिर की मान्यता और महत्व प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों में भी प्रसिद्धि प्राप्त है। इस मंदिर के संबंध में पूर्व मुख्य मंत्री एवं राज्य सभा सांसद दिग्विजय सिंह ने इस मंत्री का मुख्य एवं मान्यता का वर्णन बिन्दु बार इस प्रकार किया है। धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व-श्री दंदरौवा धाम क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का बड़ा मुख्य केन्द्र है।

यहां पर आने वाले श्रद्धालु अपनी आस्था और विश्वास के साथ मंदिर में पूजा अर्चना करते हैं, इसके कारण ही क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षण मिलता है। पर्यटन और रोजगार सृजन-सोनी स्टेशन का नाम बदलकर दंदगैवा धाम रेलवे स्टेशन रखे जाने से यहां तक ओर प्रदेश के साथ ही साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी इस धार्मिक स्थल को विशेष पहचान का दर्जा प्राप्त होगा। प्रदेश में पर्यटन विभाग द्वारा इस संबंध में कई शहरों के रहवासियों को अपनी ओर आर्कषित करने नए नए तरीके से प्रयास किये जा रहे हैं।

इससे प्रदेश के मान के साथ ही साथ यह प्रदेश के नक्शों में शामिल होने से क्षेत्रीय रहवासियों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे और इस शहर में अन्य प्रदेशों के व्यापारी भी इसका समुचित लाभ उठाने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे।

सोनू पोल्ट्री

बड़ा ब्रॉयलर - रु. 90
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 106
छोटा ब्रॉयलर - रु. 118
मो.- 9039925999

J.B.F.A
जबलपुर ब्रॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

मुर्गा छोटा - रु. 122
मुर्गा मीडियम - रु. 110
मुर्गा बड़ा - रु. 94
मुर्गा जम्बो - रु. 94
मो.-9039925000, 9425800409